नई दिल्ली | सोमवार , 13 अप्रैल, 2026
बैशाख कृष्ण पक्ष नवमी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :97 | मूल्य 3.00 रुपए | पृष्ठ 12

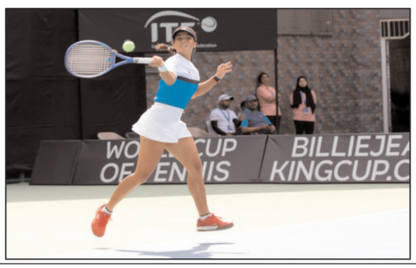

दैनिक विश्व केसरी

नई दिल्ली संस्करण
सिर्फ पत्रकारिता...
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwakesari
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल बिली जीन किंग कप: भारत ने कोरिया पर जीत...
@ विचार भारत के नेता कैसे हों, बालेन शाह जैसे हों ...
@ व्यापार देश में रिकॉर्ड पेटेंट फाइलिंग पर बोले पीयूष गोयल...

होर्मुज से आने-जाने वाले सभी जहाजों का रास्ता रोकेगा अमेरिका : ट्रंप

ईरान को 'अवैध वसूली' से फायदा उठाने की अनुमति नहीं दी जाएगी

एजेंसी ■ वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस्लामाबाद टॉक्स बेनतीजा रहने के घंटों बाद अपनी बात हमेशा की तरह ट्रुथ सोशल पर रखी। उन्होंने होर्मुज और न्युक्लियर मुद्दे पर असहमति को स्वीकारते हुए दावा किया कि अब अमेरिका होर्मुज से गुजरने वाले सभी जहाजों को ब्लॉक करने से परहेज नहीं करेगा।

दो पोस्ट्स में ट्रंप ने दावा किया कि बैठक में ज्यादातर मुद्दों पर सहमति बनी, लेकिन होर्मुज और न्यूक्लियर पर बात नहीं बन पाई। उन्होंने लिखा, 'इस वजह से तत्काल प्रभाव से, यूनाइटेड स्टेट्स नेवी होर्मुज स्ट्रेट में प्रवेश करने या उससे बाहर निकलने की कोशिश करने वाले किसी भी जहाज को 'ब्लॉक' (रोकने) करने की प्रक्रिया शुरू कर देगी।

उन्होंने पिछली कुछ पोस्ट्स में माइन बिछाने के दिखावे का जिक्र किया था। इस बार भी कुछ ऐसा ही कहा। उन्होंने कहा कि ईरान ने जहाजों के आने जाने पर बस यह कहकर मना कर दिया कि, हो सकता है कि वहां कहीं कोई 'माइन' (बारूदी सुरंग) बिछी हो, जिसके बारे में उनके अलावा किसी और को पता न हो।

ट्रंप के अनुसार, यह पूरी दुनिया से की जा रही 'जबरदस्ती वसूली' की चाल है, और यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका कभी भी इस तरह की जबरदस्ती के आगे नहीं झुकेंगे।

इसके साथ ही अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने अपनी नौसेना को निर्देश दिया है कि वे अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में मौजूद हर उस जहाज़ को ढूंढें और रोकें, जिसने ईरान को कोई 'टोल' (शुल्क) दिया हो। जो कोई भी इस तरह का अवैध टोल देगा, उसे खुले समुद्र में सुरक्षित रास्ता नहीं मिलेगा। हम उन 'माइन्स' (बारूदी सुरंगों) को भी नष्ट करना शुरू कर देंगे, जिन्हें ईरानियों ने जलडमरूमध्य में बिछाया है। कोई भी ईरानी, जो हम पर—या किसी भी शांतिपूर्ण जहाज पर—गोली चलाएगा, उसे पूरी तरह से 'तबाह' कर दिया जाएगा!

एक बार फिर दावा किया कि ईरान की नौसेना, उनका शीर्ष नेतृत्व, सेना और एंटी एयरक्राफ्ट सिस्टम तबाह हो चुका है। ट्रंप के अनुसार, 'ब्लॉकेड' (घेराबंदी) जल्द ही शुरू हो जाएगा। इस ब्लॉकेड में अन्य देश भी शामिल होंगे। ईरान को 'अवैध वसूली' से फायदा उठाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। हम पूरी तरह से 'तैयार और मुस्तैद' हैं; हमारी सेना ईरान का जो कुछ भी थोड़ा-बहुत बचा-खुचा हिस्सा है, उसे भी पूरी तरह से खत्म कर देगी।

सक्षिप्त खबर

इस हफ्ते सोने की चमक बढ़ी, चांदी करीब 12 हजार रुपए महंगी हुई

नई दिल्ली। सोने और चांदी की कीमतों में इस हफ्ते तेजी देखने को मिली है। सोने का दाम 3,700 रुपए प्रति 10 ग्राम से अधिक और चांदी की कीमतों में करीब 12,000 रुपए प्रति किलो का इजाफा हुआ है।

इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट सोने का दाम बढ़कर 1,50,327 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पिछले हफ्ते इसी दिन 1,46,608 रुपए प्रति 10 ग्राम था। यह दिखाता है कि सोने की कीमतों में बीते एक हफ्ते के दौरान 3,719 रुपए प्रति 10 ग्राम का इजाफा हुआ है।

22 कैरेट सोने का दाम बढ़कर 1,37,700 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पहले 1,34,293 रुपए था। वहीं, 18 कैरेट सोने की कीमत 1,09,130 रुपए प्रति 10 ग्राम से बढ़कर 1,12,745 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है।

सोने के साथ चांदी की कीमतों में भी तेजी बनी हुई है। चांदी की कीमत एक हफ्ते में 12,121 रुपए बढ़कर 2,39,934 रुपए प्रति किलो हो गई है। पेज नं -2

संसद का विशेष सत्र: भाजपा ने जारी किया 'थ्री लाइन व्हिप'

एजेंसी ■ नई दिल्ली

16 अप्रैल से शुरू हो रहे तीन दिवसीय विशेष सत्र में भाजपा सरकार महिला आरक्षण कानून में संशोधन और लोकसभा सीटें बढ़ाने का प्रस्ताव रखेगी, जिसके लिए तीन लाइन का व्हिप जारी किया गया है, वहीं विपक्ष सर्वदलीय बैठक की मांग कर रहा है।

केंद्र सरकार ने 16 से 18 अप्रैल 2026 तक संसद का तीन दिवसीय विशेष सत्र बुलाया है। इस सत्र की महत्ता को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी ने अपने सभी लोकसभा और राज्यसभा सांसदों को 'तीन लाइन का व्हिप' जारी किया है। इसके तहत सभी सांसदों और केंद्रीय मंत्रियों को इन तीन दिनों के दौरान सदन में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने का निर्देश दिया गया है।

लोकसभा सीटों के विस्तार की बड़ी योजना

इस विशेष सत्र का मुख्य एजेंडा महिला आरक्षण कानून (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) में महत्वपूर्ण संशोधन करना है। सरकार का लक्ष्य 2029 के आम चुनाव से पहले इस आरक्षण को लागू करना है।

पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, लोकसभा की कुल सीटों की संख्या वर्तमान 543 से बढ़ाकर 816 करने का प्रस्ताव है। बढ़ी हुई सीटों में से करीब 273 सीटें (कुल सीटों का एक-तिहाई) महिलाओं के लिए आरक्षित की जा सकती हैं। आरक्षण को जल्द लागू करने के लिए सरकार 2027 की जनगणना का इंतजार करने के बजाय 2011 की जनगणना के आंकड़ों के आधार पर परिसीमन कराने की योजना बना रही है।

सांसदों को सख्त निर्देश

पार्टी ने अपने सांसदों को भेजे संदेश में स्पष्ट किया है कि सत्र के दौरान किसी को भी अवकाश नहीं दिया जाएगा। सांसदों से व्हिप का सख्ती से पालन करने और चर्चा के दौरान सदन में डटे रहने को कहा गया है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इन प्रस्तावों को पहले ही मंजूरी दे दी है, और अब इन्हें कानून का रूप देने के लिए संसद में पेश किया जाएगा।

विपक्ष की प्रतिक्रिया

दूसरी ओर, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर इस सत्र से पहले 'सर्वदलीय बैठक' बुलाने की मांग की है।

विपक्ष का आरोप है कि सरकार ने बिना विश्वास में लिए यह सत्र बुलाया है। सांसद शशि थरूर ने भी चिंता जताई है कि बिना उचित विचार-विमर्श के परिसीमन जैसे बड़े कदम उठाने से राज्यों के लोकतांत्रिक संतुलन पर असर पड़ सकता है। हालांकि, सरकार इस ऐतिहासिक कानून को 2029 तक धरातल पर उतारने के लिए पूरी तरह तैयार नजर आ रही है।

पश्चिम बंगाल में भाजपा सत्ता में आई, तो कई लोग होंगें बेघर: ममता बनर्जी

एजेंसी ■ कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को कहा कि अगर इस बार चुनाव में भाजपा सत्ता में आती है, तो राज्य में कई लोगों को अपना घर और आश्रय खोना पड़ सकता है।

पूर्व बर्धमान जिले के खंडाघोष में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा, 'आने वाले दिनों में लोगों के पास न कोई पता होगा, न घर और न ही परिवार। भाजपा सब कुछ छीन लेगी।

रैली के दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी निशाना साधा, हालांकि उन्होंने उनका नाम सीधे तौर पर नहीं लिया। उन्होंने कहा कि भाजपा नेता 7वें वेतन आयोग लागू करने का वादा कर रहे हैं, लेकिन यह पूरी तरह भ्रामक है।

मुख्यमंत्री ने कहा, 'वे झूठ बोल रहे हैं। उन्हें पहले जानकारी लेनी चाहिए थी।

हमने इसी साल फरवरी में अपने राज्य बजट में 7वें वेतन आयोग की घोषणा पहले ही कर दी है। पेज नं -2

नहीं रहीं सुरों की 'आशा'

विषेश संवाददाता ■ मुंबई

संगीत जगत की महान हस्ती आशा भोसले का निधन हो गया है। 92 वर्ष की उम्र में उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन की पुष्टि उनके बेटे आनंद भोसले, महाराष्ट्र के सांस्कृतिक मंत्री आशीष शेलार और मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल के डॉक्टर प्रतीत समदानी ने की। इस दुखद खबर के सामने आते ही फिल्मी सितारों और आम लोगों के बीच शोक की लहर दौड़ गई है।

बताया जा रहा है कि आशा भोसले की तबीयत पिछले कुछ समय से खराब चल रही थी और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

अस्पताल से बाहर आकर बेटे आनंद ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि सोमवार सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक अंतिम दर्शन होंगे और 4 बजे शिवाजी पार्क में पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा। वहीं डॉक्टर प्रतीत समदानी ने कहा कि यह बड़ी दुख की खबर है कि आशा भोसले जी का निधन हो गया है। उनको मल्टी ऑर्गन फेलियर था, जिसके चलते उन्होंने अंतिम सांस ली।

महाराष्ट्र के सांस्कृतिक मंत्री आशीष शेलार ने मीडिया से बात करते हुए बताया, ' 'आज पूरा देश शोक में डूबा है। आज एक युग का अंत हो गया है। आशा भोसले का नाम भारतीय संगीत इतिहास में हमेशा सुनहरे अक्षरों में लिखा जाएगा। उन्होंने अपने करियर में आठ दशकों से भी ज्यादा समय तक संगीत की दुनिया में सक्रिय रहकर हजारों गाने गाए। पेज नं -2

पीएम मोदी ने जताया दुख, कहा- मुलाकातों की यादें हमेशा संजोकर रखूंगा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय संगीत जगत की दिग्गज गायिका और पद्म विभूषण से सम्मानित आशा भोसले के निधन पर दुख जताया। इसके साथ ही पीएम मोदी ने आशा भोसले के साथ अपनी पुरानी मुलाकात की कई फोटो सोशल मीडिया पर शेयर की और कहा उनके साथ हुई मुलाकातों की यादें हमेशा संजोकर रखेंगे।

पीएम मोदी ने कहा कि आशा की असाधारण संगीत यात्रा ने हमारी सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध किया और दुनिया भर में अनगिनत दिलों को छुआ।

टीएमसी ने 15 साल में पश्चिम बंगाल को बर्बाद कर दिया, अब देना होगा हिसाब : पीएम मोदी

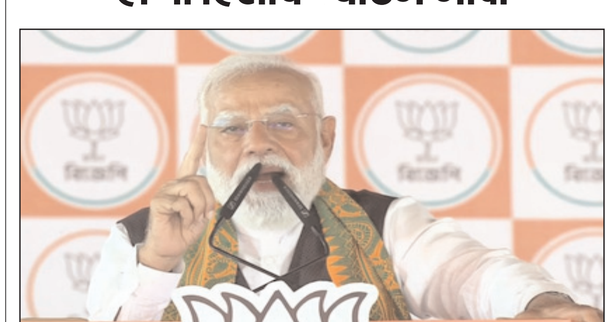

एजेंसी ■ सिलीगुड़ी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार दोपहर एक बजे पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में एक विशाल 'विजय संकल्प सभा' को संबोधित करते हुए टीएमसी सरकार पर जमकर हमला बोला। प्रधानमंत्री ने लगातार दूसरे दिन पश्चिम बंगाल में चुनावी अभियान को आगे बढ़ाया।

जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने पश्चिम बंगाल की जनता को पहले धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, 'मैं कभी भी देशवासियों और बंगालवासियों के इस प्यार को भूल नहीं सकता। शनिवार को रोड शो में बहुत बड़ी संख्या में बुजुर्ग समर्थक आशीर्वाद दे रहे थे। ऐसा सौभाग्य शायद ही किसी को मिलता है।

मैं इसके लिए इस क्षेत्र के सभी नागरिकों को प्रणाम करता हूं, उनका धन्यवाद करता हूं। आपका ये स्नेह, ये आशीर्वाद ही मेरी सबसे बड़ी ऊर्जा और सबसे बड़ी प्रेरणा है। जब 140 करोड़ देशवासी, बंगाल का हर एक नागरिक मुझे इतना प्यार दे रहा है, इतना आशीर्वाद दे रहा है, तो मैं भी आपसे वादा करता हूं । पेज नं -2

बिहार का नया मुख्यमंत्री कौन होगा? तय करेगें शिवराज सिंह चौहान

एजेंसी ■ रायसेन/पटना

बिहार का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा? इसका चुनाव करने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। भाजपा ने बिहार सीएम चुनने की जिम्मेदारी केंद्रीय मंत्री कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान सौंपी है।

केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त होने के बाद कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि मैं तो पार्टी का एक आम कार्यकर्ता हूं और एक कार्यकर्ता के नाते मुझे जो भी काम मिलता है, उसे पूरी ईमानदारी और प्रमाणिकता के साथ करना ही मेरा कर्तव्य है। जो भी दायित्व पार्टी देती है, मैं उसे पूर्ण करता हूं। मैं 14 अप्रैल को बिहार जाऊंगा।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया कि भारतीय जनता पार्टी के संसदीय बोर्ड ने बिहार में पार्टी विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण, विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान को केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया है।

वहीं, नीतीश कुमार के करीबी और बिहार के मंत्री विजय कुमार चौधरी ने जल्द ही नई सरकार के गठन की प्रक्रिया शुरू होने के संकेत देते हुए कहा कि भाजपा को मुख्यमंत्री के नाम की अनुशंसा करनी है। उन्होंने मुख्यमंत्री बनने को लेकर गेंद भाजपा के पाले में डाल दी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नाम की अनुशंसा भाजपा को करनी है और उसके बाद एनडीए विधायकों की बैठक होगी, जिसमें एनडीए का विधायक दल अपना नेता चुनेगा।

बता दें कि लगभग दो दशक तक बिहार के मुख्यमंत्री का पद संभालने वाले नीतीश कुमार ने हाल ही में राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ ली। नई दिल्ली में उन्हें राज्यसभा के सभापति व उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने राज्यसभा सांसद के तौर पर शपथ दिलाई।

इस दौरान राज्यसभा में नेता सदन व केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, कांग्रेस के नेता जयराम रमेश, और जेडीयू व भाजपा नेता मौजूद रहे। नीतीश कुमार के इस शपथ ग्रहण के साथ ही बिहार की सियासत में भी एक ऐतिहासिक बदलाव की शुरुआत हो गई है।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्य विधान परिषद के सदस्य थे। पेज नं -2

आईपीएल: जीटी ने एलएसजी को 7 विकेट से हराया

गिल-बटलर की फिफ्टी

एजेंसी ■ लखनऊ

गुजरात टाइटंस (जीटी) ने रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 19वें मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ 7 विकेट से शानदार जीत दर्ज की।

यह आईपीएल 2026 में गुजरात टाइटंस की चार मुकाबलों में दूसरी जीत रही। यह टीम फिलहाल प्वाइंट्स टेबल में पांचवें पायदान पर मौजूद है। वहीं, 4 में से 2 मुकाबले गंवाकर लखनऊ सुपर जायंट्स छठे स्थान पर है। रविवार को भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी लखनऊ सुपर जायंट्स ने 8 विकेट खोकर 164 रन बनाए। टीम ने 14 के स्कोर पर मिचेल मार्श (11) का विकेट खो दिया था। यहां से एडेन मार्करम ने कप्तान ऋषभ पंत के साथ दूसरे विकेट के लिए 16 गेंदों में 31 रन जोड़े।

पंत 11 गेंदों में 3 बाउंड्री के साथ 18 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद मार्करम ने आयुष बडोनी के साथ तीसरे विकेट के लिए 24 रन जोड़े।

बडोनी 9 रन, जबकि मार्करम 21 गेंदों में 30 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद निकोलस पूरन ने अब्दुल समद के साथ पांचवें विकेट के लिए 37 गेंदों में 35 रन जुटाए। पूरन ने टीम के खाते में 19 रन का योगदान दिए। पेज नं -2

भारतीय रेलवे ने वित्त वर्ष 26 में नेटवर्क विस्तार के लिए 100 परियोजनाएं स्वीकृत कीं, 1.53 लाख करोड़ रुपए का निवेश होगा: केंद्र

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने वित्त वर्ष 26 में विश्व स्तरीय उच्च क्षमता वाले रेल नेटवर्क को विकसित करने के लिए वित्त वर्ष 2025-26 में 100 परियोजनाएं स्वीकृत की हैं। इससे रेल नेटवर्क में 6,000 किलोमीटर की वृद्धि होगी। यह जानकारी केंद्र सरकार की ओर से रविवार को दी गई।

रेल मंत्रालय ने बयान में कहा कि देश के अंतिम छोर को जोड़कर और सबसे गरीब तथा वंचित क्षेत्रों की सेवा करते हुए, भारतीय रेल, पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत एक परिवर्तनकारी विस्तार कर रही है। समावेशी विकास और राष्ट्रीय एकीकरण पर विशेष ध्यान देते हुए, वित्त वर्ष 2025-26 में नई लाइनों, दोहरीकरण, मल्टी-ट्रैकिंग और अन्य कार्यों से जुड़ी 100 रेलवे परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है।

देश के अंतिम छोर को जोड़कर और सबसे गरीब तथा वंचित क्षेत्रों की सेवा करते हुए, भारतीय रेल, पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत एक परिवर्तनकारी विस्तार कर रही है। समावेशी विकास और राष्ट्रीय एकीकरण पर विशेष ध्यान देते हुए, वित्त वर्ष 2025-26 में नई लाइनों, दोहरीकरण, मल्टी-ट्रैकिंग और अन्य कार्यों से जुड़ी 100 रेलवे परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है।

मंत्रालय के मुताबिक, इन परियोजनाओं में कुल 1.53 लाख करोड़ रुपए का निवेश किया गया है, जो 6,000 किलोमीटर से अधिक के रेलवे नेटवर्क को कवर करता है। यह रेलवे विस्तार में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है। वित्त वर्ष 2024-25 की तुलना में, जहां 72,869 करोड़ रुपए की लागत वाली 64 परियोजनाओं (2,800 किलोमीटर से अधिक) को मंजूरी दी गई थी, इस बार परियोजना की स्वीकृतियों में 56 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, रूट कवरेज में 114 प्रतिशत से अधिक का उछाल आया है और वित्तीय प्रतिबद्धता में 110 प्रतिशत से अधिक की मजबूत वृद्धि देखी गई है।

सरकार ने बताया कि ये परियोजनाएं रणनीतिक रूप से 'मिशन 3000 मीट्रिक टन' पहल के अनुरूप हैं, जिसका उद्देश्य माल ढुलाई क्षमता में महत्वपूर्ण वृद्धि करना है। पोर्टफोलियो में ऊर्जा कॉरिडोर परियोजनाओं का दबदबा है, जो कोयले और खनिजों की तेज़ आवाजाही की सुविधा प्रदान करती हैं और ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करती हैं। हाई डेंसिटी नेटवर्क परियोजनाएं महत्वपूर्ण मार्गों पर भीड़भाड़ को कम करती हैं, जबकि 'रेल सागर कॉरिडोर' से पोर्ट कनेक्टिविटी और तटीय व्यापार में सुधार होता है। साथ मिलकर, ये पहलकदमियां समग्र नेटवर्क दक्षता और लॉजिस्टिक्स प्रदर्शन को बेहतर बनाएंगी।

तमिलनाडु चुनाव: विजय ने कल्याणकारी और एआई आधारित शासन की परिकल्पना पेश की

कन्याकुमारी। तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के अध्यक्ष विजय ने रविवार को कन्याकुमारी जिले में चुनाव प्रचार के दौरान मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की तीखी आलोचना करते हुए एक महत्वाकांक्षी शासन योजना प्रस्तुत की।

महाधनपुरम में एक सभा को संबोधित करते हुए विजय ने कल्याणकारी योजनाओं के भ्रष्टाचार-मुक्त वितरण का वादा किया और कहा कि नागरिकों को बिना आवेदन या रिश्वत के लाभ प्राप्त होंगे।

उन्होंने घोषणा की कि तमिलनाडु के प्रत्येक परिवार को आधार कार्ड के समान एक 'प्राथमिकता कार्ड' जारी किया जाएगा, जिसमें परिवार का व्यापक डेटा होगा। उन्होंने कहा कि इससे सरकार जन्म से ही कल्याणकारी लाभों को निर्बाध रूप से वितरित कर सकेगी।

विजय ने घोषणा करते हुए कहा कि लोगों को अपने हक के लिए संघर्ष या रिश्वत देने की जरूरत नहीं पड़नी चाहिए। सरकारी योजनाएं आपके घर तक पहुंचेंगी।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) इस प्रणाली को शक्ति प्रदान करेगी, जिससे दक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित होगी।

स्टालिन पर कटाक्ष करते हुए, उन्होंने कहा कि उनके प्रस्ताव केवल 'कहानियां' नहीं हैं, बल्कि वैज्ञानिक रूप से प्राप्त करने योग्य योजनाएं हैं। विजय ने मौजूदा व्यवस्था में व्याप्त गहरे भ्रष्टाचार का भी आरोप लगाया और दावा किया कि प्रशासनिक स्तर पर ली जाने वाली रिश्वतें अक्सर मंत्रियों तक पहुंचती हैं।

उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार रोकना हमारी पहली प्राथमिकता होगी,' और साथ ही यह भी कहा कि टीवीके के नेतृत्व वाली सरकार सत्ता में आने के छह महीने के भीतर एक व्यापक तमिलनाडु सरकारी सेवा योजना लागू करेगी।

दिल्ली: सीएम रेखा गुप्ता ने सरकारी शराब की दुकानों के ऑडिट का आदेश दिया

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पिछले पांच वर्षों के दौरान शराब की खुदरा बिक्री में शामिल सरकारी संस्थाओं के वित्तीय रिकॉर्ड की व्यापक ऑडिट और क्रॉस-वेरिफिकेशन का आदेश दिया है। यह कदम संभावित अनियमितताओं को लेकर जताई जा रही चिंताओं के बीच उठाया गया है। एक बयान में कहा गया कि मुख्यमंत्री ने चेतावनी दी कि लापरवाही, खातों में बेमेल या वित्तीय कुप्रबंधन को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल के निष्कर्षों से पता चलता है कि इनमें से कुछ उपक्रमों में खातों का लंबे समय तक ठीक से मिलान नहीं किया गया था, जिससे विसंगतियों और सरकारी खजाने को संभावित नुकसान का जोखिम बढ़ गया है।दिल्ली में शराब की खुदरा बिक्री का काम फिलहाल दिल्ली उपभोक्ता सहकारी थोक भंडार (डीसीसीडब्ल्यूएस), दिल्ली पर्यटन और परिवहन विकास निगम (डीटीटीडीसी), दिल्ली राज्य नागरिक आपूर्ति निगम (डीएससीएससी) और दिल्ली राज्य औद्योगिक और बुनियादी ढांचा विकास निगम (डीएसआईआईडीसी) जैसी सरकारी संस्थाओं द्वारा किया जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसका उद्देश्य केवल रिकॉर्ड को ठीक करना ही नहीं, बल्कि वित्तीय निगरानी की एक मजबूत व्यवस्था स्थापित करना है। इसमें कड़ी निगरानी, ??मिलान और खातों का शुरू से आखिर तक सत्यापन और प्रमाणीकरण शामिल होगा।

उन्होंने सभी संस्थाओं को निर्देश दिया कि वे पिछले पांच वर्षों के अपने वित्तीय और परिचालन रिकॉर्ड का विस्तृत मिलान करें।

इस प्रक्रिया में बिक्री, खरीद, स्टॉक और नकद खातों को शामिल किया जाएगा और गहन जांच की जाएगी। इन एजेंसियों से यह भी कहा गया है कि वे रिकॉर्ड के पूर्ण सत्यापन और प्रमाणीकरण को सुनिश्चित करने के लिए आबकारी विभाग के साथ मिलकर काम करें।

जवाबदेही को मजबूत करने के लिए, आबकारी आयुक्त बिक्री, इन्वेंट्री और राजस्व से जुड़े डेटा की स्वतंत्र रूप से क्रॉस-चेकिंग करेंगे, ताकि किसी भी तरह के वित्तीय कुप्रबंधन या अनियमितताओं की पहचान की जा सके।

सख्त लहजे में सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि सरकारी राजस्व को होने वाले नुकसान या विसंगतियों के लिए जिम्मेदार पाए जाने वाले किसी भी अधिकारी या व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जनता के पैसे की सुरक्षा हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है और किसी भी तरह की चूक के प्रति हमारी नीति 'जीरो टॉलरेंस' की होगी।

सभी विभागों और एजेंसियों को निर्देश दिया गया है कि वे इस पूरी प्रक्रिया की एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार करें और उसे दो महीने के भीतर वित्त विभाग को सौंपें। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि इन उपायों से न केवल वित्तीय पारदर्शिता बढ़ेगी, बल्कि राजस्व संग्रह की प्रक्रिया भी अधिक कुशल और जवाबदेह बनेगी।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर किरेन रिरिजू ने मल्लिकार्जुन खड़गे को लिखा पत्र

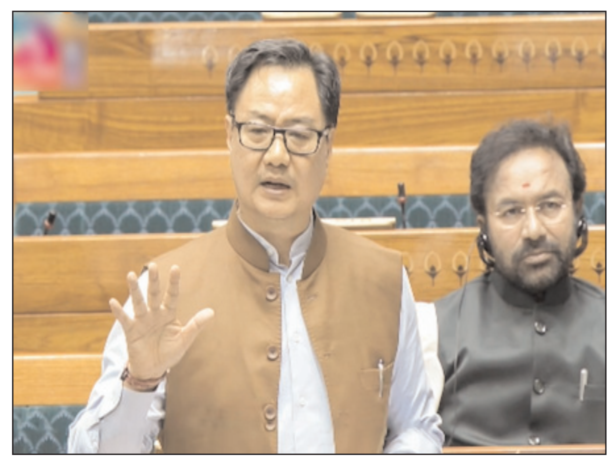

नई दिल्ली । नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर केंद्रीय संसदीय कार्य तथा अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिरिजू ने रविवार को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को पत्र लिखा। साथ ही उन्होंने सोशल मीडिया पर इस पत्र को शेयर भी किया।

किरेन रिरिजू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि देश की महिलाओं से किए गए वादे टालमटोल की राजनीति का हिस्सा नहीं बन सकते। आज जब नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लागू करने का समय आया है तो हिचकिचाहट और सवाल उठाए जा रहे हैं। मैं पूरी विनम्रता के साथ इस बात से असहमत हूं।उन्होंने आगे कहा कि मैंने खड़गे को पत्र लिखा है, जिसमें मैंने तथ्यों को सामने रखा है और आगे बढ़ने की तत्काल आवश्यकता को दोहराया है। दशकों तक, महिलाओं के लिए आरक्षण सिर्फ एक वादा बनकर रह गया था। इस सरकार ने इसे हकीकत में बदला। अब, परिसीमन से जुड़े जरूरी संशोधन इसलिए बेहद अहम हैं ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि हमारी नारी शक्ति को 2029 से पहले उनका उचित प्रतिनिधित्व मिल जाए, न कि उन्हें और ज्यादा अनिश्चितता में धकेला जाए।किरेन रिरिजू ने कहा कि मैंने व्यक्तिगत रूप से अलग-अलग पार्टियों के नेताओं से संपर्क किया है, उन्हें पत्र लिखे हैं और उनसे बातचीत की है। बातचीत हुई है और यह अभी भी जारी है, लेकिन किसी न किसी मोड़ पर इरादों को अमल में बदलना ही होगा। प्रक्रिया के नाम पर इसे लागू करने में देरी करना, लाखों महिलाओं को न्याय देने में देरी करने के अलावा और कुछ नहीं है।उन्होंने आगे कहा कि यह राजनीति नहीं है, बल्कि भारत की बेटियों से किए गए हमारे वादे को निभाना है। आइए, हम हिचकिचाहट से ऊपर उठें और नारी शक्ति के लिए मिलकर आगे बढ़ें।

किरेन रिरिजू द्वारा लिखे पत्र में कहा गया है कि मैंने मीडिया में वह पत्र देखा है जो आपने 12 अप्रैल को प्रधानमंत्री को संबोधित किया था, जिसमें 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को लागू करने के लिए संवैधानिक संशोधन का जिक्र है। संसदीय कार्य मंत्री के तौर पर मैं इस अवसर का लाभ उठाते हुए आपके द्वारा उठाए गए कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों पर विनम्रतापूर्वक अपनी प्रतिक्रिया देना चाहता हूं। जब 2023 में संसद के दोनों सदनों द्वारा 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पारित किया गया था तो यह एक लंबे समय से संजोई गई राष्ट्रीय आकांक्षा और पूरे राजनीतिक परिदृश्य में किए गए ।एक सच्चे साझा प्रयास का परिणाम था। यह पूरे देश में हमारी 'नारी शक्ति' के प्रति हमारे सामूहिक वादे को दर्शाता था। उस समय भी, अधिकांश दलों और हितधारकों का यह मत था कि इसे जल्द से जल्द लागू किया जाना चाहिए। आज, हम 2026 में हैं ।

और यदि हम अभी बिल पर काम नहीं करेंगे तो यह संभव है कि 2029 के चुनावों तक महिलाओं के लिए आरक्षण लागू न हो पाए। क्या हमें इसके कार्यान्वयन में संभावित देरी होने देनी चाहिए, या लोगों की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए, इसे जल्द से जल्द लागू करने हेतु अपना सर्वोत्तम प्रयास करना चाहिए।

शेष पेज - 01

इस हफ्ते सोने की चमक बढ़ी, चांदी करीब 12 हजार रुपए महंगी हुई ...

जो कि बीते हफ्ते 2,27,813 रुपए प्रति किलो थी।

पिछले हफ्ते के दौरान हाजिर बाजार में 24 कैरेट के सोने ने 8 अप्रैल को सुबह के सत्र में 1,52,068 रुपए प्रति 10 ग्राम का उच्चतम भाव छुआ। वहीं, न्यूनतम भाव 7 अप्रैल को 1,47,489 रुपए प्रति 10 ग्राम सुबह के सत्र में देखा गया।

चांदी ने 8 अप्रैल को सुबह के सत्र में 2,44,443 रुपए प्रति किलो का उच्चतम भाव छुआ। वहीं, न्यूनतम भाव 7 अप्रैल को 2,30,881 रुपए प्रति किलो शाम के सत्र में देखा गया।

आईबीजेए द्वारा सुबह और शाम के सत्र में दो बार कीमतें जारी की जाती हैं।

इस हफ्ते अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सोने और चांदी की कीमतों में तेजी देखने को मिली है। सोना और चांदी का दाम क्रमश: 4,787 डॉलर प्रति औंस और 76 डॉलर प्रति औंस था, जो एक हफ्ते पहले क्रमश: 4,702 डॉलर प्रति औंस और 73 डॉलर प्रति औंस था।

नहीं रहीं सुरों की 'आशा'...

उनकी आवाज में एक अलग ही जादू था, जिसने हर दौर के लोगों को अपनी ओर आकर्षित किया। उन्होंने लगभग 12 हजार से ज्यादा गाने गाए, जो अपने आप में एक अनोखा रिकॉर्ड है।

उनके गाए कई गाने आज भी लोगों के दिलों में जिंदा हैं। 'पिया तू अब तो आजा', 'दम मारो दम', 'ये मेरा दिल', 'चुरा लिया है तुमने', 'इन आंखों की मस्ती के' और 'दिल चीज क्या है' जैसे गीतों ने उन्हें अमर बना दिया।

उनके योगदान को देखते हुए उन्हें कई बड़े पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। उन्हें दादा साहेब फाल्के पुरस्कार, पद्म विभूषण, राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और कई फिल्मफेयर अवॉर्ड्स से नवाजा गया। वह दुनिया के सबसे ज्यादा गाने रिकॉर्ड करने वाले कलाकारों में भी शामिल रहीं।

आईपीएल: जीटी ने एलएसजी को 7 विकेट से हराया...

जबकि समद और मुकुल चौधरी ने 18-18 रन जुटाए।

विपक्षी खेमे से प्रसिद्ध कृष्णा ने 28 रन देकर 4 विकेट हासिल किए, जबकि अशोक शर्मा ने 2 विकेट निकाले। कगिसो रबाडा और मोहम्मद सिराज ने 1-1 विकेट प्राप्त किया।

इसके जवाब में गुजरात टाइटंस ने 18.4 ओवरों में जीत दर्ज कर ली। सलामी जोड़ी के रूप में साई सुदर्शन ने कप्तान शुभमन गिल के साथ पहले विकेट के लिए 45 रन की साझेदारी की। सुदर्शन 14 गेंदों में 15 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद जोस बटलर ने गिल के साथ दूसरे विकेट के लिए 58 गेंदों में 84 रन की साझेदारी की। गिल 40 गेंदों में 1 छक्के और 6 चौकों की मदद से 56 रन बनाकर आउट हुए, जबकि बटलर ने 37 गेंदों में 11 चौकों के साथ 60 रन जुटाए।

टीम ने 135 के स्कोर तक अपने 3 विकेट गंवा दिए थे। यहां से वाशिंगटन सुंदर (नाबाद 21) ने राहुल तेवतिया (नाबाद 10) के साथ चौथे विकेट के लिए 18 गेंदों में 30 रन की अटूट साझेदारी करते हुए टीम को 8 गेंदें शेष रहते जीत दिलाई। विपक्षी खेमे से मोहम्मद सिराज, प्रिंस यादव और दिग्वेश राठी ने 1-1 विकेट अपने नाम किया।

बिहार का नया मुख्यमंत्री कौन होगा? तय करेगें शिवराज सिंह चौहान...

लेकिन राज्यसभा के लिए निर्वाचन के बाद उन्होंने 30 मार्च को विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था।

नीतीश कुमार मार्च में संसद के उच्च सदन के लिए बिहार से निर्वाचित हुए थे। वह लगभग दो दशक तक बिहार में सत्ता के केंद्र में रहे। इसके अलावा वह जनता दल यूनाइटेड के मुखिया भी हैं।

टीएमसी ने 15 साल में पश्चिम बंगाल को बर्बाद कर दिया, अब देना होगा हिसाब : पीएम मोदी ...

कि मैं भी आपके लिए अपने आप को हर पल खपा दूंगा। जियूंगा, तो आपके लिए जियूंगा, जूझता रहूंगा, तो आपके लिए जूझता रहूंगा।'

पीएम मोदी ने टीएमसी सरकार की एक-एक कमियां गिनाईं। उन्होंने कहा, 'मुझे पक्का विश्वास है कि आज का ये दृश्य टीएमसी की नींद उड़ाने वाला है। सिलीगुड़ी की ये रैली टीएमसी के महाजंगलराज की दीवार गिराने वाली है, ये आपने तय कर लिया है। टीएमसी की सरकार अपने 15 साल पूरे कर चुकी है। मैं यहां काफी नौजवानों को देख रहा हूं। इनमें से अधिकांश साथी 15 साल पहले शायद पहली कक्षा में पढ़ते होंगे और इस चुनाव में आप बंगाल का भविष्य तय करने जा रहे हैं, आप वोट करने जा रहे हैं। ये किसी के भी काम और करतूतों के मूल्यांकन का बहुत बड़ा समय होता है लेकिन टीएमसी ने काम नहीं किया, सिर्फ और सिर्फ काले कारनामे ही किए हैं।

उन्होंने कहा, 'सिलीगुड़ी नार्थ बंगाल का गेटवे है लेकिन 'टीएमसी ने नार्थ बंगाल के इंफ्रास्ट्रक्चर को जान-बूझकर पीछे रखा। कनेक्टिविटी, इंडस्ट्री, टूरिज्म, हर सेक्टर में उपेक्षा ही मिली। केंद्र सरकार ने जो पैसा भेजा, वो भी ये सिंडिकेट वाले ही हजम कर गए। नार्थ बंगाल से भेदभाव का उदाहरण टीएमसी की निर्मम सरकार का बजट भी है। केंद्र सरकार द्वारा मदरसों के लिए करीब 6 हज़ार करोड़ का बजट दिया गया है लेकिन इतने बड़े उत्तर बंगाल के विकास के लिए बंगाल सरकार पर्याप्त बजट नहीं देती। टीएमसी सिर्फ अपने खास वोट बैंक के तुष्टिकरण में ही लगी हुई है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'जब उत्तर बंगाल के अनेक जिलों में भारी बारिश से तबाही फैली, हर तरफ हाहाकार था, तब टीएमसी की निर्मम सरकार कोलकाता में जश्न मना रही थी। टीएमसी उत्तर बंगाल, आदिवासी, चाय बागान और महिला व युवा विरोधी पार्टी है। बंगाल की जनता टीएमसी सरकार से पल-पल का, पाई-पाई का हिसाब मांग रही है। टीएमसी वालों कान खोलकर सुन लो 4 मई के बाद भाजपा सरकार बनेगी और टीएमसी वालों को 15 साल का पल-पल का, पाई-पाई का हिसाब देना पड़ेगा।'उन्होंने कहा, 'हमारा सिलीगुड़ी भारत की सुरक्षा का भी प्रमुख द्वार है।

सिलीगुड़ी कॉरिडोर सिर्फ शब्द नहीं है, मां भारती की भुजा है। आप याद रखना टीएमसी ने तुष्टिकरण के लिए वोटबैंक को खुश करने के लिए क्या किया था। उत्तर बंगाल और देश की सुरक्षा को लेकर टीएमसी की दुर्नीति का एक और सबूत मैं यहां देना चाहता हूं। देश में एक टुकड़े-टुकड़े गैंग है और इस गैंग ने सिलीगुड़ी कॉरिडोर को काटने की धमकी दी थी।

नॉर्थ-ईस्ट को देश से अलग करने की बात कही थी। तुष्टिकरण से भरी ये टीएमसी ऐसे लोगों को सड़क से लेकर संसद तक समर्थन देती है। ये ही टीएमसी का असली चेहरा है।

उन्होंने कहा, 'दार्जिलिंग सहित उत्तर बंगाल का एक बड़ा हिस्सा, ये पूरा इलाका चाय की पैदावार करने वाला क्षेत्र है। आपकी चाय का स्वाद मुझसे भला कौन जान सकता है। हालांकि आप देख रहे हैं कि टीएमसी की निर्मम सरकार चाय बागानों को भी बर्बाद कर रही है। आपके पड़ोस में असम है, वहां की भाजपा सरकार ने चाय बागानों में अनेक सुविधाएं विकसित की है। टी गार्डन के बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार पर बहुत बड़ा काम हुआ है, वहां चाय बागान के श्रमिकों को भूमि के पट्टे दिए जा रहे हैं।

बंगाल भाजपा ने यहां भी टी गार्डन के परिवारों के लिए अनेक संकल्प लिए हैं। श्रमिक परिवारों को भूमि के पट्टे देने हों, पक्के घर, नल से जल, बिजली, पानी और रोजगार की सुविधाएं देनी हो, यानी श्रमिकों की कमाई, पढ़ाई, दवाई और हर चीज पर यहां बनने वाली भाजपा सरकार काम करेगी।

उन्होंने कहा, 'हम चाहते हैं कि बंगाल के बच्चों को खेल में भाग लेने और उत्कृष्टता प्राप्त करने के अवसर मिलें। इसीलिए बंगाल भाजपा ने उत्तरी बंगाल में एक खेल विश्वविद्यालय स्थापित करने की योजना की घोषणा की है। हालांकि, टीएमसी सरकार युवा महिलाओं की स्वतंत्रता पर अंकुश लगा रही है। उन्होंने राज्यभर में अभिभावकों और महिलाओं के बीच भय का माहौल बना दिया है।

पीएम मोदी ने कहा, भाजपा बंगाल की हर बेटी में ऐसा ही आत्मविश्वास देखना चाहती है। इसलिए भाजपा सरकार खेलो इंडिया और ओलंपिक पोडियम योजना चला रही है ताकि घर और गांव के पास ही अच्छा स्टेडियम और अच्छी ट्रेनिंग सुविधा हो। हम चाहते हैं कि बंगाल के बेटे-बेटियां भी खूब खेलें, खूब खिलें। इसलिए बंगाल भाजपा ने उत्तर बंगाल में एक स्पोर्ट यूनिवर्सिटी बनाने की घोषणा की है। टीएमसी यहां 15 साल से इसलिए है, क्योंकि उसने भय का सम्राज्य बनाया है। अब इस भय को हटाना है और बंगाल में भरोसा लाना है। ये काम भाजपा ही कर सकती है।

उन्होंने कहा कि आदिवासी क्षेत्रों के विकास के लिए केंद्र सरकार लगभग एक लाख करोड़ की दो प्रमुख योजनाएं लागू कर रही है। इन पहलों का उद्देश्य आदिवासी क्षेत्रों में सड़कों का निर्माण, स्वच्छ जल की उपलब्धता और स्कूलों एवं अस्पतालों के निर्माण के माध्यम से बुनियादी ढांचे में सुधार करना है। हालांकि, इन प्रयासों में टीएमसी सरकार बाधा डाल रही है, जो आदिवासी गांवों के विकास में रुकावट पैदा कर रही है।

ह्यह्यपश्चिम बंगाल में भाजपा सत्ता में आई, तो कई लोग बेघर हो जाएंगे : ममता बनर्जी...

पश्चिम बंगाल ऐसा एकमात्र राज्य है जहां सरकारी कर्मचारियों को पेंशन मिलती है, जबकि अन्य राज्यों में यह सुविधा नहीं है।

इसके अलावा सीएम ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री के उस वादे पर भी सवाल उठाया, जिसमें उन्होंने कहा था कि भाजपा की सरकार बनने पर बंगाल के मशहूर खाद्य उत्पाद और मिठाइयों को वैश्विक स्तर पर निर्यात किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें यह भी नहीं पता कि हम पहले से ही इन उत्पादों को स्थानीय, राष्ट्रीय, और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेच रहे हैं।रैली में उन्होंने हुमायूं पर भी आरोप लगाए। ममता बनर्जी ने कहा कि अल्पसंख्यक वोटों को बांटने के लिए एक हजार करोड़ रुपए की डील की गई है। हालांकि उन्होंने किसी का नाम सीधे तौर पर नहीं लिया।

उन्होंने यह भी कहा कि इस मामले में सामने आया वीडियो फर्जी या एआई जनरेटेड बताया जा रहा है, लेकिन वीडियो बनाने वाले ने इसे असली बताया है। ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार पर महंगाई को लेकर भी सवाल उठाए और पूछा कि पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस के दाम क्यों नहीं घटाए जा रहे हैं।

बता दें कि राज्य में 23 और 29 अप्रैल को दो चरणों में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं. 4 मई को वोटों की गिनती की जाएगी और नतीजे घोषित कर दिए जाएंगे।

कमिशनररेट प्रणाली लागू होने के बाद अपराध नियंत्रण में तेजी आईः डॉ संजीव शुक्ला कमिशनर रायपुर

रायपुर। 23 जनवरी 2026 को रायपुर में कमिशनररेट प्रणाली लागू हुई उसके बाद से जिले में अपराध नियंत्रण के दिशा में तेजी आई है। उन्होनें कहा कि अब अपराधियों से अपराध का भाव खत्म करने के लिए प्रतिभूति ली जा रही है। इससे अपराध के रेसेयो में कमी आई है। उनका मानना है कि साइबर अपराध के मामले बढ़े है । जिस पर रोक लगाने के लिए पुलिस अधिकारियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है आने वाले समय में इसके सार्थक परिणाम सामने आने लगेंगे ।

उक्त बाते कमिशनर रायपुर डॉं संजीव शुक्ला ने रायपुर प्रेस क्लब में आयोजित हमर पहुना कार्यक्रम में कही।

उन्होने कहा कि रायपुर की यातायात व्यवस्था एक कठिन चुनौती है क्योंकि रायपुर की सड़के नहीं बदली जो 10 वर्ष पूर्व थी वहीं सड़के आज भी है पर उन सड़कों में वाहनों की संख्या और लोगों की भीड़ अवश्य बढ़ गई है । इस सभी को ध्यान में रखते हुए निगम प्रबंधन से चर्चा चल रही है जल्द

व्यवस्था में परिवर्तन आम लोगों को देखने को मिलेगा । डॉ शुक्ला ने कहा कि कमिशनर प्रणाली के आने बाद से अफिसर ओरियेंटेड व्यवस्था हो गई है। इससे अब बी एन एस की धारा 151,110 सहित धाराओं में अधिकारियों को तुरंत न्याय का अधिकार मिल गया इससे यह हुआ है कि छोटे अपराध का निराकरण तत्काल कर लिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अब 5 हजार रूयए की चोरी घटना में निरीक्षण और निराकरण के लिए अधिकारी पहुंच रहे है इससे आम लोगों मे पुलिस के प्रति भाव बदले है। वही अपराध के सुपरविजन ग्रोथ में इजाफा हुआ है। डॉ शुक्ला ने कहा कि अपराध और रोकने व निराकरण के लिए पुलिस संवाद आरंभ किया गया है ताकि आम लोगों के सहयोग से अपराध और अपराधियों को रोका जा सके उन्होनें बताया कि रायपुर को 3 हिस्सों में बांटा गया रायपुर नार्थ, रायपुर वेस्ट और रायपुर सेंटर में रखा गया है । इन सभी प्रभारी अधिकारी तय कर दिए गए है और अपने क्षेत्र में संवाद स्थापित कर अपराध और लोगो की समस्याओं से निपटने के उपाए तय करेगें।

बिल्डर की मनमानी से परेशान रहवासी हैंडओवर नहीं, धमकी और अतिक्रमण के आरोप

रायपुर। राजधानी के कोटा स्थित क्रिस्ट ग्रीन कॉलोनी में रहवासियों ने बिल्डर रामायण रियल्टर्स के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए न्याय की गुहार लगाई है। रहवासियों का कहना है कि बिल्डर द्वारा नगर निगम से सोसाइटी का कम्प्लीशन सर्टिफिकेट तो प्राप्त कर लिया गया है, लेकिन अब तक सोसाइटी का विधिवत हैंडओवर नहीं किया गया है, जबकि मेंटेनेंस का पूरा जिम्मा रहवासी ही उठा रहे हैं।

साझा सुविधाओं का ट्रांसफर नहीं

रहवासियों के अनुसार, नियमों के तहत क्लब हाउस, सड़क, गार्डन, मंदिर जैसी सभी साझा सुविधाओं को सोसाइटी के नाम ट्रांसफर किया जाना चाहिए, लेकिन बिल्डर इस प्रक्रिया को टाल रहा है।

बाउंड्री वॉल तोड़ने का आरोप

रहवासियों ने आरोप लगाया कि बिल्डर कॉलोनी की बाउंड्री वॉल तोड़कर इसे अपने नए प्रोजेक्ट से जोड़ने का प्रयास कर रहा है। इससे न केवल सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित हो रही है, बल्कि मौजूदा सुविधाओं पर भी अतिरिक्त दबाव पड़ने की आशंका है।

विरोध करने पर धमकी का आरोप

मामले में आपत्ति जताने पर रहवासियों ने बिल्डर पर डराने-धमकाने, झूठे मामलों में फंसाने और असामाजिक तत्वों के जरिए दबाव बनाने का आरोप लगाया है। कुछ मामलों में अनाधिकृत प्रवेश और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की शिकायत भी सामने आई है।

पुलिस में शिकायत, कार्रवाई नहीं

रहवासियों ने बताया कि पूरे मामले की लिखित शिकायत संबंधित थाने में की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है, जिससे लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

मेंटेनेंस शुल्क भी नहीं दे रहा बिल्डर

सोसाइटी के बाय-लॉज के अनुसार, बिल्डर को अपने बचे हुए प्लॉट्स का मेंटेनेंस शुल्क देना चाहिए।

रायपुर में महिला आरक्षक ने की आत्महत्या, जांच जारी

रायपुर । छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के आजाद चौक क्षेत्र में एक महिला आरक्षक ने अपने आवास पर फांसी लगाकर कथित रूप से आत्महत्या कर ली। पुलिस अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

मृतका की पहचान पूजा कुशवाहा (लगभग 30 वर्ष) के रूप में हुई है, जो आजाद चौक थाने में पदस्थ थीं और थाने के पीछे स्थित पुलिस आवास में रहती थीं।

रायपुर पश्चिम के उप पुलिस आयुक्त संदीप पटेल ने बताया, 'हमें सूचना मिली कि कुशवाहा को उनके पति द्वारा ऐम्स में भर्ती कराया गया था।

पुलिस दल तुरंत अस्पताल पहुंचा और जांच शुरू की गई। प्रथम दृष्टया यह मामला फांसी लगाकर आत्महत्या का प्रतीत होता है।

उन्होंने बताया कि विधि-विज्ञान प्रयोगशाला की टीम तथा पुलिस बल ने जांच शुरू कर दी है। शव को शव परीक्षण के लिए भेजा गया है और रिपोर्ट आने के बाद मृत्यु के सटीक कारण स्पष्ट होंगे। इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है।

रायपुर में खाद्य विभाग ने 1070 किलो पनीर किया नष्ट

रायपुर । रायपुर में पनीर बनाने वाली दो फैक्ट्रियों पर खाद्य-औषधि विभाग ने छापेमारी कर कार्रवाई की है। यह कार्रवाई गुणवत्ता और स्वच्छता से जुड़ी शिकायतों के आधार पर की गई है। मौके पर पहुंची टीम ने फैक्ट्री परिसर का निरीक्षण शुरू किया। फूड डिपार्टमेंट ने दोनों फैक्टियों से करीब 1060 किलो पनीर जब्त कर जमीन में दबाकर नष्ट किया।

टीम ने दोनों जगह से पनीर के सैंपल लेकर जांच के लिए लैब भेजे हैं। साथ ही मिल्क पाउडर के बोरे और तेल के कई टिन भी जब्त किए गए हैं।

रायपुर में खाद्य एवं औषधि विभाग ने रविवार को पनीर की गुणवत्ता और स्वच्छता को लेकर कार्रवाई की है।

शिकायतों के बाद टीम ने भाटागांव के KLP डेयरी एंड प्रोडक्शन में दबिश दी। छापेमारी के दौरान टीम ने फैक्ट्री में साफ-सफाई की स्थिति का बारीकी से निरीक्षण किया।

इस दौरान फैक्ट्री में गंदगी पाई गई, जिसके बाद डेयरी फैक्ट्री से 540 किलो पनीर

जब्त कर नष्ट किया गया। पनीर को नष्ट करने के लिए रायपुर नगर निगम की टीम ने सरकारी जमीन चिन्हित की। इसके बाद जेसीबी मशीन की मदद से पनीर को जमीन में दबाकर नष्ट किया गया।

साथ ही पनीर बनाने में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल और तैयार पनीर के सैंपल लेकर जांच के लिए लैब भेजे गए हैं।

जांच के दौरान फैक्ट्री परिसर से मिल्क पाउडर के बोरे और बड़ी मात्रा में तेल के टीन भी बरामद किए गए। इन सामग्रियों के इस्तेमाल को लेकर टीम जांच कर रही है कि उनका इस्तेमाल नियमों के अनुरूप हुआ या नहीं।

इसी तरह टीम ने उरला के कन्हेरा रोड पर स्थित डेयरी संचालक हिमांशु बंसल के स्क्ष डेयरी प्रोडक्ट में छापा मारा। जांच के दौरान यहां भी गंदगी पाई गई। इसके बाद फूड डिपार्टमेंट ने डेयरी फैक्ट्री से 500 किलो पनीर जब्त कर नष्ट किया।

उरला में पनीर फैक्ट्री पर छापेमारी के दौरान खाद्य विभाग की टीम को विरोध का सामना करना पड़ा। स्थिति को संभालने के लिए उरला थाना प्रभारी और पुलिस टीम मौके पर पहुंची और अधिकारियों की मदद की।

अधिकारी दोनों फैक्ट्री मालिकों से पूछताछ कर रहे हैं। विभाग ने स्पष्ट किया कि यदि जांच में अनियमितता या मिलावट सामने आती है तो संबंधित के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल जांच जारी है, रिपोर्ट के बाद मामले में और खुलासे होने की संभावना है।

देश में 80 लाख से अधिक और छत्तीसगढ़ में दो लाख गीग वर्करः शोभा सिंहदेव

रायपुर। गीग मजदूर यानी ओला, उबर, जोमेटो, रैपिडो, स्विगी, अमेजन और फ्लिपकार्ट जैसे संस्थानों में कार्य करने वाले मजदूरों के जिन्हें कंपनियां अपना पार्टनर कहती है, लेकिन उनकी सुरक्षा और सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति उदासीन रहती है। गीग मजदूरों के लिए आयोजित यह संगोष्ठी उनके पुर्नउत्थान का शंखनाद है। गीग मजदूरों को यूनियन की जरूरत हैं, क्योंकि एकता ही शक्ति है। उक्ताशय के विचार रविवार को महाराष्ट्र मंडल में आयोजित संगोष्ठी में भारतीय मजदूर संघ की अध्यक्ष शोभा सिंहदेव ने कहीं।

संगोष्ठी को संबोधित करते हुए शोभा सिंहदेव ने कहा कि आनलाइन सेवाएं देने वाली कंपनियां आपको पार्टनर तो कहती है, लेकिन इस शब्द की आड में आपको बुनियादी सुविधाओं से दूर रखती है। इन्हीं सुविधाओं को उनसे लेने के लिए हमें संगठित रहना जरूरी है।

छत्तीसगढ़ श्रम कल्याण मंडल के अध्यक्ष योगेश दत्त मिश्रा ने कहा कि संगठन की शक्ति है। उसी संगठन का परिणाम है कि आज केंद्र में मोदी की सरकार बैठी है। गीग वर्करों का एक बड़ा तंत्र देश में कार्य कर रहा है। वह हर व्यक्ति को आपको घर पहुंच सेवा देता है गीग वर्कर की श्रेणी में आता है, फिर यह जरूरी नहीं कि वह किसी बड़ी कंपनी से जुड़ा हो। चार नये श्रम कानून मजदूरों के हित में है।

कर्मकार मंडल के पूर्व अध्यक्ष

उत्कर्ष 2026ः कोल इंडिया ने भविष्य के लिए तैयार किया नया मानव संसाधन रोडमैप

बिलासपुर । बिलासपुर में संपन्न हुआ कोल इंडिया का 'उत्कर्ष 2026' कॉन्क्लेव कोयला उत्पादन की मशीनी प्रक्रियाओं के बजाय उन इंसानी दिमागों पर केंद्रित रहा जो इन खानों को संचालित करते हैं। रविवार को जानकारी दी गयी की 'माइंड टू माइन' का यह नया नजरिया यह दर्शाता है कि भविष्य का खनन उद्योग केवल भारी उपकरणों पर नहीं बल्कि नवाचार और कर्मचारी केंद्रित नीतियों पर टिका होगा।

इस बदलाव की जरूरत को खेल जगत की अनुशासन और धैर्य की सीख से जोड़ते हुए ओलंपियन कोच पुल्लेला गोपीचंद ने महत्वपूर्ण सूत्र साझा किए। उन्होंने जोर दिया कि संगठनात्मक सफलता के लिए प्रतिकूल परिस्थितियों में भी निरंतरता बनाए रखना आवश्यक है। उनके अनुसार सफलता की प्राप्ति के लिए व्यक्ति को पहले उसके योग्य बनना पड़ता है। खेल और उद्योग के इस वैचारिक संगम ने मानव संसाधन अधिकारियों को एक नया दृष्टिकोण दिया कि कैसे विपरीत परिस्थितियों में भी टीम की कार्यक्षमता को स्थिर रखा जा सकता है। आयोजन के दौरान कोल इंडिया के अध्यक्ष बी. सायराम और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने संगठन के सुधार और रूपांतरण में मानवीय पूंजी की अहमियत को रेखांकित किया। चर्चा में विशेष रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जिम्मेदार उपयोग और नेतृत्व में विश्वास निर्माण जैसे आधुनिक विषयों को शामिल किया गया।

इसका उद्देश्य एक ऐसा कार्यस्थल बनाना है जहां तकनीक और मानवीय संवेदनाएं साथ मिलकर काम कर सकें। कॉन्क्लेव में विभिन्न सहायक कंपनियों द्वारा प्रस्तुत किए गए नवाचारी मॉडलों ने यह स्पष्ट कर दिया कि अब कर्मचारी विकास और उनका कल्याण केवल प्रक्रिया का हिस्सा नहीं बल्कि प्राथमिकता बन चुके हैं।दो दिनों तक चले इस गहन विचार-विमर्श का निष्कर्ष एक भविष्योन्मुखी रोडमैप के रूप में सामने आया है। इस रोडमैप का उद्देश्य कोल इंडिया के व्यापक ऊर्जा लक्ष्यों को कर्मचारी हितों के साथ प्रभावी ढंग से जोड़ना है।

स्वास्थ्य अमले की लापरवाही उजागर : खुले में फेंक दी सरकारी दवाइयां, दोषी को ढूंढने में जुटा विभाग

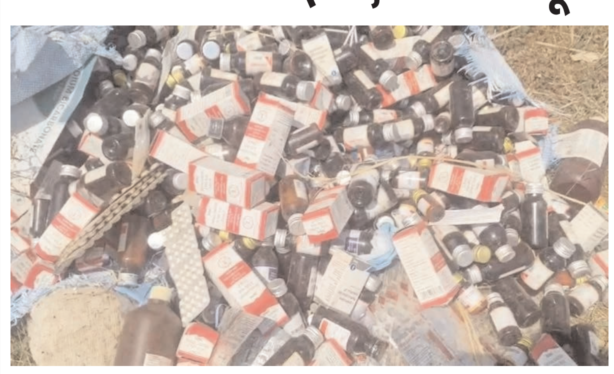

मुंगेली। जिले के लोरमी इलाके से स्वास्थ्य अमले की बड़ी लापरवाही उजागर हुई है। यहां छत्तीसगढ़ शासन के स्वास्थ्य विभाग की दवाइयां लावारिस हालत में खुले में फेंकी हुई मिली हैं।

इस मामले के सामने आते ही जिला स्वास्थ्य महकमे में अफरा तफरी मच गई है। लोरमी क्षेत्र के बोड़तरा- पथर्रा मार्ग पर लोगों ने भारी मात्रा में दवाइयां खुले में पड़ा हुआ देखा। इन दवाओं के स्ट्रिप पर छत्तीसगढ़ शासन का मोनो लगा हुआ नजर आया।

दवाओं का इस तरह खुले में मिलना न केवल सरकारी संसाधनों की बर्बादी है, बल्कि यह क्षेत्र के पशुओं और बच्चों के लिए जानलेवा भी साबित हो सकता है।

सूचना के बाद मौके पर पहुंची सीएमएचओ

खुले में दवाएं पड़े होने की सूचना मिलते ही मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शीला शाहा ने मामले को बेहद गंभीरता से लिया है। उन्होंने तुरंत मौके पर पहुंचकर जायजा लिया और लोरमी के खंड चिकित्सा अधिकारी को जांच कर विस्तृत रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए।

डायबिटीज-बीपी-कैंसर का भी खतरा

सीएमएचओ ने बताया कि इस मामले में ब्लॉक स्तर के दवा भंडारों के स्टॉक रजिस्टर की जांच की जाएगी, ताकि पता चल सके कि ये दवाइयां किस सेंटर से बाहर निकाली गई थीं।

उन्होंने स्पष्ट किया है कि दवाइयों के निस्तारण के लिए तय प्रोटोकॉल का उल्लंघन करने वालों पर सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।छत्तीसगढ़ शासन के मोनो लगी सरकारी दवाइयों का खुले में मिलने की घटनाएं पहले भी सामने आ चुकी हैं। बावजूद इसके लापरवाह स्वास्थ्य अमला मनमानी कर रहा है। यह जांच का विषय है कि ये दवाएं एक्सपायर हैं या फिर इनकी कालातीत अवधि अभी बाकी है। एक्सपायर दवाओं के विनष्टीकरण के नियम होते हैं, जिनका पालन करना जरूरी होता है, मगर जिस तरह खुले में सरकारी दवाएं मिली हैं, यह एक गंभीर मसला है। इस घटना ने स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली और और दवाओं के भंडारण प्रबंधन पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं ।

आरंग में हाहाकारः खाली सिलेंडर लेकर सड़क पर उतरे ग्रामीण, चक्काजाम कर जताया विरोध

रायपुर। छत्तीसगढ़ के आरंग क्षेत्र में गैस गोदाम की दुकान में गैस सिलेंडर की समस्या ने विकराल रूप ले लिया है। पिछले 25 दिनों से रसोई गैस के लिए भटक रहे लोगो का गुस्सा रविवार को चरम सीमा पर पहुंच गया। गिरिजा इंडेन गैस एजेंसी की नाराजगी से नाराज सैकड़ों लोगों ने आरंग-खरोरा मुख्य मार्ग पर जाम लगा दिया। चिलचिलाती धूप और एजेंसी के वादेखिलाफी ने आम जनता को सड़क पर उतरने के लिए मजबूर कर दिया है।

रात 3 बजे से रतजगा, फिर भी खाली हाथ

आम लोगों के मुताबिक, लोग

20-20 किलोमीटर दूर से रात 3 बजे से ही लाइन में लग गए थे। कि धूप में रहने के बाद जब एजेंसी ने योजना बनाई न होने की बात कही, तो लोग भड़क उठे। लोगों का आरोप है कि एजेंसी के कर्मचारी न सिर्फ बदमाशी करते हैं, बल्कि ऑनलाइन के बाद भी जबरन चक्कर लगवाते हैं। बता दें कि आरंग की इस एकमात्र गैस एजेंसी में करीब 20,000 उपभोक्ता हैं। स्थिति इतनी खराब है कि 1 अप्रैल को नगर पालिका अध्यक्ष और खाद्य पर्यवेक्षक ने एजेंसी के मालिक डॉ. रमन सिंह ठाकुर के साथ बैठक की थी। रियल एस्टेट के लिए 10 दिन का अल्टीमेटम दिया गया था, वही एजेंसी के कर्मचारियों ने उनके फोन तक कोई निशान नहीं लगाया। अब स्थानीय लोग आरंग में एक और नई गैस एजेंसी की मांग कर रहे हैं ताकि परेशानी को खत्म किया जा सके। चक्काजाम की सूचना ही सबसे पुलिस की टीम की ओर से जारी की गई। काफी देर तक चले और जल्द ही सप्लाई सुचारू नही की गई तो जनता का कहना है कि जल्द समाधान नहीं हुआ तो उग्रवादी आंदोलन होगा।

रायपुर में 'नारी शक्ति युवा संसद' का आयोजन; युवा महिलाओं ने संसदीय कौशल का किया प्रदर्शन

रायपुर। माई भारत, छत्तीसगढ़, युवा कल्याण एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा रायपुर स्थित राजीव गांधी राष्ट्रीय भूजल प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान में 'नारी शक्ति युवा संसद' का सफल आयोजन किया गया। 'नारी शक्तिः विकसित भारत की आवाज़ - समावेशी लोकतंत्र को सुदृढ़ बनाना' विषय पर आधारित इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवा महिलाओं को राष्ट्रीय स्तर की विधायी प्रक्रियाओं और नीतिगत चर्चाओं से जोड़ना तथा उनमें नेतृत्व क्षमता का विकास करना था।

इस गरिमामयी कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार

संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा । डॉक्टर शर्मा ने अपने संबोधन में राष्ट्र-निर्माण और शासन-प्रशासन में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सशक्त और समावेशी लोकतंत्र तभी संभव है जब युवा महिलाएं नीति-निर्माण की प्रक्रियाओं में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 'महिला आरक्षण विधेयक' पर केंद्रित एक 'मॉक संसद' सत्र था। इसमें राज्य भर से आई 40 युवा महिला प्रतिभागियों ने सांसदों और मंत्रियों की भूमिका निभाई। प्रतिभागियों ने महिला एवं बाल विकास, कृषि और वित्त जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालयों का प्रतिनिधित्व करते हुए लैंगिक समानता और समावेशी विकास पर तथ्यपरक तर्क प्रस्तुत किए। इस सत्र ने युवाओं के बीच विधायी ढांचे और समकालीन सामाजिक-राजनीतिक विषयों की उनकी गहरी समझ को प्रदर्शित किया।

यह आयोजन की भावना और लोकतांत्रिक संस्थाओं में महिलाओं के सार्थक प्रतिनिधित्व को सुनिश्चित करने के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अनुरूप है। 'नारी शक्ति युवा संसद' इस प्रतिबद्धता को दोहराती है ।

अरुणाचल को लेकर भारत की चीन को दो टूक, 'झूठे दावे सच्चाई को नहीं बदल सकते'

नई दिल्ली। भारतीय स्थानों को मनगढ़ंत नाम दिए जाने पर विदेश मंत्रालय ने चीन की आलोचना की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि भारत, चीन द्वारा भारत की भूमि का हिस्सा बनने वाले स्थानों को मनगढ़ंत नाम देने के किसी भी शरारती प्रयास को स्पष्ट रूप से खारिज करता है।

उन्होंने कहा कि चीन द्वारा झूठे दावे करने और निराधार कथाएं गढ़ने के ऐसे प्रयास इस निर्विवाद वास्तविकता को नहीं बदल सकते कि अरुणाचल प्रदेश सहित ये स्थान और क्षेत्र भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा थे, हैं और हमेशा रहेंगे।

उन्होंने कहा कि चीन की ये कार्रवाइयां भारत-चीन द्विपक्षीय संबंधों को स्थिर और सामान्य बनाने के चल रहे प्रयासों को बाधित करती हैं। चीन को ऐसे कार्यों से बचना चाहिए जो संबंधों में नकारात्मकता पैदा करते हैं और बेहतर समझ बनाने के प्रयासों को कमजोर करते हैं।आपको बता दें कि 2017 के बाद चीन ने दिसंबर 2021 में 21 स्थानों के नाम बदलने का प्रयास किया। चीन ने अरुणाचल के 11 जिलों जिसमें तवांग से लेकर अंजॉ के स्टैंडर्ड नाम चीनी, तिब्बती और रोमन में जारी किए। हालांकि भारत ने तब चीन के इस कदम को अस्वीकार्य बताया और नए नाम रख देने से जमीनी सच्चाई नहीं बदल जाती। भारत ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अंग है और हमेशा रहेगा।इससे पहले 9 अप्रैल को अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल केटी परनाइक (सेवानिवृत्त) ने गुरुवार को तवांग जिले में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास स्थित दूरदराज की सीमा चौकी 'खेन्जेमाने' का दौरा किया। वहां उन्होंने सैनिकों का मनोबल ऊंचा बनाए रखने, शारीरिक रूप से चुस्त-दुरुस्त रहने और हर समय मानसिक रूप से सतर्क रहने के लिए प्रोत्साहित किया; विशेष रूप से अग्रिम क्षेत्रों की कठिन परिस्थितियों को देखते हुए।लोक भवन के एक अधिकारी ने बताया कि दुर्गम इलाकों और कठोर मौसम के बीच स्थित यह सीमा चौकी भारत की सतर्कता और जुझारूपन का प्रतीक है। राज्यपाल की इस यात्रा को देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले बलों के प्रति एकजुटता के एक सशक्त संकेत के रूप में देखा गया।

इराक ने अमेदी को चुना राष्ट्रपति, यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष ने दी बधाई

लिस्बन । यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा ने निजार अमेदी को इराक का नया राष्ट्रपति चुने जाने पर बधाई दी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इससे सरकार गठन का मार्ग प्रशस्त होगा क्योंकि किसी भी देश के लिए मजबूत सरकार जरूरी होती है।

एक्स पोस्ट पर उन्होंने लिखा, 'इराक गणराज्य के राष्ट्रपति के रूप में चुने जाने पर निजार अमेदी को बधाई। इस कदम से सरकार के गठन का मार्ग प्रशस्त होना चाहिए। भविष्य की गंभीर चुनौतियों से निपटने और हाल के वर्षों में हुई प्रगति को बनाए रखने के लिए मजबूत और स्थिर सरकारी संस्थाएं अत्यंत आवश्यक हैं।

उन्होंने भरोसा दिलाया कि 'यूरोपीय संघ इराक की स्थिरता, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का दृढ़ समर्थक बना रहेगा।

इराकी संसद ने 11 अप्रैल को राजधानी बगदाद में आयोजित एक निर्णायक मतदान सत्र के बाद पूर्व पर्यावरण मंत्री निजार अमेदी को देश का नया राष्ट्रपति चुना। संसद के अध्यक्ष हैबत अल-हल्बूसी ने रनऑफ मतदान में 227 वोट हासिल करने के बाद अमेदी को आधिकारिक रूप से विजेता घोषित किया। घोषणा के बाद नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ने संवैधानिक रूप से पद की शपथ ली।यह महत्वपूर्ण सत्र 329 सदस्यीय संसद के लगभग 250 सांसदों की उपस्थिति में हुआ, जो राष्ट्रपति चुनाव के लिए आवश्यक 220 सदस्यों के संवैधानिक कोरम से अधिक था।

टेलीविजन पर प्रसारित सत्र के अनुसार, पैट्रियॉटिक यूनियन ऑफ कुर्दिस्तान (पीयूके) के उम्मीदवार अमेदी ने पहले दौर में 208 वोटों के साथ बढ़त बनाई जबकि उनके मुख्य प्रतिद्वंद्वी कुर्दिस्तान इस्लामिक यूनियन के मुथन्ना अमीन और वर्तमान विदेश मंत्री फुआद हुसैन को क्रमश: 17 और 16 वोट मिले।

पहले चरण में कोई भी उम्मीदवार दो-तिहाई बहुमत हासिल नहीं कर सका इसलिए चुनाव अमेदी और अमीन के बीच दूसरे दौर में गया।

विदेश मंत्री जयशंकर ने यूएई के राष्ट्रपति से की मुलाकात, रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने पर जोर

अबू धाबी। भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर दो दिवसीय दौरे पर संयुक्त अरब अमीरात पहुंचे हैं। उन्होंने रविवार को अबू धाबी में यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से मुलाकात की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से शुभकामनाएं दीं।

मीटिंग के दौरान डॉ. जयशंकर ने वेस्ट एशिया में संघर्ष के दौरान यूएई में भारतीय समुदाय की भलाई सुनिश्चित करने के लिए शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान का शुक्रिया अदा किया। मीटिंग के दौरान दुबई के क्राउन प्रिंस शेख हमदान बिन मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम भी मौजूद थे।

दो दिवसीय यात्रा पर गए विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने एक्स पर पोस्ट किया, 'अबू धाबी में यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से मिलकर बहुत सम्मानित महसूस कर रहा हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरफ से हार्दिक शुभकामनाएं और पश्चिम एशिया संघर्ष के दौरान भारतीय समुदाय की भलाई सुनिश्चित करने के लिए हमारा शुक्रिया। भारत-यूएई व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए उनके निर्देश के लिए उन्हें धन्यवाद।

एक और पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'शेख हमदान बिन मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम से मिलकर अच्छा लगा।

6000 किलोमीटर लंबे रेलवे विस्तार को मंजूरी मिली, पिछले साल की तुलना में 114 प्रतिशत की वृद्धि

नई दिल्ली। देश के अंतिम छोर को जोड़कर और सबसे गरीब तथा वंचित क्षेत्रों की सेवा करते हुए, भारतीय रेल पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत एक परिवर्तनकारी विस्तार कर रही है। समावेशी विकास और राष्ट्रीय एकीकरण पर विशेष ध्यान देते हुए, वित्त वर्ष 2025-26 में नई लाइनों, दोहरीकरण, मल्टी-ट्रैकिंग और अन्य कार्यों से जुड़ी 100 रेलवे परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। यह अभूतपूर्व प्रयास बेहतर कनेक्टिविटी के माध्यम से विविध राष्ट्र को एकजुट करने के प्रति भारतीय रेल की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, साथ ही एक उच्च-क्षमता वाले और भविष्य के लिए तैयार नेटवर्क की नींव भी रख रहा है। इन परियोजनाओं में कुल 1.53 लाख करोड़ रुपए का निवेश किया गया है, जो 6,000 किलोमीटर से अधिक के रेलवे नेटवर्क को कवर करता है। यह रेलवे विस्तार में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है। वित्त वर्ष 2024-25 की तुलना में, जहां 72,869 करोड़ रुपए की लागत वाली 64 परियोजनाओं (2,800 किलोमीटर से अधिक) को मंजूरी दी गई थी, इस बार परियोजना की स्वीकृतियों में 56 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, रूट कवरेज में 114 प्रतिशत से अधिक का उछाल आया है और वित्तीय प्रतिबद्धता में 110 प्रतिशत से अधिक की उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है।

'वंदे मातरम का विरोध करने वालों को देश छोड़ देना चाहिए'

कोलकाता । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को पश्चिम बंगाल के पूर्व मिदनापुर जिले की नंदकुमार विधानसभा क्षेत्र में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि जो लोग 'वंदे मातरम' का विरोध करते हैं, उन्हें देश छोड़ देना चाहिए।

उन्होंने कहा, 'उत्तर प्रदेश की धरती से, भगवान राम, महादेव और कृष्ण की पवित्र भूमि से, मैं उस भूमि पर आया हूं, जहां राष्ट्रीय गीत और राष्ट्रगान है। जो लोग 'वंदे मातरम' का विरोध करते हैं, उन्हें देश छोड़ देना चाहिए।

सीएम योगी ने कहा कि 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूर्ण होने पर प्रधानमंत्री मोदी ने संसद का विशेष सत्र बुलाया था। हमने भी उत्तर प्रदेश विधानसभा में विशेष सत्र का आयोजन किया था। जिस बंगाल से बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय की अमर और कालजयी कृति 'आनंदमठ' के गीत ने भारत के अंदर आजादी का बिगुल फूंका था, उसी 'वंदे मातरम' के विषय में बंगाल की विधानसभा में ममता दीदी ने कोई चर्चा नहीं करवाई। उन्हें भय था कि उनका वोट बैंक 'वंदे मातरम' का विरोध करता है।

उन्होंने कहा कि मैं कहता हूं, भारत की धरती पर जो कोई 'वंदे मातरम' गाने में परहेज करता है, उसे भारत की धरती छोड़कर वहां जाना चाहिए, जहां उसके लिए स्थान हो। यह तो राष्ट्र वंदना का गीत है, हर भारतवासी को गाना चाहिए। अगर कोई 'वंदे मातरम' का विरोध करता है, तो फिर भारत उसे स्वीकार नहीं कर सकता है।

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कई प्रमुख बंगाली हस्तियों का उल्लेख किया, जैसे स्वामी विवेकानंद, खुदीराम बोस, नेताजी सुभाष चंद्र बोस और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, और राष्ट्रीय भावना पर उनके प्रभाव के बारे में बात की।

उन्होंने कहा, 'डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कहा था कि एक देश में दो कानून नहीं हो सकते, और वह सपना प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पूरा हुआ है। अनुच्छेद 370 को हटाना एक लंबे समय से वैचारिक लक्ष्य था, जो अब पूरा हो चुका है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

उन्होंने कहा, 'यह वह भूमि है, जो कई वैज्ञानिकों और महान व्यक्तित्वों को जन्म देती है, जिनमें रवींद्र नाथ टैगोर भी शामिल हैं। लेकिन तृणमूल कांग्रेस ने इसे ध्रुवीकरण और अत्याचार की भूमि बना दिया है। तृणमूल की तुष्टीकरण की राजनीति की कोई सीमा नहीं है। यह चुनावी लाभ के लिए घुसपैठ को बढ़ावा दे रही है। टीएमसी सरकार सीमा पर बाड़ लगाने के काम में सहयोग नहीं कर रही है ताकि घुसपैठियों को वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया जा सके। उन्होंने राज्य में हुई हिंसा की घटनाओं का भी जिक्र किया और विशेष रूप से आरजी कर मेडिकल कॉलेज रेप और मर्डर मामले को लेकर टीएमसी सरकार की प्रतिक्रिया की कड़ी आलोचना की।

करान्थ : छाया-लिपि के रक्षक

स्वाति चौधरी

नाखून; इस छोटे, कठोर, अनाम हिस्से को मनुष्य ने सदियों से केवल काटा है, सजाया है, चबाया है, मगर समझा कभी नहीं। यह अपने भीतर एक ऐसा अँधेरा इतिहास समेटे हुए है, जिसकी गूँज पुराने किलों की दीवारों, निषिद्ध जंगलों और भूले-बिसरे क़ब्रिस्तानों में आज भी सुनी जा सकती है। नाखून वास्तव में मनुष्य की आत्मा की सबसे नुकीली परत है; एक ऐसी परत, जो प्रकाश में भले ही साधारण लगे, किंतु अँधेरे में अपने असली स्वरूप के साथ जाग उठती है।

कहा जाता है, कि सृष्टि के आरंभ में जब प्रथम मनुष्य गढ़े गए, तो उनके नाखूनों में ईश्वर ने प्रकाश नहीं, 'छाया' भर दी थी, ताकि मनुष्य अपनी भीतर की गहराइयों को स्वयं खुरचकर बाहर ला सके। इन्हीं छायाओं ने मनुष्य को भय का पहला एहसास कराया और इन्हीं की खरोंच से उसने पहली बार रक्त का रंग देखा। नाखून तभी से मनुष्य के भीतर मौजूद अँधेरे की मौन भाषा बन गए। ऐसी भाषा, जिसे वो समझे, चाहे न समझे, पर उसके स्पर्श में वह हमेशा मौजूद रहती है।

हर रात जब अँधेरा धीरे-धीरे धरती पर घिरता है, नाखूनों में एक हल्की-सी सिहरन दौड़ जाती है। यह वही सिहरन है जो पुरानी कथाओं में 'हड्डियों के प्रहरी' कहलाती थी। वह अदृश्य प्राणी जो कहते हैं, कि नाखून मनुष्य को याद दिलाएँ, कि वह कितना नाज़ुक है। आप चाहे कितने भी शांत हों, आपकी अँगुलियों के नाखून आपके भीतर के डर को किसी भूखे जानवर की तरह महसूस कर लेते हैं ....और जब आप भय से मुट्ठी भींचते हैं, तो नाखून हथेलियों में धँस जाते हैं, जैसे अँधेरा अपने पंजों से आपको भीतर से पकड़े हो।

नाखूनों का अतीत रक्त-रंजित है। मध्ययुग के जादूगर मानते थे, कि नाखूनों में 'दंश-छाया' छुपी रहती है: एक ऐसा शाप जो मनुष्य को अपने ही हाथों का क़ैदी बना देता है। दुर्भाग्य यह कि यह शाप रात में अधिक तीव्र होता है। पुराने ग्रंथों में लिखा है, कि चंद्र-रहित रातों में नाखून धीमे-धीमे बढ़ते हैं ..इतना धीरे कि देखने वाला नहीं देख पाता, पर इतना तेज़ कि सुबह जागने पर वह किनारे की नुकीली धार से चौंक उठता है। यह वृद्धि जैविक नहीं; यह नाखूनों में छुपी अँधेरी स्मृतियों का संकेत है, वही स्मृतियाँ जिसमें मनुष्य का वह रूप बसता है जो स्वयं उसे डराता है।

कुछ लोग जन्म से ऐसे होते हैं, जिनके नाखूनों के नीचे 'शैडो-सर्कल' उभरते हैं; काले, धुँधलाए चक्र। इन्हें देखकर पुराने भविष्यवक्ता समझ जाते थे, कि उस व्यक्ति की आत्मा में कोई अँधकार सो रहा है। ऐसे लोग जब क्रोधित होते, तो उनके नाखूनों की धार कुछ और नुकीली हो जाती। जैसे, भीतर कोई दानव हिल उठा हो। यह दानव भले ही बाहर न आ सके, पर नाखून उसकी उपस्थिति को हर बार संदिग्ध चमक के साथ ज़ाहिर करते।अँधेरी दुनिया की कथाओं में 'नाखूनों के दानव' (करान्थ) का उल्लेख मिलता है। 'करान्थ' हर मनुष्य की अँगुलियों में सोया रहता है। उसका एक ही काम है; मनुष्य के शरीर और उसकी इच्छाओं के बीच एक खुरदरी खाई बनाना। जब मनुष्य किसी ऐसी चीज़ को छूने जाता है, जिसे छूना नहीं चाहिए; कोई निषिद्ध पुस्तक, कोई शापित वस्तु या कोई पापपूर्ण आकांक्षा, बस तभी 'करान्थ' जाग उठता है और नाखूनों के नीचे हल्की-सी जलन उत्पन्न करता है। यह चेतावनी है! किंतु, जिसे चेतावनी सुननी ही न हो, वह अकसर अपने हाथों को रक्त से रंग लेता है।कई कथाओं में नाखून 'बदले की कहानी' भी कहते हैं। पुराने महलों की दीवारों पर मिली खरोंचें, बंद कमरों में पायी गयीं लंबी, झुर्रियों-भरी रेखाएँ ...सब इस बात के प्रमाण हैं, कि नाखूनों का इतिहास मानव-चेतना का ही नहीं, बल्कि उन आत्माओं का भी है।

दिल्ली: महरौली में शुरू होगा डीडीए का 'हेरिटेज वीक', छात्रों-नागरिकों के लिए खास कार्यक्रम

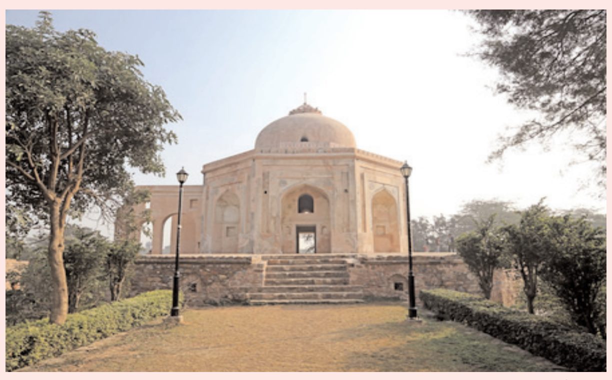

नई दिल्ली। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) सोमवार को ऐतिहासिक महरौली पुरातात्विक पार्क में अपने 'हेरिटेज वीक' समारोह की शुरुआत करेगा। रविवार को एक अधिकारी ने बताया कि इसका उद्देश्य नागरिकों, विशेष रूप से युवाओं के बीच दिल्ली की सांस्कृतिक और स्थापत्य विरासत के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, डीडीए का 13 से 18 अप्रैल तक चलने वाला एक हफ्ते का उत्सव छात्रों और आम लोगों के लिए कई तरह की गतिविधियों से भरा होगा। इसका मकसद लोगों को विरासत की सराहना करने और अपनी रचनात्मकता दिखाने के लिए प्रोत्साहित करना है।

पहली बार, डीडीए ने 'माईगव' के साथ हाथ मिलाया है। यह केंद्र सरकार का एक ऐसा मंच है जहां नागरिक अपनी राय और सुझाव दे सकते हैं। इस साझेदारी के तहत, एक ऑनलाइन फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इसमें पूरे देश से लोगों को आमंत्रित किया गया है कि वे महरौली आर्कियोलॉजिकल पार्क की ऐतिहासिक जगहों की सुंदरता को अपने कैमरे में कैद करें और उन्हें 'माईगव' पोर्टल पर अपलोड करें।

इसके अलावा, डीडीए ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के साथ भी साझेदारी की है। इस साझेदारी के तहत, महरौली इलाके में विरासत को बचाने के लिए किए गए प्रयासों से जुड़ी एक प्रदर्शनी लगाई जाएगी और उनका दस्तावेजीकरण किया जाएगा।

बयान में कहा गया, 'छात्रों को दिल्ली और उसकी समृद्ध विरासत से जोड़ने के लिए 15 और 16 अप्रैल को कार्यक्रम स्थल पर कई छात्र-केंद्रित गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इनमें छात्रों के लिए 'हेरिटेज वॉक', संवाद प्रतियोगिता, कहानी लेखन प्रतियोगिता, और स्केचिंग व चित्रकला प्रतियोगिता शामिल हैं। स्कूल के बच्चों की ज्यादा से ज्यादा भागीदारी सुनिश्चित

हैदराबाद : चालान से बचने के लिए बीएमडब्ल्यू में लगाई रिमोट कंट्रोल फ्लिप नंबर प्लेट, चालक गिरफ्तार

हैदराबाद । हैदराबाद में ट्रैफिक पुलिस ने एक बीएमडब्ल्यू ड्राइवर को तब पकड़ा, जब उसने कथित तौर पर चालान से बचने के लिए अपनी कार की नंबर प्लेट में एक हाईटेक तरीके का इस्तेमाल किया था।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शनिवार रात पॉश इलाका जुबली हिल्स में शराब पीकर गाड़ी चलाने के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत चेकिंग के दौरान पुलिस ने इस ट्रिक का पता लगाया।

पुलिस के मुताबिक, गाड़ी का मालिक कथित तौर पर ट्रैफिक जुर्माने से बचने के लिए नंबर प्लेट बदल रहा था। कथित तौर पर नशे में आरोपी ने रिमोट से कंट्रोल होने वाली फ्लिप नंबर प्लेट लगाई हुई थी, जिससे वह एक बटन दबाकर गाड़ी का रजिस्ट्रेशन नंबर बदल सकता था।

ट्रैफिक पुलिस अधिकारी कार में नंबर प्लेट बदलने के लिए एक एडवांस सिस्टम देखकर हैरान रह गए। आरोपी ने चालान से बचने के लिए दो नंबर प्लेटें दिल्ली और तेलंगाना की लगाई हुई थीं।

कहा जा रहा है कि यह अपनी तरह की पहली घटना है, जिसमें किसी कार में नंबर प्लेट बदलने के लिए हाईटेक सिस्टम लगा हुआ पाया गया है। पुलिस ने गाड़ी जब्त कर ली है और मामला दर्ज कर लिया है। आगे की जांच जारी है।

इस बीच, हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने रविवार को बताया कि पिछले दो दिनों में शराब पीकर गाड़ी चलाने के कुल 466 मामले दर्ज किए गए हैं। सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरे शहर में सख्त कार्रवाई जारी है। इनमें से ज?यादातर मामले दोपहिया वाहनों (404) से जुड़े हैं। सबसे ज?यादा उल्लंघन 21-30 आयु वर्ग में पाए गए।पुलिस ने बताया कि 16 अपराधियों को दोषी ठहराया गया और जेल की सजा सुनाई गई।

इस बीच, साइबराबाद ट्रैफिक पुलिस (सीटीपी) ने सप्ताहांत में शराब पीकर गाड़ी चलाने के खिलाफ एक विशेष अभियान चलाया, जिसके परिणामस्वरूप 240 आरोपियों को पकड़ा गया।

इस अभियान के दौरान कुल 193 दोपहिया, नौ तिपहिया और 38 चारपहिया वाहन पकड़े गए।

संपादकीय

लोकतंत्र की पुनर्रचना: आरक्षण, परिसीमन और भारत का भविष्य

महेन्द्र तिवारी

भारत का लोकतंत्र सदैव एक जीवंत और गतिशील प्रयोग रहा है ऐसा प्रयोग जो अपनी विविधता, अपनी जटिलता और अपनी अंतर्विरोधों के साथ भी निरंतर आगे बढ़ता रहा है। स्वतंत्रता के पचहत्तर वर्षों से अधिक की यात्रा में यह लोकतंत्र अनेक परीक्षाओं से गुजरा है, अनेक संकटों को पार किया है और अनेक ऐतिहासिक मोड़ों पर खड़ा रहा है। किंतु वर्तमान समय जो प्रश्न उठा रहा है, वह केवल नीति या विधान का प्रश्न नहीं है यह उस मूलभूत प्रश्न का उत्तर खोजने का प्रयास है कि क्या भारत अपनी आधी जनसंख्या को वास्तविक शासन-सत्ता में भागीदार बनाने के लिए सचमुच तत्पर है। यह प्रश्न महिला आरक्षण और परिसीमन के उस संयुक्त विमर्श से उभरा है, जो आज भारतीय राजनीति के केंद्र में है। इसे समझने के लिए पहले उस स्थिति को देखना आवश्यक है जो दशकों से बनी हुई है। स्वतंत्रता के पश्चात जब प्रथम लोकसभा गठित हुई, तब उसमें केवल बाईस महिला सदस्य थीं। यह संख्या तब से अत्यंत धीमी गति से बढ़ी है। 17वीं लोकसभा में यह लगभग 15% के आसपास ही पहुँची। राज्य विधानसभाओं की स्थिति और भी चिंताजनक है, जहाँ अनेक राज्यों में महिला विधायकों का औसत दस प्रतिशत से भी कम है। सरकार ने 16 से 18 अप्रैल तक संसद का सत्र बुलाया बुलाया है। इस दौरान संविधान संशोधन बिल लाने की तैयारी है। सरकार महिलाओं को 33% आरक्षण देने के साथ लोकसभा और विधानसभा सीटों में 50% तक बढ़ोतरी का प्रस्ताव ला सकती है। इसके तहत लोकसभा सीटें 543 से बढ़ाकर 816 हो जाएगी। इसी असंतुलन को दूर करने के उद्देश्य से संसद ने वह ऐतिहासिक संवैधानिक संशोधन पारित किया जिसे नारी शक्ति वंदन अधिनियम के नाम से जाना जाता है। इसके अंतर्गत लोकसभा और समस्त राज्य विधानसभाओं में एक-तिहाई अर्थात तैंतीस प्रतिशत सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करने का प्रावधान किया गया है। यह आरक्षण अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए पहले से आरक्षित सीटों पर भी लागू होगा, जिसका अर्थ यह है कि सामाजिक न्याय की दोहरी परत इस व्यवस्था में समाहित है। अंतरराष्ट्रीय अनुभव यह बताता है कि जब किसी विधायिका में महिलाओं की भागीदारी तीस प्रतिशत के आसपास पहुँचती है, तो स्वास्थ्य, शिक्षा, बाल कल्याण और सामाजिक सुरक्षा जैसे विषयों पर नीति-निर्माण की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार देखा जाता है। रवांडा जैसे देश, जहाँ संसद में महिलाओं की भागीदारी साठ प्रतिशत से अधिक है, इसके जीवंत उदाहरण हैं। किंतु इस अधिनियम का सबसे विवादास्पद पक्ष इसका कार्यान्वयन है। यह स्पष्ट किया गया है कि यह आरक्षण तत्काल प्रभाव से लागू नहीं होगा, बल्कि इसे आगामी जनगणना और उसके पश्चात होने वाले परिसीमन के बाद ही लागू किया जाएगा। वर्तमान संकेतों के अनुसार इसे वर्ष दो हजार उनतीस के आम चुनाव तक लागू करने की योजना है। इस विलंब ने अनेक राजनीतिक दलों और महिला संगठनों में असंतोष उत्पन्न किया है। उनका तर्क है कि जो अधिकार न्यायसंगत है और जिसकी आवश्यकता स्वीकार की जा चुकी है, उसे किसी तकनीकी प्रक्रिया के अधीन क्यों बनाया जाए। परिसीमन की प्रक्रिया स्वयं में एक अत्यंत जटिल और संवेदनशील विषय है। इसका सरल अर्थ है जनसंख्या के आधार पर संसदीय और विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं का पुनर्निर्धारण, ताकि प्रत्येक प्रतिनिधि लगभग समान जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करे और लोकतंत्र की मूल भावना एक व्यक्ति, एक मत, एक मूल्य सुनिश्चित हो सके। भारत में अंतिम व्यापक परिसीमन उन्नीस सौ इकहत्तर की जनगणना के आधार पर किया गया था। उसके बाद यह प्रक्रिया इस उद्देश्य से स्थगित कर दी गई कि यदि जनसंख्या वृद्धि के अनुपात में सीटें बढ़ाई गईं, तो परिवार नियोजन को सफलतापूर्वक लागू करने वाले राज्यों को राजनीतिक हानि उठानी पड़ेगी। यह स्थगन एक नैतिक निर्णय था, किंतु अब जब पाँच दशक से अधिक समय बीत चुका है और जनसंख्या का वितरण नाटकीय रूप से बदल चुका है, तो परिसीमन की अनिवार्यता से मुँह नहीं मोड़ा जा सकता। वर्तमान जनसंख्या आँकड़ों पर दृष्टि डालें तो उत्तर प्रदेश की जनसंख्या लगभग पच्चीस करोड़ से अधिक है, बिहार की लगभग तेरह करोड़, जबकि केरल की जनसंख्या लगभग साढ़े तीन करोड़ और तमिलनाडु की लगभग साढ़े सात करोड़ है। यदि परिसीमन पूर्णत: जनसंख्या के आधार पर होता है, तो उत्तर भारत के राज्यों को संसद में अनेक अतिरिक्त सीटें मिल सकती हैं, जबकि दक्षिण भारत के राज्यों की हिस्सेदारी अपेक्षाकृत घट सकती है। दक्षिण के राज्यों का तर्क यह है कि उन्होंने जनसंख्या नियंत्रण के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, राज्य की नीतियों का अनुपालन किया और अब उन्हें इसी अनुपालन के कारण राजनीतिक प्रतिनिधित्व में कमी का सामना करना पड़ रहा है। यह केवल संख्याओं का विवाद नहीं है यह उस संघीय भावना का प्रश्न है जिसके आधार पर भारत का ताना-बाना बुना गया है।

इस संकट से निपटने के लिए एक प्रस्ताव यह आया है कि लोकसभा की कुल सीटों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि की जाए। वर्तमान में लोकसभा में पाँच सौ तैंतालीस निर्वाचित सीटें हैं। परिसीमन के बाद यह संख्या आठ सौ या इससे भी अधिक तक जा सकती है। इस वृद्धि का तर्क यह है कि यदि सीटों की कुल संख्या बढ़ाई जाए, तो किसी भी राज्य की वर्तमान सीटें घटाए बिना नई जनसंख्या के अनुपात में प्रतिनिधित्व दिया जा सकता है। इससे दक्षिण भारत के राज्यों की आशंका कुछ हद तक कम हो सकती है।

भारत के नेता कैसे हों, बालेन शाह जैसे हों

गिरीश पंकज

जब से नेपाल के प्रधानमंत्री के रूप में बालेन्द्र (लोकप्रिय नाम बालेन) शाह सक्रिय हुए हैं,उनकी तमाम गतिविधियों को देखते हुए अब लोग यही कहने लगे हैं कि भारत देश में भी बालेन्द्र शाह जैसे नेता होना चाहिए, जो अपने व्यवहार से यह सिद्ध कर रहे हैं कि पद बड़ा नहीं होता, व्यक्ति का चरित्र बड़ा होता है. जनता द्वारा चुने गए नेता को जनता से जुड़ा रहना चाहिए. भारत देश में क्या ऐसा हो पाता है ?जनता जिसे चुनती है, वही जनता से बहुत दूर हो जाता है. सुरक्षा कवच में घुस जाता है. अपनी ही जनता से डरने लगता है. उससे बदतमीजी करता है।

पद आज है, कल नहीं रहेगा लेकिन व्यवहार लंबे समय तक यादगार रहता है. अच्छे व्यवहार वाला नेता लंबे समय तक टिका भी रहता है. शाह ने गत वर्ष नेपाल में चले जेन-जी आंदोलन का समर्थन किया था. जेन-जी यानी जेनरेशन जेड का अर्थ है ऐसे लोग जो सन 1997 से 2012 के बीच में पैदा हुए हैं. जिनका जन्म इंटरनेट के युग में हुआ है. इन्हें 'जूमर्स' भी कहा जाता है. हालांकि शाह का जन्म 27 अप्रैल 1990 को हुआ, लेकिन यह भी जेन-जी की युवा पीढ़ी के आंदोलन को प्रोत्साहित कर रहे थे. उन्होंने सक्रिय आंदोलन में भाग नहीं लिया,क्योंकि उस समय वह काठमांडू के मेयर थे. उन्होंने यह भी स्पष्ट किया था कि यह जेन जी का आंदोलन है और मैं जेन-जी से बाहर हूं, क्योंकि मेरा जन्म 1997 के पहले का है. बालेन शाह ने आंदोलन को समर्थन तो दिया लेकिन वह हिंसा और तोड़फोड़ के खिलाफ थे. यह बेहद उल्लेखनीय बात है. शाह के गीतों की नेपाल की युवा पीढ़ी पहले ही दीवानी थी. नेपाली हिप-हॉप के रूप में उनकी धूम मची हुई थी. वे अपने रैपों में देश और समाज की विभिन्न स्थितियों पर गीत रचते हुए जन जागरण करते रहे हैं. यूट्यूब में इनके अनेक रैप देखे जा सकते हैं. 2023 में उन्हें 'टाइम' मैगजीन ने इनको विश्व के सौ महत्वपूर्ण चेहरों में शामिल किया था

अक्सर काला चश्मा, माथे पर लाल टीका और सिर पर नेपाली टोपी बालेन शाह की पहचान है.पेशे से इंजीनियर बालेन शाह ने पदभार ग्रहण करने के बाद कुछ ऐसे निर्णय लिए हैं जो उन्हें विश्व के अनेक राजनेताओं से अलग साबित करते हैं. जैसे उन्होंने तथाकथित वीआईपी संस्कृति को खत्म कर दिया. अपने ही एक मंत्री को भ्रष्टाचार के कारण पद से हटा दिया. मंत्री दीप कुमार शाह ने अपनी पत्नी को हेल्थ इंश्योरेंस बोर्ड में दोबारा नियुक्त करवा दिया था. बस इसी आरोप में दीप कुमार को पद से हटा दिया गया. यह घटना राजनीतिक शुचिता का सबक सिखाती है. शाह ने मनी लांड्रिंग के मामले में पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा और उनकी पत्नी को गिरफ्तार करने का वारंट भी जारी किया है. जो इस समय देश से बाहर हैं. बालेन शाह ने कुछ पुराने नेताओं और अधिकारियों की संपत्ति की जांच के आदेश भी जारी किए हैं।

नेपाल में चल रहे प्राइवेट स्कूलों पर प्रतिबंध लगा दिया. अब हर अधिकारी का बच्चा वहां के सरकारी स्कूलों में पढ़ेगा. राजनीति का यह युवा चेहरा घर-घर जाकर

लोगों से मिल रहा है. उनकी तकलीफों को समझ रहा है. हमारे देश में एक साधारण मंत्री भी सुरक्षा कर्मियों से घिरा रहता है. लेकिन नेपाल का यह पैंतीस वर्षीय प्रधानमंत्री बिना किसी सुरक्षा के आम लोगों के बीच जाता है. साधारण-सी कुर्सी में बैठकर जन समस्याओं को सुनता है।

ऐसा नहीं है कि बालेन्द्र शाह अचानक इस तरह का व्यवहार कर रहे हैं. वह शुरू से ही इसी तरह मिलनसार रहे. यही कारण है कि काठमांडू जैसे शहर में वह निर्दलीय चुनाव लड़कर वहां के पंद्रहवें मेयर बने थे. 30 मई 1922 से 18 जनवरी 1926 तक महापौर रहे.उसके बाद चुनाव में अपनी 'राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी' की ओर से प्रत्याशी बने और भारी मतों से विजयी रहे. इन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को 50,000 वोटो से हराया. उनकी पार्टी ने 125 जीती. राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी पत्रकार रह चुके रवि लामीछाने ने बनाई थी. यहाँ मतलब यह भी है कि एक पत्रकार ने नेपाल में परिवर्तन की भूमिका अदा की. वैसे भी वैचारिक पत्रकारिता हर दौर में राजनीति और समाज को दिशा देती रही है.

महत्वपूर्ण निर्णय..

27 मार्च, 2026 को प्रधानमंत्री बनने के साथ ही शाह ने अपने देश से बेरोजगारी, गरीबी हटाने पर फोकस किया. उन्होंने अपने आगामी सौ दिनों की कार्य योजना भी बना ली है।

ह्यह्य इसमें सर्वाधिक फोकस उन्होंने शिक्षा पर ही किया है. उन्होंने एक और अच्छा काम यह किया है कि स्कूल शिक्षा परिसरों में होने वाली छात्र राजनीति पर उन्होंने रोक लगा दी है. ऐसी रोक भारत में भी लगनी चाहिए.छात्र राजनीति धीरे-धीरे विभिन्न राजनीतिक दलों में बँट जाती है.विद्यार्थियों का पूरा ध्यान फिर राजनीति करके अपनी छवि चमकाने में लगा रहता है और वे पढ़ाई में पीछे जाते हैं. हां, पढ़ने वाले जरूर पढ़ते हैं, लेकिन बहुसंख्यक छात्र राजनीति में ही लगे रहते हैं. कोई बीजेपी का कार्यकर्ता बन जाता है, कोई कांग्रेस का तो कोई कम्युनिस्ट पार्टी का. उम्मीद है कि नेपाल में छात्र राजनीति पर प्रतिबंध के कारण आने वाले समय में वहाँ अनेक प्रतिभाशाली छात्र समाज को मिल सकेंगे।

बालेन शाह ने अपना भाषा-प्रेम भी दिखाया है. वहां अनेक शिक्षण संस्थाएं विदेशी नाम को लेकर चल रही हैं. जैसे सेंट जेवियर, ऑक्सफोर्ड आदि आदि. भारत में भी यह खेल खूब हो रहा है. विदेशी नाम रखकर लोग एक तरह से अभिभावकों को धोखा देते हैं कि हमारे संस्थान अंतरराष्ट्रीय स्तर के हैं.अपने बच्चों को यही पढ़ने भेजें, जबकि ऐसा कुछ होता नहीं है।

बालेन ने स्पष्ट आदेश दिया है कि अंग्रेजी नामों को बदलकर शिक्षण संस्थानों के नेपाली नाम रखने होंगे. यह आदेश युवा प्रधानमंत्री के राष्ट्र प्रेम का सुंदर उदाहरण है. बालेन का प्रयास है कि दुनिया के लोग नेपाल में आकर निवेश करें, इस दिशा में वह प्रयास करें. उन्होंने अपनी विदेश नीति को स्पष्ट करते हुए कहा है कि नेपाल किसी भी राष्ट्र का पिछलग्गू नहीं बनेगा. उसका अपना स्वतंत्र अस्तित्व रहेगा.यही भी स्पष्ट किया कि अपने पड़ोसी देशों के साथ उनका संबंध और मजबूत होगा. सबसे उनका व्यवहार संतुलित रहेगा. वह किसी और झुकेंगे नहीं. प्रधानमंत्री के बाद बनते ही उन्होंने नेपाल में विभिन्न देशों के राजदूतों के साथ बैठक की, जिनमें भारत के राजदूत भी शामिल थे.बालेन ने यह भी कहा है कि वैश्विक स्तर पर नेपाल की नीतियां पहले की तरह ही जारी रहेंगी, लेकिन नेपाल में भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं करेंगे. यही कारण है कि उन्होंने अपने ही एक मंत्री को भ्रष्टाचार के आरोप में बाहर का रास्ता दिखा दिया. उन्होंने यह भी स्पष्ट किया है कि उन्होंने नेपाल के किसी भी मस्जिद या दरगाह को गिराने का कोई आदेश नहीं दिया है।

इस बीच यह खबर तेजी के साथ वायरल हुई थी कि शाह ने नेपाल के मस्जिदों को गिरने का कोई आदेश जारी किया है. उन्होंने स्पष्ट किया कि मैं ने ऐसा कोई आदेश नहीं दिया है. इससे बालेन की उदारवादी सोच का भी पता चलता है. दरअसल नेपाल विश्व का पहला हिंदू राष्ट्र है इसलिए कुछ कट्टरपंथियों ने इस तरह की अफवाह फैला दी, जिसका बालेन शाह ने तुरंत खंडन किया।

हालांकि एक महत्वपूर्ण बात यह है कि बालेंद्र शाह ने भारत में रामजन्म मंदिर बनाने की तारीफ भी की और यह आश्वासन भी दिया है कि भविष्य में वह भी नेपाल में भव्य जानकी मंदिर बनवाएंगे. माता जानकी नेपाल की ही पुत्री थी. ऐसा लगता है कि भविष्य में नेपाल में उदार हिंदुत्व को एक चेहरा भी उभरेगा, लेकिन वह कट्टर नहीं होगा. उम्मीद है कि भविष्य में भी बालेन शाह के तेवर ऐसे ही बने रहेंगे और भारत के अनेक मंत्री उनसे सहजता, सरलता के गुण सीख कर धरती पर आने की कोशिश करेंगे।

Sabarimala पर धर्म और कानून में महासंग्राम, Supreme Court के फैसले से सियासत में आएगा तूफान?

कमलेश पांडे

सबरीमाला प्रकरण के बहाने भारतीय लोकतंत्र में, संसद और संविधान के दायरे में, सियासत और न्यायपालिका के मठाधीशों के नजरिए में, क्या सही है और क्या गलत? क्या जिम्मेदारी है और क्या नहीं?, यह बहस का विषय नहीं होना चाहिए, बल्कि स्पष्ट कार्रवाई नजर आनी चाहिए। या तो सियासतदान, संसद और विधानमंडलों में कानून स्पष्ट बनाएं या फिर सुलगते सवालों पर न्यायपालिका के न्यायाधीशगण स्वत: संज्ञान लेकर निष्पक्ष न्यायदेश देने की पहल करें, क्योंकि आम जनता का हित सर्वोपरि होना चाहिए।

हालांकि, व्यवहारिक कसौटी पर ये बातें पूरी तरह से खरी नहीं उतरती हैं। इसलिए अपेक्षा है कि धर्म सम्मत न्याय दीजिए, अन्यथा लोकतांत्रिक तर्क-वितर्क भारी पड़ेगा!

धर्मनिरपेक्षता की आड़ में एक शांति प्रिय धर्म के बारे में सुनवाई और दिशानिर्देश, जबकि दूसरे-तीसरे कट्टर धर्म के बारे में अपेक्षित सुनवाई पर टालमटोल ज्यादा दिन तक नहीं चलने वाला है, क्योंकि प्रबुद्ध हिंदुओं के संज्ञान में सारी बातें आईने की तरह चमक रही हैं और कॉन्वेंट एजुकेटेड लोगों से ज्यादा अपेक्षा भी किसी को नहीं है।

लिहाजा, केंद्र सरकार और

न्यायमूर्ति के स्टैंड अपनी अपनी जगह पर सही हैं, इसलिए भारतीय जनता के व्यापक हित में फैसला आना चाहिए, न कि पीक एंड चूज! जैसा कि विभिन्न विवादास्पद मामलों में प्रतीत होता है। सरकार और न्यायालय से जुड़े लोगों से बहुमत का पक्ष लेने की अपेक्षा नहीं कि जाती है, बल्कि बिटवीन द लाइंस की तरह ऐसा निर्णय आना चाहिए, जिसपर तर्क-वितर्क की कोई गुंजाइश ही न बने।

बीच बहस में पड़ने का दूसरा अदृश्य पहलू यह है कि आम तौर पर किसी न्यायाधीश या नौकरशाह की बुद्धि आम बहुमतधारी नेताओं की बुद्धि से औसत रूप में अच्छी समझी जाती है! फिर भी जब राजनीतिक अतिरेक पर, धार्मिक चुनींदेपन पर, व्यक्तिगत विभेद आदि पर न्यायपालिका और ओछी सियासत के बीच सबकुछ गड्डमड्ड दिखाई देने लगता है तो न्यायिक विवेक और विधायी विवेक के ऊपर सवाल उठाना लाजिमी है। यही पर जनमत को प्रभावित करने वाले संपादकीय विवेक का उत्तरदायित्व बढ़ जाता है! पर दुर्भाग्य की बात है कि इसे भी खुल्लमखुल्ला बाजार बनने को अभिशप्त बना दिया गया है।

सुलगता सवाल है कि आखिर विधायिका और न्यायपालिका देश के सुलगते हुए सवालों का हल बीते सात-आठ दशकों में भी क्यों नहीं ढूंढ पाई हैं? वहीं सामाजिक न्याय और साम्प्रदायिक सोच से जुड़े मसलों पर कड़वा सच कहने का हौसला नहीं प्रदर्शित कर पाई। इससे बहुमत का नँगानाच बढ़ा और मानवीयता नकार दी गई। विधिवत पक्षपात दिखता रहा, लेकिन न्यायविदों की खामोशी पीड़ितों की सिसकन पर भारी पड़ी। यह कोई उलाहना नहीं, बल्कि आपकी अंतरात्मा को झकझोरने की एक पहल है। आखिर कई बार न्यायपालिका/कार्यपालिका भीड़तंत्र के समक्ष घुटने टेकती हुई प्रतीत क्यों होती हैं? यक्ष प्रश्न है।

खैर, जब जब ऐसा हुआ, उन्हें संपादकीय विवेक सम्मत आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। बावजूद इसके मुद्दे जस के तस बने हुए हैं ।

बोध कथा

मन की शांति चाहिए तो भक्ति निस्वार्थ भाव से ही करनी चाहिए

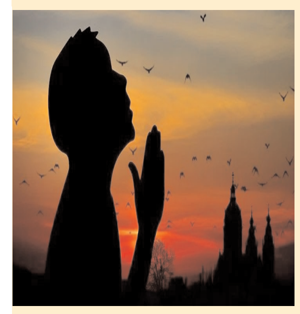

पूजा करते समय अधिकतर लोग भगवान से सुख-सुविधाओं से जुड़ी पाने की कामना करते हैं। पूजा के बदले भगवान से कुछ न कुछ मांगा जाता है। इस तरह की भक्ति करने के बाद जब मनोकामनाएं पूरी नहीं होती हैं तो मन अशांत हो जाता है। मन की शांति चाहिए तो भक्ति निस्वार्थ भाव से ही करनी चाहिए। ये बात एक लोक कथा से समझ सकते हैं। एक प्रचलित लोक कथा के अनुसार पुराने समय में एक राजा ने अपने राज्य में घोषणा कर दी कि अगले दिन जो भी व्यक्ति मेरे महल की जिस चीज पर हाथ रख देगा, वह उस की हो जाएगी।

राजा की घोषणा सुनकर प्रजा खुश थी। सभी राजा की अलग-अलग कीमती चीजों को पाना चाहते थे। अगले दिन जैसे ही सुबह हुई राजा के महल में प्रजा की भीड़ लग गई। कुछ लोग सोने-चांदी के बर्तन लेने की कोशिश कर रहे थे, तो कुछ लोग हीरे-मोती के आभूषण लेने लगे।

राजा दूर अपने सिंहासन पर बैठकर ये नजारा देख रहे थे। उनकी प्रजा महल की चीजों को पाने के लिए दौड़भाग कर रही थी। तभी एक व्यक्ति राजा की ओर बढ़ रह था। वह राजा के पास पहुंचा और उसने राजा पर हाथ रख दिया। अब राजा उस व्यक्ति का हो गया यानी राजा की सारी चीजों का मालिक वह बन गया।

राजा ने पूरी प्रजा को समान अवसर दिया था, लेकिन सिर्फ एक व्यक्ति विद्वान था, जिसने राजा को ही अपना बना लिया। इस प्रसंग का संदेश हमारी भक्ति से जुड़ा है। लोग भगवान की बनाई हुई चीजों को पाने के लिए पूजा-पाठ करते हैं, दौड़भाग करते हैं, हर व्यक्ति की कोशिश रहती है कि किसी भी तरह सुख-सुविधा की सारी चीजें मिल जाए।

तीर तेवर — सागर कुमार

व्यंग्य केसरी

कवि का समीक्षक

जयचंद प्रजापति जय

एक बार एक कवि समीक्षकों का इंतजार कर रहा था कि कोई समीक्षक खुद आये उसकी रचनाओं पर समीक्षा के दो चार शब्दों की बौछार कर दे ताकि वह भी बहती गंगा में डुबकी लगा ले लेकिन कई सालों तक इंतजार करता रहा। कोई समीक्षक आये। कोई फूटी आंख तक नहीं देखा।

विवश होकर एक दिन कवि एक समीक्षक के पास गया। उसने उस समीक्षक से अपनी रचनाओं की समीक्षा के लिये निवेदन किया। समीक्षक कवि को देखकर ऐसा मुस्कराया जैसे कसाई मजबूत बकरे को देखकर मुस्कराता है।

समीक्षक ने कवि की औकात जानने के लिए पूछा।

महोदय आपकी कमाई कितनी हो जाती है। आप कुछ गरीब घराने से लगते हैं। नरम-गरम करके हो जायेगा। कवियों की भावनाओं का आदर करना मेरा नैतिक कर्तव्य है।

आदरणीय कवि महोदय, हमारा ध्येय है। कोई गरीब से गरीब कवि की भी समीक्षा हो। हल्के में ले देकर निपटा देते हैं। अगर कुछ ज्यादा भुगतान कर देते हैं तो उसी आधार पर समीक्षा को बढ़ा चढ़ा कर लिख देते हैं। झूठी तारीफों का पूल बाँध देते हैं।

चढ़ावा के उपर निर्भर करता है। जितना ज्यादा से ज्यादा भुगतान करने में कवि सक्षम रहता है। हम भी निराला, महादेवी से भी ज्यादा दो चार हाथ बढ़ा कर लिख देते हैं। हमारे अंदर अतिश्योक्ति गुण की खान है। झूठी प्रशंसा करना है। शब्दों की कारीगरी है।

शब्दों की कारीगरी से आपकी रचना को ताजमहल से भी ज्यादा खूबसूरती निकालने में सक्षम हूँ। शब्दों के मक्कडजाल से एक से एक बड़े रचनाकारों को मुंह के बल पटकनी दे देता हूँ।

सीधा व सरल प्रवृत्ति का कवि समीक्षक महोदय को फटी आंखों से ताकता रहा। एकटक देखता रहा जैसे किसी सुंदरी को प्रथम बार देखा हो और अपलक देखता रह गया हो। कवि की गति शून्यावस्था जैसे हो गयी।

जैसे किसी सुंदरी की फटकार सुनकर प्रेमी सहमा हो और धीरे से बिना कुछ बोले उठकर चल दे उसी प्रकार समीक्षक की बातें कवि के हृदय पर गहरा आघात किया। धीरे से कवि अपनी कविता की पोटली उठा कर घर की तरफ मुंह लटका कर रवाना हो गया। आज तक कोई समीक्षक नहीं मिला।

इतिहास

12 अप्रैल का इतिहास: आज ही के दिन 1961 में यूरी गागरिन अंतरिक्ष में जाने वाले पहले इंसान बने, 1981 में नासा ने पहला स्पेस शटल 'कोलंबिया' लॉन्च किया और 1945 में फ्रेंकलिन डी. रूजवेल्ट के निधन के बाद हैरी ट्रूमैन अमेरिका के राष्ट्रपति बने। यह दिन वैज्ञानिक और राजनीतिक उपलब्धियों के लिए याद किया जाता है। 1606: इंग्लैंड ने 'यूनियन जैक' (Union Jack) को अपने आधिकारिक ध्वज के रूप में अपनाया। 1861: अमेरिकी गृहयुद्ध (American Civil War) की शुरुआत फोर्ट सम्टर पर हमले के साथ हुई। 1961: रूस के यूरी गागरिन (Yuri Gagarin) अंतरिक्ष में जाने वाले पहले इंसान बने। उन्होंने वोस्तोक 1 अंतरिक्ष यान से अंतरिक्ष में उड़ान भरी। 1981: नासा ने पहले अंतरिक्ष शटल, कोलंबिया (Columbia), को लॉन्च किया, जो पृथ्वी की कक्षा में चक्कर लगाने के लिए डिज़ाइन किया गया था।

देश में रिकॉर्ड पेटेंट फाइलिंग पर बोले पीयूष गोयल, 'भारत का इनोवेशन इंजन अब रुकने वाला नहीं'

नई दिल्ली। देश में वित्त वर्ष 26 में रिकॉर्ड पेटेंट फाइलिंग पर केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत का इनोवेशन इंजन अब रुकने वाला नहीं है। वित्त वर्ष 26 में भारत में रिकॉर्ड 1.43 लाख पेटेंट फाइल किए गए हैं और इसमें पिछले साल की तुलना में 30.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर गोयल ने कहा कि यह वृद्धि आत्मविश्वासी और तेजी से विकसित हो रहे भारत को दर्शाती है जो वैश्विक इनोवेशन के पावरहाउस के रूप में लगातार उभर रहा है।

उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2026 में कुल पेटेंट आवेदनों में से 69 प्रतिशत से अधिक घरेलू थे।

गोयल ने कहा, 'भारत का इनोवेशन इंजन अब रुकने वाला नहीं है! वित्त वर्ष 2025-26 में हमारे पेटेंट आवेदनों की संख्या ऐतिहासिक रूप से बढ़कर 1.43 लाख से अधिक हो गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में 30.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है।

आंकड़ों के अनुसार, भारत में वित्त वर्ष 2026 में 1,43,729 पेटेंट आवेदन दर्ज किए गए, जो वित्त वर्ष 2025 के 1,10,375 आवेदनों से अधिक हैं।

घरेलू आवेदनों की संख्या 98,771 रही, जो पिछले वर्ष के 68,201 आवेदनों से काफी अधिक है।

राज्यों में, तमिलनाडु 22,995 पेटेंट आवेदनों के साथ शीर्ष पर रहा, इसके बाद कर्नाटक और महाराष्ट्र का स्थान था।

केंद्रीय मंत्री ने शैक्षणिक संस्थानों, स्टार्टअप्स, एमएसएमई और सार्वजनिक अनुसंधान एवं विकास निकायों के बढ़ते योगदान का जिक्र किया। कहा कि अकेले शैक्षणिक संस्थानों का कुल पेटेंट आवेदनों में 36.5 प्रतिशत हिस्सा था, जो इनोवेशन को बढ़ावा देने में शिक्षा जगत के मजबूत प्रयासों को दर्शाता है।

गोयल ने कहा, 'हम विश्व में छठे सबसे बड़े पेटेंट आवेदक हैं, जो ग्लोबल इनोवेशन पावरहाउस बनने के लिए तैयार भारत के आत्मविश्वास को दर्शाता है।'

विश्व बौद्धिक संपदा संगठन के आंकड़ों के अनुसार, इनोवेशन के क्षेत्र में भारत की वैश्विक स्थिति में भी सुधार हुआ है और अब यह विश्व में छठे सबसे बड़े पेटेंट आवेदक के रूप में रैंक करता है।

पेटेंट आवेदनों में लगातार आठवें वर्ष वृद्धि दर्ज की गई है, जो देश के बौद्धिक संपदा पारिस्थितिकी तंत्र में निरंतर गति को दिखाता है।

पिछले पांच वर्षों में, भारत में पेटेंट दाखिल करने के मामलों में 146 प्रतिशत की भारी वृद्धि देखी गई है, जो वित्त वर्ष 2021 में 58,503 से बढ़कर वित्त वर्ष 2026 में 1,43,729 हो गई है।

8वां वेतन आयोगः कर्मचारियों की सैलरी और पेंशन पर क्या असर होगा?

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के कर्मचारी और पेंशनभोगी पूरे देश में बेसब्री से 8वें वेतन आयोग का इंतजार कर रहे हैं, जिससे कि उनका वेतन और पेंशन पहले के मुकाबले बढ़ सके।

इस समय सरकार आठवें वेतन आयोग को लागू करने के लिए पक्षकारों से फिटमेंट फैक्टर और वेतन में बदलाव जैसे मुद्दों पर चर्चा कर रही है। आठवें वेतन आयोग से केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के वेतन, पेंशन और भत्तों में संशोधन की सिफारिश किए जाने की उम्मीद है। इन बदलावों में मौजूदा मुद्रास्फीति के रुझानों के अनुरूप महंगाई भत्ते में समायोजन भी शामिल होगा। आमतौर पर हर दस साल में गठित होने वाला वेतन आयोग, मुद्रास्फीति, व्यापक आर्थिक परिस्थितियों, आय असमानताओं और राजकोषीय स्थिरता को ध्यान में रखते हुए सरकारी कर्मचारियों के वेतन ढांचे की समीक्षा करता है और उसमें बदलाव की सिफारिश करता है। यह सार्वजनिक क्षेत्र में दिए जाने वाले बोनस, भत्तों और अन्य लाभों का भी मूल्यांकन करता है।

पिछले वर्ष कैबिनेट द्वारा अनुमोदित टर्म्स ऑफ रेफरेंस (टीओआर) आयोग के कार्य का मार्गदर्शन करने वाला ढांचा निर्धारित करता है। इसमें मूल वेतन संरचना, पेंशन प्रणाली और भत्तों की व्यापक समीक्षा शामिल है। टीओआर आयोग को देश की आर्थिक स्थिति का आकलन करने, विकास और कल्याणकारी व्यय के लिए पर्याप्त वित्तीय संसाधन सुनिश्चित करने और पेंशन संबंधी अप्रतिबंधित देनदारियों के बोझ की जांच करने का भी दायित्व सौंपता है। इसके अतिरिक्त, यह आयोग राज्य के वित्त पर अपनी सिफारिशों के संभावित प्रभाव का मूल्यांकन करेगा, साथ ही मौजूदा वेतनमानों की तुलना केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और निजी क्षेत्र के वेतनमानों से करेगा। संशोधित वेतन निर्धारण में एक महत्वपूर्ण तत्व फिटमेंट फैक्टर है, जो नए वेतन और पेंशन की गणना में एक प्रमुख गुणक है। यह कारक मुद्रास्फीति, कर्मचारियों की आवश्यकताओं और सरकार की वित्तीय क्षमता जैसे मापदंडों के आधार पर निर्धारित किया जाता है।

इंडियन ऑयल की बड़ी कार्रवाई 10,600 निरीक्षण के बाद कई एजेंसियों को नोटिस

नई दिल्ली। देशभर में एलपीजी की निष्पक्ष आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन ने बड़े स्तर पर कार्रवाई की। कंपनी ने जानकारी दी कि अब तक 10,600 से अधिक निरीक्षण किए गए हैं और नियमों का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों व एजेंसियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए गए हैं। इनमें कारण बताओ नोटिस जारी करना और सस्पेंशन जैसी कार्रवाई शामिल है। कंपनी ने यह भी बताया कि राज्य सरकारों के साथ मिलकर देशभर में 1.2 लाख से अधिक छापेमारी की गई है और 990 से ज्यादा एफआईआर दर्ज की गई हैं, ताकि एलपीजी की निष्पक्ष वितरण व्यवस्था बनी रहे। इंडियनऑयल ने कहा कि इंडेन गैस डिस्ट्रीब्यूटर्स पर लगातार निगरानी रखी जा रही है, जिससे सेवा मानकों को बनाए रखते हुए हर सही उपभोक्ता तक गैस पहुंच सके।

इंडियनऑयल ने स्पष्ट किया कि घरेलू उपभोक्ताओं के लिए एलपीजी की आपूर्ति को प्राथमिकता दी जा रही है। कंपनी का फोकस पारदर्शिता, दक्षता और बिना रुकावट वितरण सुनिश्चित करने पर है। इसके साथ ही, डायवर्जन, कालाबाजारी और जमाखोरी को रोकने के लिए कड़ी निगरानी और सख्त प्रवर्तन उपाय लागू किए गए हैं।

सरकार के अनुसार, 10 अप्रैल को देशभर में 51.5 लाख से अधिक घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की डिलीवरी की गई। इसी दिन लगभग 1 लाख 5-किलोग्राम फ्री ट्रेड एलपीजी (एफटीएल) सिलेंडर भी बेचे गए, जबकि फरवरी 2026 में इनकी औसत दैनिक बिक्री करीब 77,000 थी।

पेट्रोलियम मंत्रालय ने बताया कि 23 मार्च 2026 से अब तक 12 लाख से ज्यादा 5-किलोग्राम एफटीएल सिलेंडर छात्रों और प्रवासी मजदूरों जैसे कमजोर वर्गों को उपलब्ध कराए गए हैं। इन सिलेंडरों को राज्य सरकारों के पास रखा जाएगा ताकि ऑयल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसी) की मदद से इन्हें खास तौर पर प्रवासी मजदूरों तक पहुंचाया जा सके।

इसके अलावा सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों ने पिछले 8 दिनों में करीब 2,900 जागरूकता शिविर लगाए, जिनमें 29,000 से अधिक 5-किलोग्राम वाला सिलेंडर बेचे गए।

मंत्रालय ने नागरिकों से अपील की है कि पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की घबराहट में खरीदारी न करें और केवल आधिकारिक स्रोतों पर भरोसा करें। उपभोक्ताओं को डिजिटल प्लेटफॉर्म से गैस बुक करने और डिस्ट्रीब्यूटर के पास जाने से बचने की सलाह दी गई है। साथ ही, पीएनजी, बिजली या इंडक्शन जैसे वैकल्पिक ईंधनों के उपयोग और ऊर्जा बचत पर भी जोर दिया गया है।

पाकिस्तान में महंगाई 74 हफ्तों के उच्चतम स्तर पर, डीजल की कीमत दोगुनी हुई

नई दिल्ली। मध्य पूर्व में तनाव ने पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को संकट में डाल दिया है और इससे महंगाई 74 हफ्तों के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई।

पाकिस्तान अखबार 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' की रिपोर्ट में कहा गया कि वैश्विक स्तर पर ऊर्जा कीमतों में उछाल ने देश की मुद्रास्फीति को फिर से दोहरे अंकों में पहुंचा दिया है, जिससे सेंसिटिव प्राइस इंडिकेटर (एसपीआई) में सालाना आधार पर 12.15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो 74 सप्ताह का उच्चतम स्तर है।

टॉपलाइन सिक्योरिटीज के विश्लेषकों के अनुसार, हालिया उछाल मौजूदा संकट की गंभीरता को दर्शाता है।

पाकिस्तान में महंगाई में उछाल 2025 के अंत में स्थिरता के दौर के बाद आया है, जब अनुकूल आधार प्रभाव के कारण जनवरी 2026 की शुरुआत में एसपीआई मुद्रास्फीति घटकर 2.4 प्रतिशत तक गिर गई थी। हालांकि, अमेरिका-ईरान में युद्ध शुरू होने के बाद स्थिति तेजी से बिगड़ गई है, और इस वर्ष फरवरी में दर्ज किए गए लगभग 4-5 प्रतिशत के स्तर से मुद्रास्फीति में तेज उछाल दर्ज किया गया है।

इस अचानक वृद्धि का मुख्य कारण मध्य पूर्व में भू-राजनीतिक तनावों के कारण वैश्विक ऊर्जा बाजारों में अस्थिरता है।

आपूर्ति में व्यवधान के चलते अंतरराष्ट्रीय तेल की कीमतों में भारी उछाल आया, जिसका असर पाकिस्तान की घरेलू अर्थव्यवस्था पर भी तुरंत दिखाई दिया, जहां ईंधन की लागत समग्र मुद्रास्फीति को काफी हद तक प्रभावित करती है।

पिछले एक साल में ईंधन की कीमतों में भारी वृद्धि हुई है, डीजल की कीमत में 101.02 प्रतिशत, पेट्रोल की कीमत में 48.70 प्रतिशत और एलपीजी की कीमत में 65.86 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि हुई है।

इस तीव्र वृद्धि से परिवहन और रसद लागत में वृद्धि हुई है, जिससे आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में तेजी से वृद्धि हुई है।

ऊर्जा संकट ने खाद्य मुद्रास्फीति को भी बढ़ा दिया है, जिससे घरेलू बजट पर अतिरिक्त दबाव पड़ा है।

प्रमुख खाद्य पदार्थों की कीमतों में मजबूत वृद्धि हुई है, प्याज पिछले साल की तुलना में 37.80 प्रतिशत, गेहूं का आटा 30.10 प्रतिशत और टमाटर 23.07 प्रतिशत महंगा हो गया है।

नासिक केस में टीसीएस ने शामिल कर्मचारियों को सस्पेंड किया, कहा- शोषण को लेकर कंपनी में जीरो टॉलरेंस नीति

नई दिल्ली। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने रविवार को कहा कि उसने नासिक मामले के संबंध में जांच के दायरे में आए कर्मचारियों को सस्पेंड कर दिया है और वह अधिकारियों के साथ पूरी तरह से सहयोग कर रही है।

इसके साथ टीसीएस ने कहा कि शोषण के खिलाफ कंपनी में जीरो टॉलरेंस नीति है और जारी कार्रवाई के परिणाम के आधार पर आगे के एक्शन लिए जाएंगे।

भारत की सबसे बड़ी आईटी सेवा निर्यातक कंपनी नासिक स्थित अपनी इकाई में यौन उत्पीड़न और धर्म परिवर्तन की कथित घटनाओं को लेकर कई एफआईआर दर्ज होने के बाद जांच के दायरे में आ गई है। खबरों के मुताबिक, इस मामले में कुल नौ एफआईआर दर्ज की गई हैं। विवाद मार्च में शुरू हुआ जब एक महिला ने अपने सहकर्मी पर शादी का झूठा वादा करके शारीरिक संबंध बनाने का आरोप लगाया। जांच के दौरान पुलिस को अतिरिक्त शिकायतें मिलीं, जिसके चलते इसी तरह के आरोपों से संबंधित आठ और एफआईआर दर्ज की गईं।

उत्पीड़न या दबाव के किसी भी रूप के प्रति अपनी 'जीरो टॉलरेंस' नीति को दोहराते हुए एक आधिकारिक बयान में, टीसीएस ने कहा कि मामले की जानकारी मिलते ही उसने तुरंत कार्रवाई की। जांच के दायरे में आए कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया है और कंपनी ने पुष्टि की है कि वह कानून प्रवर्तन अधिकारियों के साथ पूर्ण सहयोग कर रही है।

कंपनी ने आगे कहा कि आगे की कार्रवाई चल रही जांच के परिणाम पर निर्भर करेगी।

अब तक, इस मामले में कम से कम छह कर्मचारियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। ये गिरफ्तारियां नासिक पुलिस आयुक्त कार्यालय को मिली खुफिया जानकारी के आधार पर की गई हैं।

इस बीच, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने घटनाक्रम का संज्ञान लेते हुए मामले को 'बेहद गंभीर' बताया है।

मार्केट आउटलुकः अमेरिका-ईरान वार्ता, तिमाही नतीजे और आर्थिक आंकड़े अगले हफ्ते तय करेंगे बाजार का रुझान

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार के लिए अगला हफ्ता काफी अहम होने वाला है। अमेरिका-ईरान वार्ता, तिमाही नतीजे और घरेलू आर्थिक आंकड़े शेयर बाजार की आगे की चाल तय करेंगे।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिका-ईरान के बीच शांति वार्ता बिना किसी नतीजे के समाप्त हो गई है। ऐसे में अब दोनों देश आगे क्या कदम उठाते हैं इस पर आने वाले हफ्ते में निवेशकों की निगाहें रहेंगी।

वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च अवधि) के नतीजों का दौर शुरू हो गया है। अगले हफ्ते आईसीआईसीआई बैंक, तेजस नेटवर्क, क्रिसिल, एचडीएफसी एएमसी, एचडीएफसी लाइफ, विप्रो, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और यस बैंक तिमाही नतीजे जारी करेंगे।

इसके अलावा, कच्चे तेल की कीमतें भी बाजार की चाल को प्रभावित करेंगी। अमेरिका-ईरान के बीच दो हफ्तों का सीजफायर होने के कारण कच्चे तेल की कीमत फिलहाल 100 डॉलर प्रति बैरल के नीचे आ गई है। भारत में 13 अप्रैल को खुदरा महंगाई और 14 अप्रैल को थोक महंगाई के आंकड़े जारी किए जाएंगे। वहीं, 15 अप्रैल को सरकार बेरोजगारी, आयात-निर्यात से जुड़े आंकड़े जारी करेगी। इन आंकड़ों का असर बाजार पर देखने को मिल सकता है। बीते हफ्ते शेयर बाजार का प्रदर्शन शानदार रहा। 6-10 मार्च की अवधि में सेंसेक्स 4,230.70 अंक या 5.77 प्रतिशत बढ़कर 77,550.25 और निफ्टी 1,337.50 अंक या 5.89 प्रतिशत की बढ़कर 24,050.60 पर था। इस दौरान निफ्टी रियल्टी 12.97 प्रतिशत, निफ्टी ऑटो 10.59 प्रतिशत, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 9.35 प्रतिशत, निफ्टी इंडिया डिफेंस 9.20 प्रतिशत, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज 9.04 प्रतिशत, निफ्टी प्राइवेट बैंक 8.57 प्रतिशत और निफ्टी पीएसयू बैंक 7.92 प्रतिशत की बढ़त की साथ सबसे ज्यादा बढ़ने वाले सूचकांकों में शामिल थे।

लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी तेजी देखी गई। इस दौरान निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स में 4,166.90 अंक या 7.76 प्रतिशत की तेजी के साथ 57,843.95 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 1,189.60 अंक या 7.60 प्रतिशत की मजबूती के साथ 16,840.10 पर बंद हुआ।

शीर्ष 10 में से आठ कंपनियों का मार्केटकैप 4.13 लाख करोड़ रुपए बढ़ा, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक सबसे आगे रहे

मुंबई। भारतीय इक्विटी मार्केट में बीते हफ्ते बड़ी रैली देखने को मिली है। इस दौरान देश की शीर्ष 10 में से आठ कंपनियों के मार्केट कैप में 4,13,003.23 करोड़ रुपए का इजाफा हुआ है।

बाजार में तेजी आने की वजह शेयर बाजार का शानदार प्रदर्शन था। 6-10 मार्च की अवधि में सेंसेक्स 4,230.70 अंक या 5.77 प्रतिशत बढ़कर 77,550.25 और निफ्टी 1,337.50 अंक या 5.89 प्रतिशत बढ़कर 24,050.60 पर बंद हुआ।

शीर्ष 10 में से जिन आठ कंपनियों के मार्केटकैप में बढ़ोतरी दर्ज की गई है, उनमें एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, एलएंडटी, भारती एयरटेल, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, टीसीएस और एचयूएल शामिल हैं।

वहीं, रिलायंस इंडस्ट्रीज और इन्फोसिस के मार्केटकैप में गिरावट देखी गई है।

एचडीएफसी बैंक का मार्केटकैप 91,282.67 करोड़ रुपए बढ़कर 12,47,478.57 करोड़ रुपए हो गया है। ईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 76,036.36 करोड़ रुपए बढ़कर 9,46,741.85 करोड़ रुपए हो गया है।

बजाज फाइनेंस का बाजार मूल्यांकन 60,980.35 करोड़ रुपए बढ़कर 5,75,206.47 करोड़ रुपए हो गया है। एलएंडटी का मार्केटकैप 47,624.97 करोड़ रुपए बढ़कर 5,44,736.59 करोड़ रुपए हो गया है।

भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन 45,873.43 करोड़ रुपए बढ़कर 10,66,293.69 करोड़ रुपए हो गया है।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) का मार्केटकैप 43,614.67 करोड़ रुपए बढ़कर 9,84,629.98 करोड़ रुपए हो गया है।

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) केंट कैप में 26,303.49 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई, जिससे इसका मार्केट कैप बढ़कर 9,13,331.92 करोड़ रुपये हो गया।

हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) के मार्केट कैप में भी वृद्धि दर्ज की गई, जिससे इसका मूल्यांकन 21,287.29 करोड़ रुपए बढ़कर 5,06,477.89 करोड़ रुपए हो गया।

दूसरी तरफ इन्फोसिस के मार्केट कैपिटलाइजेशन में 3,285.03 करोड़ रुपए की गिरावट आई और यह 5,24,124.40 करोड़ रुपए रह गया।

इसी तरह, रिलायंस इंडस्ट्रीज के मार्केट कैपिटलाइजेशन में 947.28 करोड़ रुपए की मामूली गिरावट आई, जिससे इसका मूल्यांकन 18,27,086.79 करोड़ रुपए पर आ गया।

गिरावट के बावजूद, रिलायंस इंडस्ट्रीज भारत की सबसे मूल्यवान कंपनी के रूप में अपनी स्थिति बरकरार रखने में सफल रही, जिसके बाद एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, आईसीआईसीआई बैंक और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का स्थान रहा।

अमेरिका ने ईरान की नौसेना को 'तबाह' कर दिया, फिर भी होर्मुज़ जलडमरूमध्य पर उसका नियंत्रण कैसे? तेहरान की 'दो नौसेनाएं' समझिए

छह सप्ताह तक चले अमेरिका-ईरान संघर्ष में अमेरिकी सेना ने दावा किया कि उसने 'तेहरान की पारंपरिक नौसेना का अधिकांश हिस्सा नष्ट कर दिया '। इसके बावजूद, इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (ढ्ढक्रत्नष्ट) अब भी होर्मुज़ जलडमरूमध्य पर महत्वपूर्ण नियंत्रण बनाए हुए है।

ईरान के पास 'दो नौसेनाएं' हैं

नियमित नौसेना (आर्टेश)

इसे 'प्रतिष्ठा' वाली नौसेना माना जाता है। इसके बड़े युद्धपोत और फ्रिगेट अमेरिकी हमलों के मुख्य निशाने थे। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENTCOM) का दावा है कि 6 अप्रैल तक उसने ईरान के 155 से अधिक जहाज डुबो दिए, जिनमें अत्याधुनिक स्टेल्थ कैटमरैन IRIS शाहिद सय्याद शिराजी और फ्रिगेट IRIS डेना शामिल हैं।

विश्लेषकों का अनुमान है कि ईरान की इस पारंपरिक नौसैनिक क्षमता का 80% से 90% तक नुकसान हो चुका है।

रिवोल्यूशनरी गार्ड नौसेना (IRGC)

यह अर्धसैनिक नौसेना असममित रणनीति पर आधारित है, जिसमें छोटे, तेज हमलावर नौकाएं, पानी में चलने वाले ड्रोन और समुद्री बारूदी सुरंगों का इस्तेमाल किया जाता है।

इस बेड़े का 60% से अधिक हिस्सा अब भी सुरक्षित और सक्रिय है। वॉल स्ट्रीट जर्नल और अन्य रिपोर्ट्स के अनुसार, ये छोटी नौकाएं निशाना बनाना मुश्किल होती हैं और खास तौर पर जलडमरूमध्य के संकरे और भीड़भाड़ वाले पानी के लिए डिजाइन की गई हैं।

होर्मुज़ जलडमरूमध्य की मौजूदा स्थिति क्या है?

8 अप्रैल को युद्धविराम पर सहमति बनने के बावजूद, जलडमरूमध्य 'व्यवहारिक रूप से बंद' बना हुआ है। IRGC ने 'देश-वार अनुमति प्रणाली' लागू कर दी है, जिसके तहत जहाजों को उनसे समन्वय करना पड़ता है और कुछ मामलों में प्रति जहाज 10 लाख डॉलर से अधिक शुल्क भी लिया जा रहा है।

11 अप्रैल को अमेरिकी नौसेना ने युद्ध शुरू होने के बाद पहली बार 'नेविगेशन की स्वतंत्रता' अभियान शुरू किया। इसके तहत स्स फ्रैंक ई. पीटरसन और USS माइकल मर्फी जैसे विध्वंसक जहाजों को समुद्री बारूदी सुरंगें हटाने के लिए तैनात किया गया।

इस व्यवधान के कारण वैश्विक तेल कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गई हैं। जलमार्ग से गुजरने वाला शिपिंग ट्रैफिक फिलहाल सामान्य स्तर के 10% से भी कम रह गया है।

ईरान लगातार चेतावनी दे रहा है कि जलडमरूमध्य में प्रवेश करने वाले किसी भी अमेरिकी जहाज पर 30 मिनट के भीतर हमला किया जाएगा। 11 अप्रैल को टकराव की स्थिति लगभग बन गई थी, जब एक अमेरिकी विध्वंसक जहाज कथित तौर पर वापस लौट गया, जबकि बाद में दो अन्य जहाजों ने मार्ग पार किया।

2026 केरल विधानसभा चुनाव विश्लेषण: अधिक मतदान प्रतिशत 'अनिर्णीत मतदाताओं' के बारे में क्या संकेत देता है

9 अप्रैल को हुए केरल विधानसभा चुनाव में राज्य में 78 प्रतिशत से अधिक मतदान दर्ज किया गया, जो भारत के निर्वाचन आयोग के ताज़ा आंकड़ों के अनुसार उल्लेखनीय है।

मतदान की स्थिति

केरल में पारंपरिक रूप से वाम लोकतांत्रिक मोर्चा और संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा रहती है, जो अधिक मतदान को प्रोत्साहित करती है। इस बार 140 विधानसभा क्षेत्रों में 883 प्रत्याशी मैदान में हैं, जबकि कुल मतदाताओं की संख्या 2.71 करोड़ है।

सी. एन. मोहनन ने कहा कि मतदान प्रतिशत में वृद्धि वाम लोकतांत्रिक मोर्चा के पक्ष में जाएगी, क्योंकि कार्यकर्ताओं ने अधिकतम मतदान सुनिश्चित करने के लिए प्रयास किए हैं।

के. एस. शैजु का मानना है that महिला मतदाताओं की अधिक भागीदारी से मतदान बढ़ा है, जो उनके दल के लिए लाभकारी हो सकता है।

दीप्ति मैरी वर्गीस ने कहा कि मतदान प्रतिशत में वृद्धि के कारणों का विस्तृत अध्ययन आवश्यक है। सामान्यत: अधिक मतदान संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा के पक्ष में माना जाता है, लेकिन इस बार स्थिति भिन्न भी हो सकती है।

इस बीच केरल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी रतन यू. केलकर ने विश्वास व्यक्त किया कि मतदान प्रतिशत 90 प्रतिशत तक पहुंच सकता है।

उल्लेखनीय है कि 2021 के विधानसभा चुनाव में 74.06 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया था।

'मौन' मतदाताओं का संकेत

बढ़ती निष्पक्षता

ऐसे मतदाताओं की संख्या बढ़ रही है जो किसी एक दल से स्थायी रूप से नहीं जुड़े हैं। ये मतदाता दलगत निष्ठा के बजाय प्रत्याशी के व्यक्तिगत प्रदर्शन को अधिक महत्व दे रहे हैं।

निर्णायक भूमिका

करीबी मुकाबलों में यही अनिर्णीत मतदाता अंतिम परिणाम तय करते हैं। उनकी उपस्थिति ने कई क्षेत्रों में त्रिकोणीय मुकाबले को और महत्वपूर्ण बना दिया है।

चुनावी प्रचार का प्रभाव

चुनाव के अंतिम चरण में चलने वाले तीव्र प्रचार और राजनीतिक गतिविधियों से अनिर्णीत मतदाता प्रभावित होते हैं। रिकॉर्ड स्तर का मतदान इस बात का संकेत है कि इन्हें सफलतापूर्वक मतदान केंद्रों तक लाया गया।

युवा भागीदारी

निर्वाचन आयोग ने युवाओं की भागीदारी बढ़ाने के प्रयास किए, फिर भी कुछ हद तक निराशा बनी रही। यह स्पष्ट नहीं है कि युवा मतदाता बड़ी संख्या में शामिल हुए या वे भी अनिर्णीत वर्ग का हिस्सा बने।

इन चुनावों के परिणाम यह तय करेंगे कि वाम लोकतांत्रिक मोर्चा लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटता है, या संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा एक दशक बाद वापसी करता है, या राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन राज्य की पारंपरिक द्विध्रुवीय राजनीति में अपनी पकड़ और मजबूत करता है। परिणाम 4 मई को घोषित किए जाएंगे।

'अर्ली पिल' का बढ़ता चलन: नई हृदय संबंधी मार्गदर्शिकाओं का आपके लिए क्या अर्थ है

American College of Cardiology और American Heart Association द्वारा जारी हालिया अद्यतनों ने न केवल हृदय रोग की रोकथाम की समय-सीमा को बदल दिया है, बल्कि दृष्टिकोण में भी बड़ा परिवर्तन किया है। अब 10 वर्ष के जोखिम आकलन के बजाय आजीवन जोखिम (अगले 30 वर्ष या उससे अधिक) को महत्व दिया जा रहा है।

मणिपाल अस्पताल, सरजापुर रोड के हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. एम. सुधाकर राव के अनुसार, यह बदलाव हृदय रोग की रोकथाम को पहले से कहीं अधिक प्रारंभिक स्तर पर ले जाता है।

नई मार्गदर्शिकाएं: जितना जल्दी, उतना बेहतर

नई सिफारिशें इस समझ पर आधारित हैं कि धमनियों में चर्बी जमना (एथेरोस्क्लेरोसिस) जीवन के प्रारंभिक चरण में ही शुरू हो सकता है।

सार्वभौमिक जांच

अब 9 से 11 वर्ष की आयु के सभी बच्चों में कोलेस्ट्रॉल की जांच कराने की सलाह दी गई है।

कम आयु सीमा

वयस्कों को अब 40 वर्ष के बजाय 30 वर्ष की आयु से ही विस्तृत जोखिम आकलन कराने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

नया आकलन उपकरण

पारंपरिक जोखिम माप जैसे एएससीवीडी स्कोर और फ्रेमिंघम स्कोर के साथ अब एक नया मॉडल 'प्रिवेंट' (हृदय रोग संबंधी घटनाओं के जोखिम का पूर्वानुमान) भी जोड़ा गया है।

इसके लाभ

दीर्घकालिक दृष्टि

यह 10 वर्ष और 30 वर्ष—दोनों अवधियों के जोखिम का आकलन करता है।

विस्तृत स्वास्थ्य संकेतक

इसमें गुर्दे की कार्यक्षमता और रक्त शर्करा स्तर जैसे मानकों को भी शामिल किया गया है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि हृदय स्वास्थ्य का संबंध समग्र चयापचय स्वास्थ्य से है।

कम लक्ष्य और नए जैव संकेतक

'जितना कम, उतना बेहतर'

एलडीएल (खराब कोलेस्ट्रॉल) के लक्ष्य अब और सख्त कर दिए गए हैं। उच्च जोखिम वाले व्यक्तियों के लिए इसे 55 मिलीग्राम प्रति डेसीलीटर से कम रखने का लक्ष्य है, जबकि पहले यह 70 था।

लिपोप्रोटीन (ए) की जांच

अब सभी वयस्कों के लिए जीवन में एक बार इस आनुवंशिक संकेतक की जांच कराने की जोरदार सिफारिश की गई है, जिस पर आहार या व्यायाम का प्रभाव नहीं पड़ता।

क्या इससे दीर्घकालिक उपचार बदलेगा?

उपचार की आयु और जोखिम सीमा कम होने से अब कोलेस्ट्रॉल कम करने वाली दवाओं (स्टेटिन) का उपयोग पहले की तुलना में लगभग एक दशक पहले शुरू हो सकता है। इससे दवाओं के लंबे समय तक सेवन को लेकर चिंताएं भी बढ़ सकती हैं।

प्रदूषण के दौर में गर्भावस्था: हवा, पानी और रसायन मां और शिशु को कैसे प्रभावित करते हैं

गर्भावस्था के दौरान एक महिला कई चीज़ों पर नियंत्रण रख सकती है, जैसे पोषण, आहार और व्यायाम, जो शिशु के समग्र स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं। हालांकि कुछ कारक ऐसे भी होते हैं जो नियंत्रण से बाहर होते हैं, जैसे आनुवंशिक प्रवृत्ति और शरीर द्वारा गर्भ धारण करने की प्रक्रिया।

भारत के कई शहर दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में शामिल हैं, ऐसे में गर्भावस्था के दौरान यह शिशु के स्वास्थ्य पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकता है। बेंगलुरु स्थित मदरहुड अस्पताल की स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ Sahana M Gowda के अनुसार, प्रदूषण अब भ्रूण के स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाला एक महत्वपूर्ण कारक बन चुका है।

पर्यावरणीय प्रदूषण का प्रभाव

अब तक मातृ पोषण पर विशेष ध्यान दिया जाता रहा है, लेकिन अब हवा और पानी के माध्यम से पहुंचने वाले प्रदूषकों का अदृश्य प्रभाव भी उतना ही महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कई वैज्ञानिक अध्ययनों से पता चलता है कि सूक्ष्म कण (पीएम 2.5) सांस के जरिए शरीर में प्रवेश कर अपरा (प्लेसेंटा) को पार कर जाते हैं और गर्भवती महिला के शरीर में सूजन की प्रतिक्रिया उत्पन्न करते हैं। इसके परिणामस्वरूप माताओं में उच्च रक्तचाप और शिशुओं में समय से पहले जन्म की संभावना बढ़ जाती है।

वायु प्रदूषण न केवल गर्भवती महिला के स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि यह गर्भ में पल रहे शिशु के विकास पर स्थायी प्रभाव भी डाल सकता है।

रसायनों का खतरा

यह समस्या अक्सर अंत:स्रावी व्यवधान उत्पन्न करने वाले रसायनों (ईडीसी) के कारण होती है, जो आज के जीवन में हर जगह मौजूद हैं। ये हमारे दैनिक जीवन में प्लास्टिक की बोतलों के पानी और सौंदर्य प्रसाधनों में उपयोग होने वाले इत्र जैसे उत्पादों में पाए जाते हैं। गर्भवती महिलाओं को प्लास्टिक की बोतलों का पानी पीने से बचने की सलाह दी जाती है। ये रसायन महिलाओं के अंडाणुओं की गुणवत्ता को प्रभावित कर सकते हैं और निषेचित अंडाणु के गर्भाशय में स्थापित होने में बाधा उत्पन्न कर सकते हैं।

घर और पानी की भूमिका

गर्भवती महिला को अपने भोजन के साथ-साथ अपने आसपास के वातावरण पर भी ध्यान देना चाहिए। पानी में मौजूद भारी धातुएं और घर में उपयोग होने वाले रसायन शिशु के मस्तिष्क और प्रतिरक्षा प्रणाली के विकास को प्रभावित कर सकते हैं।

बचाव के उपाय

गर्भावस्था के दौरान केवल विटामिन लेना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि घर के वातावरण को भी स्वच्छ और सुरक्षित रखना आवश्यक है। गर्भवती महिलाओं को भीड़भाड़ वाले स्थानों से बचने की सलाह दी जाती है और यदि बाहर जाना जरूरी हो तो मास्क पहनना चाहिए।

जब वायु गुणवत्ता सूचकांक बहुत अधिक हो, तब बाहर निकलने से बचना चाहिए। गर्म किए गए प्लास्टिक के बर्तनों का उपयोग पूरी तरह बंद कर देना चाहिए और उनकी जगह कांच या स्टील के बर्तनों का इस्तेमाल करना चाहिए।

स्वस्थ आदतें

चिकित्सकीय दृष्टिकोण से मां के स्वास्थ्य, भ्रूण के विकास और पर्यावरण की शुद्धता के बीच गहरा संबंध है।

घर पर कैसे उगाएं तुलसी का पौधा, कितनी धूप और कितने पानी की जरूरत, जानिए प्लांट लगाने का सही तरीका

घर में अलग-अलग पौधे लगाने से घर की खूबसूरती में चार चांद लग जाते हैं। अगर आपको भी पौधे उगाने का शौक है, तो आपको ये आर्टिकल जरूर पढ़ना चाहिए। तुलसी का पौधा घर पर कैसे उगाया जा सकता है और तुलसी के पौधे की देखभाल कैसे करनी चाहिए, आज हम आपको इस बारे में बताएंगे।

अगर आप सही तरीके से तुलसी का पौधा लगाएंगे, तो तुलसी के पौधे की पत्तियां सूखेंगी नहीं और हरी-भरी रहेंगी। आइए स्टेप बाई स्टेप तुलसी का पौधा लगाना सीखते हैं।

कैसी होनी चाहिए मिट्टी- आपकी जानकारी के लिए बता दें कि तुलसी का पौधा लगाने के लिए आपको ऐसी मिट्टी का इस्तेमाल करना है, जहां पानी ज्यादा देर तक रुका न रहता हो। गमले में तुलसी का पौधा उगाने के लिए सामान्य मिट्टी में गोबर की खाद और रेत को मिक्स कर लीजिए। मिट्टी भुरभुरी होनी चाहिए। तुलसी का पौधा लगाने के लिए आपको 8 से 10 इंच गहरे गमले का इस्तेमाल करना चाहिए और ध्यान रहे कि गमले में पानी निकलने के लिए छेद होना चाहिए।

गौर करने वाली बात- गमले में मिट्टी डालने से पहले आप छेद पर टूटी हुई ईंट या फिर कंकड़ रख सकते हैं।

इस स्टेप को फॉलो करने से गमले में पानी जमा नहीं हो पाएगा और आसानी से बाहर निकल पाएगा। दरअसल, अगर गमले में पानी जमा होगा, तो पौधे की जड़ सड़ सकती है। गमले में मिट्टी भर दीजिए और तुलसी का पौधा लगा लीजिए। पौधे की चारों साइड मिट्टी को हल्के हाथों से भर दीजिए और फिर पानी डाल दीजिए।

फॉलो करें जरूरी स्टेप्स- आपको तुलसी के पौधे को ऐसी जगह पर रखना है, जहां पर हर रोज 4 से 5 घंटे डायरेक्ट धूप पड़ती हो। तुलसी के पौधे में रोज थोड़ा-थोड़ा पानी डालना न भूलें। जब बरसाती मौसम हो, तब आपको तुलसी के पौधे में सिर्फ तभी पानी डालना चाहिए जब मिट्टी सूखी हुई दिखाई दे रही हो। तुलसी के पौधे में 15-18 दिन में ऑर्गेनिक खाद जरूर दीजिए।

ईरान की छिपी अरबों की धनराशि हांगकांग के जरिए संचालित: चार प्रमुख तरीकों की समझ

हांगकांग ईरान की 'छाया बैंकिंग' व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण केंद्र बन गया है, जिसके माध्यम से अवैध तेल आय की अरबों की राशि का प्रवाह और सैन्य उपयोग की प्रतिबंधित तकनीक की खरीद संभव होती है।

इस छिपे हुए वित्तीय तंत्र के संचालन के प्रमुख तरीके इस प्रकार हैं:

शेल कंपनियों का व्यापक जाल

हांगकांग में कंपनियां स्थापित करना आसान होने के कारण प्रतिबंध झेल रहे तत्व बड़ी संख्या में मुखौटा कंपनियां बनाते हैं, जो तेहरान से उनके संबंधों को छिपाती हैं।

इन कंपनियों के माध्यम से अरबों डॉलर के वित्तीय लेन-देन किए गए हैं। ये कंपनियां तेल बिक्री से प्राप्त चीनी मुद्रा को डॉलर, यूरो या अन्य विदेशी मुद्राओं में बदलती हैं, ताकि अंतरराष्ट्रीय व्यापार किया जा सके।

प्रतिबंधित तकनीक की खरीद

हांगकांग स्थित कंपनियों का उपयोग पश्चिमी देशों के संवेदनशील इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और रॉकेट ईंधन से संबंधित रसायनों की खरीद के लिए किया जाता है, जो ईरान के ड्रोन और मिसाइल कार्यक्रमों में काम आते हैं।

वैकल्पिक बैंकिंग व्यवस्था

ईरान से जुड़े लेन-देन बड़े वैश्विक

बैंकों से बचकर किए जाते हैं, ताकि अमेरिकी प्रतिबंधों से बचा जा सके।

भुगतान छोटे क्षेत्रीय चीनी बैंकों के माध्यम से किया जाता है, जो मुख्यत: चीनी मुद्रा में लेन-देन करते हैं और अंतरराष्ट्रीय निगरानी से दूर रहते हैं।

ईरानी विनिमय केंद्र कई मुखौटा कंपनियों के जरिए धन का प्रबंधन करते हैं, जिनका संबंध ईरान की अर्धसैनिक इकाइयों से होता है।

स्थानीय प्रतिबंधों का सीमित पालन

हांगकांग प्रशासन एकतरफा प्रतिबंधों को मान्यता नहीं देता।

वह केवल संयुक्त राष्ट्र द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों को लागू करता है, जिससे अन्य देशों द्वारा लक्षित संस्थाओं को वहां अपेक्षाकृत कम जोखिम का सामना करना पड़ता है।

नई कंपनियों का तेज़ी से गठन

भले ही कई संस्थाओं को प्रतिबंधित सूची में डाला जाता है, लेकिन उनकी जगह नई कंपनियां बहुत तेजी से बनाई जाती हैं, जिससे यह व्यवस्था लगातार चलती रहती है।

समुद्री परिवहन और लॉजिस्टिक सहायता हांगकांग ईरानी तेल ले जाने वाले 'छाया बेड़े' के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र है। यहां पंजीकृत जहाज समुद्र में एक-दूसरे को तेल स्थानांतरित करते हैं, जिससे तेल के वास्तविक स्रोत को छिपाया जा सके इस प्रक्रिया में नकली बिल और गलत लेबलिंग का उपयोग किया जाता है, जैसे तेल को ओमान या मलेशिया का बताना, ताकि प्रतिबंधित संसाधनों को अंतरराष्ट्रीय प्रणाली में पहुंचाया जा सके।

आशा भोसले के निधन पर शोक की लहर, राजनीतिक दिग्गजों ने व्यक्त की संवेदना

नई दिल्ली। सुरों की मल्लिका आशा भोसले के निधन ने पूरे देश को शोक में डाल दिया है। उनका 92 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। राजनीति के दिग्गजों ने भी इस अपूरणीय क्षति पर शोक जताया।

गायिका और पद्म विभूषण से सम्मानित आशा भोसले के निधन पर भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने कहा कि यह बेहद दुखद है। वह आवाज, जिसने अपने गीतों के माध्यम से करोड़ों भारतीयों की भावनाओं को व्यक्त किया, उसे हमेशा याद रखा जाएगा। यहां तक कि 1962 के युद्ध के दौरान भी उनके गीतों का गहरा प्रभाव पड़ा था, जिसे कोई कभी नहीं भुला सकता।

यूपी के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि पूरी दुनिया में अपने गायन के माध्यम से और देवी सरस्वती के आशीर्वाद से उन्होंने अपनी आवाज से हर किसी को मंत्रमुग्ध कर दिया। भगवान आशाजी के निधन पर उनके परिजनों, शुभचिंतकों एवं प्रशंसकों को यह असीम दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रख्यात गायिका, 'पद्म विभूषण' आशा भोसले का निधन अत्यंत दुखद एवं संगीत जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने अपनी सुर-साधना से भारतीय संगीत को एक नई पहचान दी। उनके गीत सदैव लोगों के हृदय में जीवित रहेंगे। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोक-संतप्त परिजनों और उनके प्रशंसकों को इस कठिन समय में संबल प्रदान करें।

भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा कि आशा भोसले का जाना एक ऐसा नुकसान है, जिसकी भरपाई शायद समय भी न कर पाए। उन्होंने कला और भारतीय संगीत की दुनिया में एक ऐसा खालीपन और शून्य छोड़ दिया है, जिसे भरना असंभव है। उनकी स्वर-यात्रा ने भारतीय संगीत को नई ऊंचाइयां दीं। अपनी मधुर आवाज, बहुमुखी प्रतिभा और अद्वितीय कला से उन्होंने पीढ़ियों को मंत्रमुग्ध किया और संगीत जगत पर अमिट छाप छोड़ी। भारत ने आज एक महान सांस्कृतिक धरोहर को खो दिया है, किन्तु उनकी अमर आवाज सदैव हमारे हृदयों में जीवित रहेगी। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और उनके परिजनों तथा असंख्य प्रशंसकों को इस दुख को सहने की शक्ति दें।

'डकैत' की बॉक्स ऑफिस पर शानदार शुरुआत, दो दिनों में 13.55 करोड़ का आंकड़ा किया पार

मुंबई। सिनेमाघरों में इन दिनों फिल्मों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिल रही है। इस कड़ी में रोमांटिक एक्शन थ्रिलर फिल्म 'डकैत: एक प्रेम कथा' रिलीज हुई, जिसने शुरुआती दिनों में ठीक-ठाक प्रदर्शन किया है। इस फिल्म को लेकर पहले से ही काफी चर्चा थी। कई बार रिलीज डेट टलने के बाद आखिरकार यह फिल्म 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हुई और अब यह बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही हैं। अगर फिल्म की कमाई की बात करें तो सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार, 'डकैत' ने पहले दिन 6.55 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया, जबकि दूसरे दिन फिल्म की कमाई में हल्का उछाल देखने को मिला और इसने लगभग 7 करोड़ रुपए का कारोबार किया। इस तरह महज दो दिनों में फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर कुल 13.55 करोड़ रुपए कमा लिए हैं।

विदेशों में भी फिल्म ने अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है। दूसरे दिन 'डकैत' ने करीब 2.50 करोड़ रुपए की कमाई की, जिसके चलते विदेशी बाजार में फिल्म का कुल कलेक्शन 9 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। अगर घरेलू और विदेशी कमाई को जोड़ा जाए, तो फिल्म का कुल वर्ल्डवाइड कलेक्शन लगभग 24.81 करोड़ रुपए हो चुका है।

शुरुआती दिनों के लिहाज से यह आंकड़ा अच्छा माना जा रहा है।

फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। खासतौर पर 'धुरंधर 2' से, जिसमें रणवीर सिंह, आर.माधवन, संजय दत्त और अर्जुन रामपाल जैसे कई बड़े कलाकार मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म पहले से ही बॉक्स ऑफिस पर मजबूत पकड़ बनाए हुए है।

अब अगर फिल्म की कहानी की बात करें तो यह एक ऐसे अपराधी की कहानी है, जो अपने अतीत में मिले धोखे के बाद बदले की राह पर निकल पड़ता है। फिल्म में अदिवी शेष 'हरि' नाम के व्यक्ति के किरदार में हैं, जो जेल से बाहर आने के बाद अपने पुराने रिश्ते से हिसाब चुकता करना चाहता है। वहीं, मृणाल ठाकुर सरस्वती के किरदार में दिखाई देती हैं, जिसकी गवाही के कारण हरि की जिंदगी पूरी तरह बदल जाती है। जब दोनों की मुलाकात दोबारा होती है, तो कहानी में टकराव देखने को मिलता है। फिल्म में अनुराग कश्यप, प्रकाश राज और अतुल कुलकर्णी जैसे अनुभवी कलाकार शामिल हैं। फिल्म की कहानी खुद अदिवि शेष और शनेल देव ने मिलकर लिखी है।

अभिनेता राज किरण की तलाश में सोमी अली, कहा- अगर किसी को जानकारी हो तो जरूर बताएं

मुंबई। बॉलीवुड की दुनिया में कई ऐसे कलाकार रहे हैं जिन्होंने एक समय पर बड़ी पहचान बनाई, लेकिन समय के साथ वे अचानक गुमनामी में चले गए। ऐसी ही एक कहानी अभिनेता राज किरण की है, जिनका आज तक कोई स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। इस बीच अभिनेत्री सोमी अली उन्हें खोजने की कोशिश में जुटी नजर आ रही हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर पुरानी यादों को ताजा करते हुए एक पोस्ट डाला और लोगों से मदद की अपील भी की है।

सोमी अली ने पोस्ट के जरिए राज किरण संग शूटिंग के दिनों को याद किया और बताया कि उनकी फिल्म 'अर्थ' उनके दिल के बेहद करीब है और आज भी वह इस फिल्म को अपनी पसंदीदा फिल्मों में गिनती हैं। सोमी अली ने पोस्ट में लिखा, ''राज किरण जी आप कहां है... आपकी फिल्म 'अर्थ' मेरी हमेशा से पसंदीदा रही है। उन दिनों की हंसी, अपनापन और साथ बिताए पल मेरे दिल में एक खजाने की तरह सुरक्षित हैं।

उन्होंने अपनी पोस्ट में आखिरी फिल्म 'अग्निचक्र' का जिक्र किया, जिसमें दोनों ने साथ काम किया था। उन्होंने कहा, ''फिल्म 'अग्निचक्र' की शूटिंग के दौरान बने रिश्ते और यादें आज भी मुझे अंदर से जोड़कर रखती हैं और मेरा मन बार-बार उन पलों में लौट जाना चाहता है।

'जन नायकन' लीक होने पर आईएमपीपीए ने पीएम मोदी से लगाई गुहार, पायरेसी पर सख्त कार्रवाई की मांग

चेन्नई। अभिनेता विजय की आने वाली फिल्म 'जन नायकन' के रिलीज से पहले ही इंटरनेट पर लीक होने की खबर ने निर्माताओं और पूरे फिल्म जगत को चिंता में डाल दिया है। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए इंडियन मोशन पिक्चर प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन (आईएमपीपीए) ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर हस्तक्षेप की मांग की है। संस्था ने अपील की है कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि इस तरह की घटनाओं पर रोक लगाई जा सके।

आईएमपीपीए के अध्यक्ष अभय सिन्हा ने अपने पत्र के जरिए कहा, ''आज फिल्म इंडस्ट्री तेजी से बदल रही है और नई तकनीकों जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की ओर बढ़ रही है, लेकिन इसके बावजूद पायरेसी जैसी पुरानी समस्या अब भी बड़ी चुनौती बनी हुई है। यह बेहद चिंताजनक है। जब तक इस समस्या पर काबू नहीं पाया जाएगा, तब तक इंडस्ट्री को लगातार नुकसान झेलना पड़ेगा।

अपने बयान में अभय सिन्हा ने आगे कहा, ''आईएमपीपीए पहले भी कई बार इस मुद्दे को उठाता रहा है। संस्था ने अलग-अलग सरकारी विभागों और अधिकारियों को कई बार शिकायतें दी हैं, खास तौर पर टेलीग्राम, टोरेंट वेबसाइट्स और तमिल रॉकर्स जैसे प्लेटफॉर्म्स पर फिल्मों के अवैध प्रसारण को लेकर लगातार चिंता जताई है। बावजूद इसके, ये प्लेटफॉर्म बिना किसी डर के काम करते रहे हैं और फिल्मों को गैरकानूनी तरीके से दिखाकर निर्माताओं को भारी आर्थिक नुकसान पहुंचा रहे हैं।

पत्र में उन्होंने बताया, ''फिल्म 'जन नायकन' काफी समय से तैयार है और इसे 9 जनवरी 2026 को रिलीज किया जाना था। इसके लिए फिल्म को सर्टिफिकेशन के लिए भी भेजा गया था, लेकिन कई कारणों और कानूनी प्रक्रियाओं के चलते अब तक इसे प्रमाणपत्र नहीं मिल पाया है। इसी वजह से फिल्म की थिएटर में रिलीज लगातार टलती रही और दर्शकों तक आधिकारिक रूप से नहीं पहुंच सकी।

अभय सिन्हा ने आगे कहा, ''सर्टिफिकेशन में देरी का सीधा असर फिल्म की रिलीज योजना और आर्थिक गणना पर पड़ता है। जब कोई फिल्म समय पर रिलीज नहीं हो पाती, तो उसका जोखिम बढ़ जाता है। 'जन नायकन' के मामले में भी यही हुआ, जहां देरी के कारण फिल्म इंटरनेट पर लीक हो गई। इससे न सिर्फ निर्माता को नुकसान हुआ, बल्कि फिल्म से जुड़े सभी लोगों पर इसका नकारात्मक असर पड़ा।

अजीत कुमार और शालिनी की सुपरहिट फिल्म 'अमरकलम' फिर होगी रिलीज, शादी की सालगिरह पर खास तोहफा

चेन्नई। दक्षिण भारतीय सिनेमा में कुछ फिल्में ऐसी होती हैं जो सिर्फ अपने समय में ही नहीं, बल्कि सालों बाद भी दर्शकों के दिलों में उसी तरह बसी रहती हैं। ऐसी ही एक फिल्म है 'अमरकलम'... अब एक बार फिर यह फिल्म बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रही है। इस खबर ने फैंस के बीच उत्साह को और बढ़ा दिया है।

डायरेक्टर सरन की इस ब्लॉकबस्टर फिल्म को 24 अप्रैल को दोबारा सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। इस तारीख को बेहद सोच-समझकर चुना गया है, क्योंकि इसी दिन अजित कुमार और शालिनी की

शादी की सालगिरह भी है। ऐसे में यह री-रिलीज उनके फैंस के लिए किसी तोहफे से कम नहीं है। 'अमरकलम' सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक खूबसूरत प्रेम कहानी की शुरुआत भी है। इसी फिल्म की शूटिंग के दौरान अजीत और शालिनी पहली बार मिले थे। धीरे-धीरे दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और उनका रिश्ता प्यार में बदल गया। बाद में दोनों ने शादी कर ली और आज वे इंडस्ट्री के सबसे पसंदीदा कपल्स में गिने जाते हैं।

फिल्म की री-रिलीज को और खास बनाने के लिए इसे अल्ट्रा हाई डेफिनेशन में तैयार किया गया है, ताकि दर्शक इसे नई तकनीक के साथ बेहतर अनुभव में देख सकें। साल 1999 में जब यह फिल्म पहली बार रिलीज हुई थी, तब इसने बॉक्स ऑफिस पर जमकर राज किया था। अब उम्मीद की जा रही है कि दोबारा रिलीज के दौरान भी सिनेमाघरों में वैसा ही उत्साह और भीड़ देखने को मिलेगी।

'अमरकलम' फिल्म की सफलता में इसके संगीत का भी बड़ा योगदान रहा था। म्यूजिक डायरेक्टर भारद्वाज का संगीत आज भी लोगों के दिलों में बसा हुआ है। वहीं, शालिनी की मासूमियत और दमदार स्क्रीन प्रेजेंस ने फिल्म को और खास बना दिया। अजीत की एनर्जेटिक परफॉर्मेंस ने दर्शकों को गहराई से प्रभावित किया था।

आपत्तिजनक शब्द मामले में मासूम शर्मा को हरियाणा महिला आयोग ने भेजा समन, 18 अप्रैल को पेश होने का निर्देश

चंडीगढ़। बादशाह के 'टटीरी' गाने को लेकर विवाद अभी कुछ समय पहले ही खत्म हुआ है, इस बीच हरियाणा के एक और सिंगर मासूम शर्मा को लेकर नया बखेड़ा शुरू हो गया है।

मासूम शर्मा के खिलाफ देहरादून में आपत्तिजनक शब्द बोले जाने का आरोप लगा है। इस मामले में हरियाणा राज्य महिला आयोग ने संज्ञान लिया है और सिंगर को समन जारी किया है।

हरियाणा राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन रेनू भाटिया ने इस मामले में मासूम शर्मा को नोटिस जारी किया है। नोटिस के अनुसार, उन्हें 18 तारीख को सुबह 11 बजे महिला आयोग के समक्ष पेश होने के निर्देश दिए गए हैं। महिला आयोग ने यह नोटिस ईमेल के माध्यम से भेजा है और मामले को गंभीरता से लेते हुए व्यक्तिगत रूप से जवाब तलब किया है।

नोटिस में कहा गया है कि आयोग हरियाणा राज्य महिला आयोग अधिनियम, 2012 के प्रावधानों, महिलाओं के अधिकारों के हनन और

उनकी गरिमा को प्रभावित करने वाले मुद्दों से संबंधित मामलों में सूचना मांगने, व्यक्तियों को तलब करने और जांच करने के लिए सशक्त है। ऐसे में अगर कृत्य सिद्ध हो जाता है तो यह विषय बेहद गंभीर है।

आयोग की तरफ से कहा गया कि निर्धारित तिथि और समय पर आयोग के समक्ष उपस्थित न होने पर कार्रवाई भी की जा सकती है। आयोग से पहले देहरादून पुलिस भी मामले में नोटिस भेज चुकी है। यह नोटिस चार पार्षदों द्वारा थाने में तहरीर देने के बाद भेजा गया है।

वीडियो वायरल होने के बाद मासूम शर्मा सोशल मीडिया पर माफी मांगते भी दिखे।

उन्होंने वीडियो पोस्ट कर कहा कि पिछले कुछ समय से एक संदिग्ध व्यक्ति उसे परेशान कर रहा है, उसी तनाव का असर मंच पर दिखाई दिया। यदि मेरे शब्दों से किसी को ठेस पहुंची है तो इसके लिए माफी मांगता हूं।

इससे पहले साल 2024 में गायक पर एक महिला ने मारपीट का भी आरोप लगाया था। साल 2025 में सिंगर पर गन कल्चर को बढ़ावा देने का आरोप लगा था। उनके 'ट्यूशन बदमाशी का', 'नंबरी', 'जप नाम भोले का', 'भगत आदमी', 'ठेकेदार का ब्याह' जैसे गाने बहुत पॉपुलर हुए थे।

स्टूडियो ग्रीन का हैक हुआ एक्स अकाउंट हुआ रिकवर, प्रोड्यूसर ज्ञानवेल राजा बोले-हम वापस आ गए हैं

चेन्नई। फिल्म इंडस्ट्री में हाल के दिनों में कई बड़े सेलिब्रिटीज और प्रोडक्शन हाउस के सोशल मीडिया अकाउंट हैक होने की खबरें सामने आई हैं। इसी कड़ी में मशहूर प्रोडक्शन हाउस स्टूडियो ग्रीन का एक्स अकाउंट भी हैक हुआ था, जिसे अब कंपनी ने दोबारा रिकवर कर लिया है।

प्रोड्यूसर ज्ञानवेल राजा की इस कंपनी ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट से पोस्ट करते हुए जानकारी दी कि अब उनका अकाउंट पूरी तरह से सुरक्षित है। उन्होंने लिखा, ''हम वापस आ गए हैं। अकाउंट पूरी तरह से बहाल हो गया है। इसके लिए हम एक्स टीम का धन्यवाद करते हैं।

दरअसल, इससे पहले कंपनी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट के जरिए बताया था कि उनके एक्स अकाउंट को कुछ अज्ञात लोगों ने हैक कर लिया, ऐसे में जो भी पोस्ट किए जा रहे है, उनका कंपनी के काम या विचारों से कोई संबंध नहीं था।

कंपनी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट के जरिए एक आधिकारिक बयान जारी किया। इसमें उन्होंने कहा, ''हमारे स्टूडियो ग्रीन के एक्स अकाउंट को हैक कर लिया गया। हम प्लेटफॉर्म की टीम के साथ मिलकर अकाउंट को वापस पाने की कोशिश कर रहे है।

उन्होंने अपने बयान में फैंस और फॉलोअर्स से अपील की कि वे हाल ही में उस अकाउंट से किए गए किसी भी पोस्ट, लिंक या मैसेज पर भरोसा न करें। कंपनी ने कहा कि जो भी राजनीतिक या युद्ध से जुड़े पोस्ट दिख रहे हैं, वे पूरी तरह फर्जी हैं और उनका उनकी टीम से कोई संबंध नहीं है।

अमेरिकी खुफिया एजेंसी का दावा- चीन ईरान को समर्थन देने पर कर रहा है विचार

वाशिंगटन। अमेरिकी मीडिया में दिए गए यूएस के खुफिया आकलन से पता चलता है कि चीन ईरान के संघर्ष में ज्यादा एक्टिव भूमिका निभाने पर विचार कर रहा है। भले ही चीन एक बड़े युद्ध से बचना चाहता हो, लेकिन वह ईरान अमेरिका संघर्ष में अपनी सक्रियता बढ़ाना चाह रहा है।

द न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी एजेंसियों ने ईरान को चीन के संभावित समर्थन की ओर इशारा करते हुए जानकारी इकट्ठा की है। हालांकि अधिकारियों ने जोर देकर कहा कि यह इंटेलिजेंस पक्की नहीं है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि 'इस बात का कोई सबूत नहीं है कि लड़ाई के दौरान अमेरिकी या इजरायली सेना के खिलाफ चीनी मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया है।' इससे नतीजों के बारे में अनिश्चितता पर जोर दिया गया।

फिर भी, अमेरिकी अधिकारी बड़े जियोपॉलिटिकल दांव को देखते हुए चीन के शामिल होने की संभावना को भी अहम मानते हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, चीन फिलहाल बहुत सावधानी बरत रहा है। चीन के अधिकारी दुनिया को यह दिखाना चाहते हैं कि वे इस मामले में निष्पक्ष हैं और किसी का पक्ष नहीं ले रहे। लेकिन असल में, उनके बीच ईरान की मदद करने को लेकर भी बातचीत चल रही है, जिससे उनकी स्थिति काफी उलझी हुई नजर आती है।

रिपोर्ट में कुछ पूर्व अधिकारियों ने कहा कि ईरान मिसाइलों और ड्रोन में इस्तेमाल होने वाले जरूरी पार्ट्स के लिए चीन पर निर्भर है। हालांकि, बीजिंग यह तर्क दे सकता है कि ऐसे पार्ट्स का सिविलियन इस्तेमाल होता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, माना जाता है कि चीन ने कुछ इंटेलिजेंस सपोर्ट भी दिया है, हालांकि इसकी जानकारी अभी कम है।

यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिका और ईरानी अधिकारी हफ्तों की लड़ाई के बाद एक नाजुक सीजफायर को स्थिर करने के लिए इस्लामाबाद में सीधी बातचीत कर रहे हैं।

अमेरिकी अधिकारी इस बात पर करीब से नजर रख रहे हैं कि क्या कोई बाहरी सपोर्ट बातचीत पर असर डाल सकता है या जमीनी स्तर पर संतुलन बदल सकता है।

विश्लेषकों का कहना है कि बीजिंग का तरीका सोच-समझकर किया गया कैलकुलेशन दिखाता है। चीन के ईरान के साथ गहरे आर्थिक संबंध हैं और वह उसका सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता है, लेकिन उसके पास वैश्विक व्यापार में रुकावट डालने वाली बातों से बचने के लिए मजबूत फायदे भी हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि मिसाइल भेजने को लेकर चीन के अंदर चल रही बहस इन हितों के बीच तनाव को दिखाती है।

साथ ही, बीजिंग के पब्लिक रवैये ने संयम पर जोर दिया है।

'ईरान के साथ शर्तों पर नहीं हो सकता फैसला, ये सीख ले अमेरिका', पूर्व ईरानी विदेश मंत्री जरीफ

तेहरान। ईरान और अमेरिका के बीच घंटों चली बातचीत का कोई नतीजा नहीं निकलने के बाद प्रतिक्रियाएं सामने आ रही है। दोनों पक्षों के बीच दो हफ्ते के सीजफायर पर मुहर लगी थी, जिसके बाद पाकिस्तान में यह बैठक हुई। वहीं ईरान के पूर्व विदेश मंत्री मोहम्मद जवाद जरीफ ने कहा कि कोई भी बातचीत शर्तों के आधार पर सफल नहीं हो सकती है।

ईरान के पूर्व विदेश मंत्री मोहम्मद जवाद जरीफ ने पूछा: 'जानना चाहते हैं कि बातचीत सफल क्यों नहीं हुई?

ईरानी नेता ने अमेरिका उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के उस कथन को दोहराया, जिसमें उन्होंने कहा था, 'उन्होंने (ईरान ने) हमारी शर्तें न मानने का फैसला किया है।

जरीफ ने लिखा, 'कोई भी बातचीत कम से कम ईरान के साथ 'हमारी/आपकी शर्तों' के आधार पर सफल नहीं होगी। अमेरिका को सीखना चाहिए: आप ईरान पर शर्तें थोप नहीं सकते। सीखने में अभी भी देर नहीं हुई है।'

सरकारी न्यूज एजेंसी एसएनएन के अनुसार, ईरानी अधिकारियों ने कथित 'जासूसी' के मामले में कम से कम 50 लोगों को गिरफ्तार किया है। इस समूह पर सर्विस सुविधाओं और इंफ्रास्ट्रक्चर समेत सेंसिटिव जगहों को शेयर करके अमेरिका और इजरायल के साथ मिलकर काम करने का आरोप था। एसएनएन ने कहा कि अधिकारियों ने इलेक्ट्रॉनिक्स, सैटेलाइट इक्विपमेंट और हथियार भी जब्त किए हैं।

ईरान ने हाल के झगड़े के बीच जासूसी के आरोप में दर्जनों लोगों को गिरफ्तार किया है। पिछले साल अमेरिका और इजरायल के साथ 12 दिन की लड़ाई के बाद भी कई गिरफ्तारियां हुई थीं। हाल ही में एक बेहतर जासूसी कानून के तहत जासूसी के आरोपी लोगों को मौत की सजा और प्रॉपर्टी जब्त करने का प्रावधान है।आईआरएनए न्यूज एजेंसी के मुताबिक, ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बगाई से पूछा गया कि क्या डिप्लोमेसी खत्म हो गई है, तो उन्होंने जवाब दिया, 'डिप्लोमेसी कभी खत्म नहीं होती।

न्यू जर्सी के रेस्तरां में गोलीबारी, एक की मौत और कई घायल

वाशिंगटन । अमेरिका के यूनियन टाउनशिप स्थित एक लोकप्रिय फास्ट-फूड चेन चिक-फिल-ए के आउटलेट पर हुई गोलीबारी ने पूरे इलाके को दहला दिया।

घटना शनिवार शाम लगभग 8:40 बजे (स्थानीय समयानुसार) की बताई जा रही है, जब रेस्तरां के भीतर अचानक गोलीबारी शुरू हो गई। शुरुआती रिपोर्ट्स के अनुसार, कुछ हमलावर रेस्टोरेंट के अंदर घुसे, काउंटर के पीछे पहुंचे और फिर ताबड़तोड़ गोलियां चलाईं। उस समय रेस्टोरेंट में बड़ी संख्या में ग्राहक और कर्मचारी मौजूद थे, जिससे अफरा-तफरी मच गई और लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे।इस हमले में कम से कम छह लोगों को गोली लगने की खबर है, जिनमें से एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अन्य को अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालांकि, घायलों की स्थिति और अंतिम संख्या को लेकर आधिकारिक पुष्टि अभी बाकी है।

चश्मदीदों के मुताबिक, घटनास्थल का माहौल कुछ ही सेकंड में 'जंग के मैदान' जैसा हो गया। लोगों ने गोलियों की आवाजें सुनीं और कई कर्मचारियों को डर के मारे बाहर भागते देखा गया। घटना के तुरंत बाद भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा और पूरे इलाके को सील कर दिया गया। रेस्टोरेंट के अंदर और आसपास घंटों तक जांच चलती रही। इस मामले की जांच यूनियन काउंटी प्रॉसिक्यूटर ऑफिस कर रहा है। अधिकारियों ने इसे 'सक्रियता से जारी रहने वाला' अभियान बताया है। अब तक न तो किसी संदिग्ध की पहचान सार्वजनिक की गई है और न ही हमले के पीछे की मंशा साफ हो पाई है। घटना के पीछे संभावित कारणों को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं— क्या यह व्यक्तिगत दुश्मनी का मामला था, गैंग से जुड़ा हमला या फिर कोई अचानक हिंसक विवाद? फिलहाल पुलिस सभी एंगल से जांच कर रही है।यह घटना एक बार फिर अमेरिका में सार्वजनिक स्थानों पर होने वाली गोलीबारी की बढ़ती घटनाओं को उजागर करती है। खासतौर पर ऐसे स्थान, जहां परिवार और युवा बड़ी संख्या में आते हैं।

हम अमेरिका के वादा तोड़ने की आदत को नहीं भूले, शांति वार्ता के बीच ईरान का कड़ा रुख

तेहरान । ईरान ने अमेरिका के साथ चल रही बातचीत के बीच कड़ा रुख अपनाया है। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाकई ने कहा कि देश अमेरिका के पिछले वादे तोड़ने को 'न भूला है और न भूलेगा '। इससे इस्लामाबाद में बातचीत जारी रहने के बावजूद गहरे अविश्वास का पता चलता है। उन्होंने कहा कि किसी ने भी एक राउंड की बातचीत में नतीजे की उम्मीद नहीं की थी।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक डिटेल्ड पोस्ट में इस्माइल बाकई ने कहा, 'हमारे लिए डिप्लोमेसी ईरानी जमीन के रक्षकों के पवित्र जिहाद को जारी रखना है। हम अमेरिका के वादे तोड़ने और गलत कामों के अनुभवों को नहीं भूले हैं और न ही भूलेंगे। ठीक वैसे ही जैसे हम दूसरे और तीसरे थोपे गए युद्धों के दौरान उनके और यहूदी शासन द्वारा किए गए जघन्य अपराधों को माफ नहीं करेंगे।' हालांकि, ईरान बातचीत की शुरुआत से पहले भी दोहराता रहा है कि अमेरिका के साथ विश्वास की कमी है।

उन्होंने बातचीत को तेज और लंबी करार देते हुए कहा, 'आज इस्लामाबाद में ईरान के डेलिगेशन के लिए एक व्यस्त और लंबा दिन था। शनिवार सुबह से पाकिस्तान की अच्छी कोशिशों और बीचबचाव से शुरू हुई गहरी बातचीत अब तक बिना किसी रुकावट के जारी है और दोनों पक्षों के बीच कई मैसेज व टेक्स्ट एक्सचेंज हुए।

ईरानी डेलिगेशन के पक्के इरादे पर जोर देते हुए, बाकई ने कहा, 'ईरानी बातचीत करने वाले ईरान के अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए अपनी पूरी काबिलियत, अनुभव और जानकारी का इस्तेमाल कर रहे हैं। हमारे बड़े-बुजुर्गों, प्रियजनों और साथी देशवासियों के भारी नुकसान ने ईरानी देश के हितों और अधिकारों को आगे बढ़ाने के हमारे इरादे को पहले से कहीं ज्यादा मजबूत कर दिया है।

ईरान के बड़े रुख को दोहराते हुए उन्होंने कहा, 'कोई भी चीज हमें अपने प्यारे देश और महान ईरानी सभ्यता के लिए अपने महान ऐतिहासिक मिशन को आगे बढ़ाने से नहीं रोक सकती या रोकनी नहीं चाहिए। ईरान अपने देश के हितों को सुरक्षित करने और देश की भलाई की रक्षा के लिए डिप्लोमेसी समेत सभी तरीकों का इस्तेमाल करने का पक्का इरादा रखता है।

बाकई के मुताबिक, पिछले 24 घंटों में हुई बातचीत में होर्मुज स्ट्रेट, न्यूक्लियर प्रोग्राम, युद्ध में हर्जाना, पाबंदियों में राहत और चल रहे क्षेत्रीय झगड़ों को खत्म करने जैसे खास मुद्दों पर बात हुई।

अमेरिका के साथ वार्ता फेल होने के बाद ईरानी प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान से हुआ रवाना

इस्लामाबाद । अमेरिका और ईरान के बीच घंटों की बातचीत के बाद भी कोई नतीजा नहीं निकला। गैर-नतीजतन वार्ता खत्म होने के बाद ईरान का प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान से रवाना हो गया है। इससे पहले अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भी अपने देश लौटने के लिए इस्लामाबाद से निकल गए।

बता दें, ईरानी प्रतिनिधिमंडल में कुल 71 लोग शामिल थे। मेहर न्यूज एजेंसी के अनुसार, ईरानी डेलिगेशन में पार्लियामेंट स्पीकर मोहम्मद बाघेर ग़ालिबफ़ और विदेश मंत्री अब्बास अराघची शामिल थे और वार्ता खत्म होने के बाद ये सभी पाकिस्तान से निकल गए हैं।

वहीं घाना में ईरानी दूतावास ने अमेरिका-ईरान वार्ता को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, 'यूएस अपने उपराष्ट्रपति को आधी दुनिया पार करके इस्लामाबाद ले गया। 21 घंटे की बातचीत हुई। उन्होंने हर वो चीज मांगी जो वे जंग से हासिल नहीं कर सकते थे। ईरान ने पूरी तरह से ना कहा। बातचीत खत्म हो गई है। स्ट्रेट अभी भी बंद है और उपराष्ट्रपति खाली हाथ घर लौट रहे हैं। अब बस फिर से ईरान की बात करेंगे। उनके पास अपनी इज्जत बचाने के लिए कोई विकल्प नहीं बचा है।'

सोशल मीडिया पर एक यूजर के सवाल का जवाब देते हुए ईरानी दूतावास के एक्स हैंडल ने जवाब दिया, 'वे स्टॉपवॉच लेकर कमरे में आए। हम कैलेंडर लेकर बैठ गए। नतीजे पर कभी शक नहीं हुआ।'

ईरानी दूतावास का कहना है कि अमेरिका बातचीत के दौरान समय का दबाव बना रहा था। उन्हें फैसला जल्दी चाहिए था। वहीं ईरान लंबी रणनीति के साथ बैठा था। ईरान धैर्य के साथ बात करना चाहता था।

इसके अलावा, ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाकई ने कहा कि देश अमेरिका के पिछले वादे तोड़ने को 'न भूला है और न भूलेगा '। इससे इस्लामाबाद में बातचीत जारी रहने के बावजूद गहरे अविश्वास का पता चलता है। उन्होंने कहा कि किसी ने भी एक राउंड की बातचीत में नतीजे की उम्मीद नहीं की थी।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक डिटेल्ड पोस्ट में इस्माइल बाकई ने कहा, 'हमारे लिए कूटनीति (डिप्लोमेसी) ईरानी सरजमीं के रक्षकों के संघर्ष को जारी रखना है। हम अमेरिका द्वारा वादों को तोड़ने और उसके पिछले कड़वे अनुभवों को न तो भूले हैं और न ही कभी भूलेंगे। ठीक उसी तरह, जैसे हम दूसरे और तीसरे 'थोपे गए युद्धों' के दौरान उनके और यहूदी शासन द्वारा किए गए जघन्य अपराधों को कभी क्षमा नहीं करेंगे।।' हालांकि, ईरान बातचीत की शुरुआत से पहले भी दोहराता रहा है कि अमेरिका के साथ विश्वास की कमी है।

उन्होंने बातचीत को तेज और लंबा बताते हुए कहा, 'आज इस्लामाबाद में ईरान के डेलिगेशन के लिए एक व्यस्त और लंबा दिन था। शनिवार सुबह से पाकिस्तान की अच्छी कोशिशों और बीच बचाव से शुरू हुई गहरी बातचीत अब तक बिना किसी रुकावट के जारी है और दोनों पक्षों के बीच कई मैसेज व टेक्स्ट एक्सचेंज हुए।'

ईरानी डेलिगेशन के पक्के इरादे पर जोर देते हुए, बाकई ने कहा, 'ईरान की ओर से बातचीत करने वाले ईरान के अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए अपनी पूरी काबिलियत, अनुभव और जानकारी का इस्तेमाल कर रहे हैं। हमारे बड़े-बुजुर्गों, प्रियजनों और साथी देशवासियों के भारी नुकसान ने ईरानी देश के हितों और अधिकारों को आगे बढ़ाने के हमारे इरादे को पहले से कहीं ज्यादा मजबूत कर दिया है।

दक्षिण कोरिया: कोल्ड स्टोरेज गोदाम में आग लगने से दो फायरफाइटर्स की मौत

सोल । दक्षिण कोरिया के दक्षिण-पश्चिमी काउंटी में एक कोल्ड स्टोरेज गोदाम में लगी आग को बुझाने की कोशिश कर रहे दो फाइर फाइटर्स की मौत हो गई। रविवार को ये हादसा पेश आया। स्थानीय अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी।

आग सुबह करीब 8:25 बजे साउथ जिओला प्रोविंस के वांडो काउंटी में एक फिशरीज प्रोसेसिंग कंपनी के वेयरहाउस में लगी, जिसके बाद अधिकारियों को 100 से ज्यादा फायरफाइटर्स को बुलाना पड़ा। योनहाप न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, वांडो फायर स्टेशन के मुताबिक, करीब तीन घंटे बाद आग बुझा दी गई।

इसमें बताया गया कि दो फायरफाइटर्स वेयरहाउस के अंदर फंस गए और बाद में उनकी मौत हो गई।फायर अधिकारियों के मुताबिक, माना जा रहा है कि आग तब लगी जब वर्कर्स बिल्डिंग से पेंट हटाने के लिए टॉर्च का इस्तेमाल कर रहे थे, जो फ्लोर लेवलिंग और दोबारा पक्का करने का काम था।

फिशरी कंपनी के एक अधिकारी ने धुआं अंदर ले लिया और उसे पास के हॉस्पिटल भेजा गया, लेकिन उसकी हालत खतरे में नहीं थी।

वांडो फायर स्टेशन के चीफ ली मिन-सियोक ने कहा कि शुरुआती ऑपरेशन के बाद बची हुई आग बुझाने के लिए साइट पर दोबारा घुसने के बाद दो फायरफाइटर्स बच नहीं पाए।

ली ने एक प्रेस ब्रीफिंग में कहा, 'छत के पास धमाका हुआ। ऑपरेशन चीफ ने रेडियो कम्युनिकेशन से काला धुआं और आग की लपटें देखने के बाद सात फायरफाइटर्स को बाहर निकालने का ऑर्डर दिया, लेकिन दो बाहर नहीं निकल पाए।'

फायर अधिकारियों ने कहा कि वे आग लगने की असली वजह का पता लगाने में जुटे हैं।

जांचकर्ताओं को आशंका है कि एपॉक्सी फ्लोरिंग बहुत ज्यादा ज्वलनशील होती है; वह तेजी से फैली, और स्ट्रक्चर के कुछ हिस्सों में सैंडविच पैनल होने से आग बुझाने के काम में रुकावट आई होगी।दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग को घटना के बारे में जानकारी दी गई, और उन्होंने फायर अधिकारियों को आग बुझाने और बचाव अभियान चलाने के लिए सभी उपलब्ध रिसोर्स जुटाने का निर्देश दिया, राष्ट्रपति के प्रवक्ता कांग यू-जंग ने एक लिखित बयान में अपनी बात कही।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट में, ली ने 44 और 30 साल के मारे गए फायरफाइटर्स के परिजनों के प्रति अपनी संवेदना जताई।ली ने लिखा, 'वे लोगों की जान और सुरक्षा के लिए सबसे खतरनाक जगह पर पहुंचे और आखिर तक अपनी ड्यूटी पूरी की। मैं उनकी हिम्मत और लगन को श्रद्धांजलि देता हूं।'

ली ने कहा कि सरकार इस घटना को 'गंभीरता से' लेती है और फायरफाइटर्स को अपना मिशन पूरा करने के लिए एक सुरक्षित माहौल सुनिश्चित करने की कोशिश करेगी।

दिल्ली में ईरानी दूतावास ने मिनाब स्कूल के मलबे से मिली ड्राइंग की प्रदर्शनी लगाई

नई दिल्ली। नई दिल्ली में ईरानी दूतावास में 'एंजल्स ऑफ मिनाब' नाम की एक प्रदर्शनी लगाई गई है। इस प्रदर्शनी में बच्चों की बनाई ड्रॉइंग दिखाई गई हैं। इसके अलावा, मिनाब में एलिमेंट्री स्कूल के मलबे से निकाली गई आर्टवर्क दिखाई गई। बता दें, 28 फरवरी को ईरान पर अमेरिका और इजरायल के एयरस्ट्राइक के बाद यह स्कूल तबाह हो गया था।

स्कूल पर हमला अमेरिका-इजरायली सैन्य हमले के शुरुआती दौर में हुआ था, जिसमें 165 से ज्यादा बच्चों और स्टाफ सदस्यों की मौत हो गई थी।

रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिका की टॉमहॉक मिसाइल ने इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स नेवल बेस के पास हमला किया था। बाद के अमेरिकी असेसमेंट्स ने अमेरिका की जिम्मेदारी मानी और इस घटना को जानबूझकर किए गए हमले के बजाय टारगेटिंग में चूक करार दिया।

इस प्रदर्शनी के जरिए, ईरानी दूतावास ने इस संघर्ष में इंसानी मूल्यों की ओर ध्यान खींचने की कोशिश की और बरामद ड्रॉइंग्स को एक ऐसी दुनिया की झलक के तौर पर पेश किया जो कभी मासूमियत और उम्मीद से भरी थी।

यह पहल ईरान के बड़े डिप्लोमैटिक मैसेज से भी मेल खाती है, खासकर इस्लामाबाद में अमेरिका के साथ शांति वार्ता के फेल होने के बाद।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ईरानी दूतावास ने लिखा, 'ये ड्रॉइंग हैं जो मिनाब में एक स्कूल के मलबे के नीचे से निकाली गई हैं। एक स्कूल जो अमेरिका और ज़ायोनी शासन के मिलिट्री हमले के बाद तबाह हो गया था।'

ईरानी दूतावास ने आगे कहा, 'रेड क्रिसेंट रेस्क्यू टीम की कोशिशों से मिले पन्ने और उन्हें सिर्फ उतना ही ठीक किया गया है जितना वे देखे जा सकते हैं। उनमें दिखाई गई दुनिया अभी भी साधारण, ब्राइट और भरोसेमंद है। लेकिन बाहर की दुनिया वैसी नहीं रही। किसी भी युद्ध में बच्चों को शिकार नहीं बनना चाहिए; फिर भी हर युद्ध में, उनके खत्म होने के साथ कई दुनियाएं खत्म हो जाती हैं।

इससे पहले शनिवार को, ईरान के पार्लियामेंट स्पीकर मोहम्मद गालिबफ को इस्लामाबाद ले जा रहे विमान की तस्वीर सामने आई। इस तस्वीर में मिनाब स्कूल हमले में मारे गए बच्चों की तस्वीरें विमान की सीटों पर रखी गई थीं। इन तस्वीरों के साथ बच्चों के स्कूल बैग और गुलाब के फूल भी रखे गए थे। यह एक भावुक तस्वीर है जो उन बच्चों को श्रद्धांजलि दे रही है।

इस्लामाबाद जाने के दौरान गालिबफ ने इस तस्वीर के जरिए एक मैसेज दिया। एयरक्राफ्ट के अंदर, कई खाली सीटों पर मिनाब स्कूल स्ट्राइक के पीड़ितों की फोटो और निजी सामान रखे थे। ईरानी अधिकारी के अनुसार, ये बच्चे अमेरिका-इजरायली हमले में मारे गए थे। एक्स पर तस्वीर साझा करते हुए गालिबफ ने लिखा, 'मिनाब 168, इस विमान में मेरे साथी।' उन्होंने 28 फरवरी, 2026 को मिनाब के एक एलिमेंट्री स्कूल पर हुए स्ट्राइक में अपनी जान गंवाने वाले बच्चों और स्टाफ के इस सफर के लिए अपना साथी बताया।

‘2024 में विकसित भारत’ के लक्ष्य को प्राप्त करने में युवा नेताओं की बड़ी भूमिकाः विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने रविवार को कहा कि ‘विकसित भारत’ की परिभाषा केवल आर्थिक आंकड़ों से नहीं, बल्कि इसकी संस्थाओं की मजबूती और युवा नेताओं की गहन भागीदारी से तय होती है।

युवा मामले एवं खेल मंत्रालय द्वारा आयोजित दिल्ली विश्वविद्यालय के श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स (एसआरसीसी) में ‘माई भारत बजट फेस्ट 2026’ को संबोधित करते हुए उन्होंने यह बात कही।

उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए अध्यक्ष गुप्ता ने इस बात पर जोर दिया कि केंद्रीय बजट केवल एक वित्तीय दस्तावेज नहीं है, बल्कि यह देश के इरादे और भविष्य के लिए एक रोडमैप को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि बजट में शासन को निर्देशित करने वाली प्राथमिकताओं और सतत विकास की दिशा को प्रतिबिंबित किया गया है। इस कार्यक्रम में एसआरसीसी की प्रधानाध्यापिका सिमरित कौर और युवा मामले एवं खेल मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

कार्यक्रम के विशिष्ट महत्व पर प्रकाश डालते हुए अध्यक्ष गुप्ता ने कहा कि महिला मॉक संसद केवल एक प्रतीकात्मक अभ्यास नहीं है, बल्कि एक सुविचारित मंच है जो युवा महिलाओं को विधायी कार्यप्रणाली की गहराई, अनुशासन और जिम्मेदारी से परिचित कराता है।

उन्होंने कहा कि यह शासन से जुड़े प्रश्नों पर व्यवस्थित और चिंतनशील तरीके से विचार-विमर्श करने का अवसर प्रदान करता है। सभापति गुप्ता ने कहा कि ऐसे मंचों में भागीदारी से विचारों में स्पष्टता और अभिव्यक्ति में आत्मविश्वास बढ़ता है।

यह तर्कपूर्ण संवाद, विभिन्न दृष्टिकोणों के प्रति सम्मान और सामूहिक निर्णयों के निर्माण की प्रक्रियाओं की समझ को प्रोत्साहित करता है, जो प्रभावी नेतृत्व और एक मजबूत लोकतंत्र की नींव हैं।

विधानसभा अध्यक्ष ने आगे कहा कि 325 युवा महिलाओं की उपस्थिति सार्वजनिक जीवन के प्रति दृष्टिकोण में एक शांत लेकिन महत्वपूर्ण परिवर्तन को दर्शाती है। यह संस्थाओं के साथ बढ़ते जुड़ाव और राष्ट्र की दिशा तय करने वाली चर्चाओं में भाग लेने की तत्परता का संकेत है।

‘किसानों के लिए अथक प्रयास करती है एनडीए सरकार’, निर्मला सीतारमण का सीएम स्टालिन पर पलटवार

नई दिल्ली। तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। राजनीतिक दलों के वरिष्ठ नेताओं के बीच जुबानी जंग जारी है। इस बीच केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सीएम एमके स्टालिन के बयान पर पलटवार किया।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर पोस्ट कर कहा कि यह साफ है कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन द्वारा की गई टिप्पणी को तथ्यात्मक रूप से बेबुनियाद, राजनीतिक रूप से प्रेरित और तमिलनाडु के किसानों को गुमराह करने के लिए जानबूझकर किया गया एक तोड़-मरोड़ है। बता दें कि सीएम स्टालिन ने आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार ने तमिलनाडु को धान की खेती के लिए प्रोत्साहन न देने का निर्देश दिया है।

सीतारमण ने कहा कि सभी राज्यों के मुख्य सचिवों को—न केवल तमिलनाडु को—जो बात बताई गई थी, वह केवल एक सुझाव था कि वे अपनी राज्य बोनस नीतियों को राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के साथ जोड़ें। राज्यों को केंद्र का यह सुझाव एक सकारात्मक और दूरदर्शी सोच पर आधारित है, जिसका उद्देश्य फसलों में विविधता को बढ़ावा देना और दालों, तिलहनों जैसी फसलों में आत्मनिर्भरता हासिल करना है, ताकि किसान ऐसी फसलों की खेती करके बेहतर दाम पा सकें, जिनकी घरेलू मांग आपूर्ति से कहीं ज्यादा है।

उन्होंने आगे कहा कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के ऊपर अतिरिक्त बोनस देने की घोषणा करना हमेशा से राज्यों की सरकारों का ही विशेषाधिकार रहा है और आज भी है। किसी ने भी उनसे यह अधिकार नहीं छीना है। मुख्यमंत्री स्टालिन सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने और राष्ट्रीय हित में काम करने के बजाय, अपने संकीर्ण और स्वार्थी राजनीतिक हितों को साधने के लिए जानबूझकर ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहे हैं।

संक्षिप्त खबर

बीएसएफ जवान की हत्या के बाद मणिपुर में तलाशी अभियान जारी, 21 अवैध बंकर नष्ट किए गए

इंफाल। मणिपुर के उखरुल जिले में एक बीएसएफ जवान की हत्या के बाद सुरक्षा बलों ने रविवार को लगातार तीसरे दिन उग्रवादियों को पकड़ने के लिए अपना संयुक्त तलाशी अभियान जारी रखा।

अधिकारियों ने बताया कि इन अभियानों के दौरान सुरक्षा बलों ने जिले में अवैध रूप से बनाए गए 21 बंकरों को भी नष्ट कर दिया।

इंफाल के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि केंद्रीय और राज्य सुरक्षा बलों ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के कांस्टेबल मिथुन मंडल की हत्या के लिए जिम्मेदार संदिग्ध उग्रवादियों का पता लगाने के लिए उखरुल और आसपास के जिलों में तलाशी अभियान तेज कर दिया है।

शुक्रवार को जब वह अन्य बीएसएफ जवानों के साथ हिंसा प्रभावित जिले में ‘रोड ओपनिंग पार्टी’ (आरओपी) की ड्यूटी पर थे, तभी उन पर हमला किया गया था। श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद बीएसएफ कांस्टेबल का पार्थिव शरीर शनिवार को पश्चिम बंगाल के मालदा स्थित उनके पैतृक घर भेज दिया गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा कर्मियों ने पहाड़ी जिले उखरुल में लिटान पुलिस स्टेशन के अंतर्गत सिकिबुंग गांव में 14 बंकर और मोंगकोट चेपु गांव में सात अन्य बंकरों को ध्वस्त कर दिया। इन बंकरों को उग्रवादी संगठनों ने सुरक्षा बलों और आम नागरिकों पर हमले करने के लिए अवैध रूप से बनाया था।

एक अलग अभियान में, सुरक्षा बलों ने म्यांमार की सीमा से सटे तेंगनौपाल जिले के माओजांग, लिबुंग, गोमनोम और टी खोनुनजांग के तिराहे वाले इलाकों से हथियार और विस्फोटक बरामद किए। बरामद की गई चीजों में मैगजीन के साथ दो 9 एमएम पिस्तौल, 13 इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी), दो कॉम्बैट यूनिफॉर्मऔर एक बैकपैक शामिल थे। सभी 13 आईईडी को सुरक्षा कर्मियों द्वारा मौके पर ही सुरक्षित रूप से नष्ट कर दिया गया।

इस बीच, मणिपुर पुलिस ने चुराचांदपुर जिले के वेंगनुआम सिंगंगाट इलाके से दो लोगों को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने उनके कब?जे से ‘ब्राउन शुगर’ से भरे 45 साबुन के केस, एक मारुति जिप्सी, दो मोबाइल फोन और दो बैग बरामद किए। केंद्रीय सुरक्षा बल और राज्य पुलिस की टीमें उग्रवादी गतिविधियों पर लगातार कड़ी कार्रवाई कर रहे हैं। कई जिलों के सीमावर्ती, मिश्रित आबादी वाले और अन्य संवेदनशील इलाकों में तलाशी अभियान और ‘एरिया डोमिनेशन’ (इलाके पर नियंत्रण) के अभ्यास जारी हैं। निगरानी को मजबूत करने और गैर-कानूनी तत्वों की आवाजाही को रोकने के लिए राज्य के घाटी और पहाड़ी जिलों में कुल 109 नाके (चेकपॉइंट) लगाए गए हैं।

पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनते ही भ्रष्टाचारी और अपराधी जेल जाएंगेः रेखा गुप्ता

पुरसुरा । पश्चिम बंगाल के पुरसुरा विधानसभा क्षेत्र में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने टीएमसी सरकार पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि बंगाल में भाजपा की सरकार बनने के बाद भ्रष्टाचारी और अपराधी जेल जाएंगे।

सीएम रेखा गुप्ता ने पुरसुरा विधानसभा में भाजपा प्रत्याशी के लिए रोड शो किया। उन्होंने दावा किया कि जनता के आशीर्वाद से बंगाल में इस बार कमल खिलने जा रहा है। बंगाल की जनता ममता दीदी और टीएमसी के गुंडों को इस बार बाहर का रास्ता दिखाएगी। भाजपा आएगी तो गुंडाराज खत्म होगा।

चुनाव को लेकर भाजपा के घोषणा पत्र का जिक्र करते हुए सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि भाजपा आएगी तो महिलाओं को 3 हजार रुपए मिलेंगे। युवाओं के रोजगार और स्वरोजगार के 1 करोड़ अवसर सृजित होंगे।

उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार और अराजकता झेल रहे बंगाल ने अब एक स्वर में परिवर्तन का संकल्प ले लिया है। पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनते ही आयुष्मान भारत योजना को तत्काल लागू कर हर गरीब परिवार को 5 लाख रुपए तक का निःशुल्क उपचार प्रदान किया जाएगा और यहां वर्षों से लंबित सातवें वेतन आयोग की सिफारिशों को लागू कर सरकारी कर्मचारियों को उनका उचित अधिकार दिया जाएगा।

पिछले 15 वर्षों में टीएमसी शासन के दौरान हुए घोटालों का कच्चा चिट्ठा ‘श्वेत पत्र’ के माध्यम से सार्वजनिक कर भ्रष्टाचार के दोषियों को सलाखों के पीछे पहुंचाने का काम भाजपा सरकार करेगी।

सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि हर माता-बहन को 3,000 रुपए की मासिक सहायता प्रदान करना और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करना हमारी प्राथमिकता है।

पुरसुरा की जनता का भाजपा पर यह अटूट भरोसा ही बंगाल को तुष्टिकरण की राजनीति से मुक्त कर उसे सुरक्षा, विकास और समृद्धि के नए युग की ओर ले जाएगा।

उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की गारंटी पर अटूट विश्वास और टीएमसी के अन्याय के विरुद्ध जनता ने परिवर्तन का बिगुल फूंक दिया है। यहां का यह व्यापक समर्थन स्पष्ट संकेत देता है कि अब टीएमसी की विदाई निश्चित है। बंगाल ने अब भय और भ्रष्टाचार को नकारकर भाजपा पर पूर्ण भरोसा जता दिया है।8

झारखंडः उत्पाद सिपाही भर्ती परीक्षा में पेपर लीक की आशंका, रांची में 100 से अधिक लोग हिरासत में

रांची। झारखंड में उत्पाद सिपाही प्रतियोगिता परीक्षा से पहले पेपर लीक की सूचना पर पुलिस ने तमाड़ थाना क्षेत्र में छापेमारी कर 100 से भी अधिक संदिग्धों को हिरासत में लिया है। ये सभी कथित तौर पर लीक हुए प्रश्नपत्र से तैयारी कर रहे थे।

पुलिस के अनुसार, तमाड़ के रंगमाटी इलाके में एक भवन में संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई की गई। छापेमारी के दौरान 100 से अधिक अभ्यर्थियों को हिरासत में लिया गया। मौके से मोबाइल फोन, दस्तावेज और अन्य सामग्री भी बरामद की गई है, जिनकी जांच की जा रही है। हिरासत में लिए गए लोगों को तमाड़ थाना लाकर पूछताछ की जा रही है।

अधिकारियों का कहना है कि पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और पेपर लीक की साजिश के पीछे किसी संगठित गिरोह या सेटिंग की आशंका से भी इनकार नहीं किया जा सकता। हालांकि पेपर लीक की आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं हुई है।

उल्लेखनीय है कि राज्यभर में 12 अप्रैल को आयोजित हो रही इस परीक्षा के लिए आठ जिलों में कुल 370 केंद्र बनाए गए हैं। कुल 583 पदों पर भर्ती के लिए हो रही इस परीक्षा में शारीरिक दक्षता परीक्षा में सफल करीब 1.48 लाख अभ्यर्थी शामिल हो रहे हैं। इधर, धनबाद समेत अन्य जिलों में परीक्षा को कदाचारमुक्त और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन अलर्ट पर है।

धनबाद में एसएसपी प्रभात कुमार के निर्देश पर पुलिस ने शनिवार देर रात होटल, लॉज और धर्मशालाओं में सघन जांच अभियान चलाया। ठहरे हुए लोगों की पहचान सत्यापित की गई और होटल संचालकों को बिना वैध आईडी किसी को ठहराने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा केंद्रों पर मोबाइल, स्मार्ट वॉच, ब्लूटूथ और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण पूरी तरह प्रतिबंधित रहेंगे। अधिकारियों ने अभ्यर्थियों से नियमों का पालन करने और निष्पक्ष परीक्षा में सहयोग की अपील की है, साथ ही किसी भी प्रकार की गड़बड़ी पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है।

दिल्लीः ब्लू लाइन की पुरानी मेट्रो के आधुनिकीकरण में जुटा डीएमआरसी, सुरक्षा और आराम पर फोकस

नई दिल्ली । दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने यात्रियों की सुरक्षा, आराम और समग्र यात्रा अनुभव को बेहतर बनाने के लिए अपनी ब्लू लाइन ट्रेनों के मध्य-जीवन नवीनीकरण (रेट्रोफिट) की एक व्यापक पहल की है। इसके तहत सबसे पुरानी रोलिंग स्टॉक (आरएस-1) ट्रेनों को आधुनिक तकनीक और बेहतर सुविधाओं से लैस किया जा रहा है ताकि वे विश्वसनीय बनी रहें और वर्तमान मानकों को पूरा करें।

डीएमआरसी चरणबद्ध तरीके से रेड और ब्लू लाइन की 70 ट्रेनों का नवीनीकरण कर रही है। पहले चरण में 12 ट्रेनों का नवीनीकरण हो चुका है। दूसरे चरण में 18 ट्रेनों का नवीनीकरण हो चुका है और बाकी 9 ट्रेनों पर काम जल्द ही शुरू होगा, जिसके बाद शेष 9 ट्रेनों पर काम किया जाएगा। तीसरे चरण में नवंबर 2027 तक ब्लू लाइन की 22 ट्रेनों का नवीनीकरण किया जाएगा। 2002 से 2007 के बीच शामिल की गई ये ट्रेनें लगभग 19 से 24 वर्षों की सेवा पूरी कर चुकी हैं और इन्हें आधुनिक प्रणालियों और सुविधाओं से लैस किया जा रहा है ताकि ये नवीनतम रोलिंग स्टॉक मानकों के अनुरूप हो सकें।

डीएमआरसी के प्रबंध निदेशक डॉ. विकास कुमार ने यात्री सेवा में शामिल होने से पहले तीसरे चरण की पहली नवीनीकृत ट्रेन का निरीक्षण किया। इसके साथ ही अब तक कुल 31 ट्रेनों का नवीनीकरण किया जा चुका है, जो आधुनिकीकरण पर डीएमआरसी के निरंतर ध्यान को दर्शाता है।

नवीनीकरण कार्य में ट्रेन के आंतरिक भाग और प्रणालियों दोनों में महत्वपूर्ण सुधार शामिल हैं। यात्री कोच और चालक केबिनों सहित आंतरिक क्षेत्रों को सुंदर बनाने और वर्षों के उपयोग से हुई टूट-फूट को ठीक करने के लिए फिर से रंगा गया है। बेहतरीन और विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए विद्युत पैनलों को भी उन्नत किया गया है।

अत्याधुनिक आईपी आधारित यात्री घोषणा एवं यात्री सूचना प्रणाली (पीए-पीआईएस), सीसीटीवी प्रणाली और एलसीडी आधारित गतिशील मार्ग मानचित्र (डीआरएम) के साथ डिस्प्ले स्क्रीन स्थापित की गई हैं। ये सिस्टम मार्गों, वर्तमान समय और स्टेशनों पर अपेक्षित आगमन समय के बारे में वास्तविक समय की जानकारी प्रदान करती हैं। ये आपात स्थिति में यात्रियों और ट्रेन संचालकों के बीच संचार को भी सक्षम बनाती हैं।

यात्री सुरक्षा इस कार्यक्रम का प्रमुख केंद्र बिंदु है। सभी डिब्बों में धुआं और ताप डिटेक्टरों से सुसज्जित एक नई अग्नि पहचान प्रणाली स्थापित की गई है।

बिहार के अगले सीएम की अनुशंसा भाजपा को करनी हैः मंत्री विजय चौधरी

पटना । बिहार में नई सरकार के गठन को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां बढ़ी हुई हैं। राज्यसभा की सदस्यता ग्रहण करने के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पटना लौटने के बाद से ही उनसे नेताओं के मिलने का सिलसिला जारी है। उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी भी रविवार को मुख्यमंत्री से मिलने सीएम आवास पहुंचे।

इस बीच, बिहार के मंत्री विजय कुमार चौधरी ने नई सरकार के गठन की प्रक्रिया जल्द शुरू होने के संकेत देते हुए कहा कि भाजपा को मुख्यमंत्री के नाम की अनुशंसा करनी है। मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री बनने को लेकर गेंद भाजपा के पाले में डाल दी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नाम की अनुशंसा भाजपा को करनी है और उसके बाद एनडीए विधायकों की बैठक होगी, जिसमें एनडीए का विधायक दल अपना नेता चुनेगा।

बिहार का मुख्यमंत्री तो वही बनेगा, जिसे एनडीए का विधायक दल अपना नेता चुनेगा। इसमें भारतीय जनता पार्टी की अहम भूमिका है।

उन्होंने कहा कि यह तो भारतीय जनता पार्टी को तय करना है। इस मामले में भाजपा की अपनी प्रक्रिया होती है।

इधर, उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और मुख्यमंत्री की मुलाकात को लेकर उन्होंने कहा कि वे पहले भी लगातार आते रहते हैं, यह कोई नई बात नहीं है। बिहार के मंत्री ने नई सरकार के गठन को लेकर साफ तौर पर कहा कि अब जल्द ही गठन की प्रक्रिया शुरू होने वाली है।

स्वाभाविक है इसमें एनडीए के सभी घटक दलों में आपस में बातचीत होगी। उन्होंने इस क्रम में यह भी साफ कर दिया कि अभी मंत्रिमंडल को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई है। विजय चौधरी ने नए मुख्यमंत्री को लेकर साफ कहा कि चंद दिन और हैं, इंतजार कर लीजिए, सब कुछ पता चल जाएगा। कहा जा रहा है ।

समुद्री सुरक्षा व रक्षा रणनीति की दिशा तय करेंगे नौसेना के टॉप कमांडर्स

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना के टॉप कमांडर की एक महत्वपूर्ण बैठक होने जा रही है। यहां नौसेना के कमांडर्स समुद्री सुरक्षा, परिचालन तैयारियों और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए रणनीतिक दिशा तय करेंगे। इसमें नौसेना का शीर्ष नेतृत्व, ऑपरेशनल कमांडर और वरिष्ठ अधिकारी भाग लेंगे। यह नौसेना की कमांडर्स कॉन्फ्रेंस हैं।

दरअसल, भारतीय नौसेना ‘कमांडर्स कॉन्फ्रेंस 2026’ का पहला संस्करण आयोजित करने जा रही है। नौसेना के मुताबिक, यह ‘कमांडर्स कॉन्फ्रेंस’ नई दिल्ली में 14 अप्रैल से 16 अप्रैल तक आयोजित की जाएगी। नौसेना प्रमुख और अन्य वरिष्ठ कमांडर वर्तमान भू-राजनीतिक परिस्थितियों का गहन विश्लेषण करेंगे। बहुआयामी चुनौतियों से निपटने की रणनीतियों की समीक्षा करेंगे। सम्मेलन में ब्लू-वॉटर क्षमताओं के विस्तार, आधुनिक प्रशिक्षण, मानव संसाधन प्रबंधन, प्लेटफॉर्म्स की युद्धक तैयारियों और टिकाऊ रखरखाव प्रणाली पर विस्तार से चर्चा होगी। साथ ही, बिना चालक वाले सिस्टम्स और उन्नत तकनीकों के प्रभावी उपयोग पर भी विशेष जोर रहेगा। यह सम्मेलन ‘ऑपरेशन सिंदूर’ के बाद नौसेना की ऑपरेशनल सिद्धांतों की पुष्टि, तीनों सेनाओं के बीच समन्वय को मजबूत करने व तकनीक आधारित प्रतिक्रिया तंत्र को और प्रभावी बनाने के दृष्टिकोण से भी विशेष महत्व रखता है। यह तीन दिवसीय महत्वपूर्ण सम्मेलन नौसेना भवन में आयोजित होगा, जिसमें नौसेना के शीर्ष नेतृत्व, ऑपरेशनल कमांडर और वरिष्ठ अधिकारी भाग लेंगे।

गौरतलब है कि यह सम्मेलन समुद्री सुरक्षा, परिचालन तैयारियों और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए रणनीतिक दिशा तय करने का प्रमुख मंच माना जाता है। इस बार यह सम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है जब पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण वैश्विक समुद्री परिदृश्य जटिल बना हुआ है। भारत की ऊर्जा आपूर्ति का बड़ा हिस्सा समुद्री मार्गों से होकर गुजरता है।

यही कारण है कि इन मार्गों की सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है। हिंद महासागर क्षेत्र में बहुराष्ट्रीय बलों की सक्रियता और बढ़ती सामरिक प्रतिस्पर्धा ने नौसेना की जिम्मेदारियों को और अधिक बढ़ा दिया है। इस संदर्भ में सम्मेलन के दौरान त्वरित तैनाती, समुद्री निगरानी और संकट के समय समन्वित प्रतिक्रिया पर विशेष फोकस रह सकता है।

दुनिया की सबसे अम्लीय फिरोजी झील, जहां से निकलती है नीली आग, जानें क्या कहता है विज्ञान

नई दिल्ली। प्रकृति जितनी खूबसूरत है उतनी ही रहस्यमयी भी। ऐसे रहस्यों से भरे जगहों को देखकर लोगों को विश्वास ही नहीं होता कि ऐसी भी जगह हो सकती है। इंडोनेशिया के पूर्वी जावा में भी ऐसी ही एक झील है, जिसे यूनेस्को ने पृथ्वी की प्राकृतिक विरासत के रूप में मान्यता दी है।

यह जगह ज्वालामुखीय परिदृश्य, अद्वितीय भूवैज्ञानिक संरचनाओं और सांस्कृतिक धरोहर से भरपूर है। यहां का सबसे आकर्षक हिस्सा माउंट इजेन है, एक स्ट्रैटोवोलकानो, जिसके अंदर कावाह इजेन नामक सुरम्य फिरोजी रंग की क्रेटर झील है। यूनेस्को के अनुसार, यह दुनिया की सबसे अम्लीय झील है।

इजेन जियोपार्क में ज्वालामुखी शंकुओं, क्रेटर्स और लावा प्रवाहों की उच्च सांद्रता है। लाखों वर्षों की जटिल भूवैज्ञानिक प्रक्रियाओं ने इस क्षेत्र को आकार दिया है। इजेन काल्डेरा प्रणाली के अंदर लगभग 22 ज्वालामुखी शंकु हैं। यह क्षेत्र 2016 में यूनेस्को द्वारा नामित बेलंबंगन बायोस्फीयर रिजर्व से भी जुड़ा हुआ है। कावाह इजेन क्रेटर झील का दृश्य बेहद खूबसूरत है। इसका पानी फिरोजी रंग का है।

अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के अनुसार, 22 अगस्त 2013 को लैंडसैट 8 सैटेलाइट ने इस झील का चित्र कैद किया। झील का पीएच 0.3 से भी कम है। तुलना करें तो नींबू के रस का पीएच 2 होता है। इतनी अम्लता के कारण यह झील दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे अम्लीय क्रेटर झील कही जाती है। इस झील की अम्लता मैग्मा से निकलने वाले वाष्पशील पदार्थों, चट्टानों के साथ रासायनिक प्रतिक्रिया, वाष्पीकरण और भूमिगत गर्म पानी की प्रणालियों से आती है।

झील से निकलने वाली बन्युपाहित नदी भी अम्लीय होती है, जिसका पीएच 2.5 से 3.5 के बीच रहता है। यह नदी आसपास के इकोसिस्टम को प्रभावित करती है।

इजेन का सबसे रहस्यमयी आकर्षण नीली आग (ब्लू फायर) का दृश्य है। क्रेटर की दरारों से निकलने वाली सल्फ्यूरिक गैसें 360 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान पर जलती हैं। सल्फर और ऑक्सीजन की प्रतिक्रिया से नीली लपटें बनती हैं। आम ज्वालामुखियों में लाल या नारंगी आग दिखती है, लेकिन इजेन में उच्च सल्फर सांद्रता के कारण नीली आग बनती है। सूरज की रोशनी में यह दृश्य छिप जाता है, इसलिए यह केवल रात में ही साफ दिखता है।

इजेन ज्वालामुखी सक्रिय है और यहां सल्फर का खनन भी होता है।

पोषक तत्वों से भरपूर पेड़ों पर फलने वाली 'जंगल जलेबी', इम्युनिटी बूस्ट कर हड्डियों को बनाती है मजबूत

नई दिल्ली। मीठी-मीठी मिठाई जलेबी तो आपने खूब खाई होगी। लेकिन पौष्टिक तत्वों से भरपूर पेड़ों पर फलने वाली जंगल जलेबी के बारे में शायद ही सुना हो। इस अनोखे फल का आयुर्वेद में खासा स्थान है। इसका स्वाद मीठे-खट्टे का मिश्रण है, जो सेहत के लिए किसी अमृत से कम नहीं है।

आयरन, कैल्शियम, विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर यह फल इम्युनिटी बढ़ाने, पाचन सुधारने और हड्डियों को मजबूत बनाने में खासा मददगार है। जंगल जलेबी का वैज्ञानिक नाम पीथेसेलोबियम डल्स है। इसे मनीला तमरिंद या मद्रास थॉर्न के नाम से भी जाना जाता है। यह एक मध्यम आकार का सदाबहार पेड़ है, जिसकी फलियां मुड़ी हुई और जलेबी की तरह दिखती हैं। पकने पर ये फलियां लाल या गुलाबी रंग की हो जाती हैं। अंदर सफेद गूदेदार पल्प होता है, जिसमें मीठा-खट्टा स्वाद होता है। एक फली में करीब 10 बीज होते हैं।

यह फल पौष्टिक तत्वों का खजाना है। इसमें आयरन की अच्छी मात्रा होती है, जो एनीमिया से बचाता है और एनर्जी बढ़ाता है। कैल्शियम और फॉस्फोरस हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाते हैं। विटामिन सी से भरपूर होने के कारण यह इम्युनिटी बूस्ट करता है और संक्रमण से लड़ने में मदद करता है। एंटीऑक्सीडेंट्स (फ्लेवोनॉयड्स, पॉलीफेनॉल्स) शरीर में ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस कम करते हैं, सूजन घटाते हैं और उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा करते हैं।पाचन की दृष्टि से भी यह फल बेहद उपयोगी है। इसमें डाइटरी फाइबर प्रचुर मात्रा में पाया जाता है, जो कब्ज दूर करता है, आंतों को स्वस्थ रखता है और पाचन तंत्र को बेहतर बनाता है। कई अध्ययनों में इसके एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटी-माइक्रोबियल और ब्लड डायबिटीज नियंत्रित करने वाले गुण भी पाए गए हैं। पारंपरिक चिकित्सा में इसका इस्तेमाल पेट की समस्याओं, बुखार और त्वचा संबंधी परेशानियों में किया जाता है। इसके अलावा, कांटेदार होने के कारण यह पेड़ फेंसिंग और बाड़ के रूप में भी उपयोगी है। यह तेजी से बढ़ता है और मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने में भी मदद करता है। गर्मियों में सड़क किनारे या बाजार में आसानी से उपलब्ध यह फल बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक के लिए फायदेमंद है।

तन-मन को शीतल कर हाई ब्लड प्रेशर कंट्रोल करता है शीतकारी प्राणायाम, इस तरह करें

नई दिल्ली। बदलती जीवनशैली, अनियमित दिनचर्या और असंतुलित खानपान के चलते आज हाई ब्लड प्रेशर एक आम स्वास्थ्य समस्या बन चुकी है। दुनियाभर में करीब एक अरब लोग इससे प्रभावित हैं, जबकि भारत में यह हृदय रोग और स्ट्रोक का प्रमुख कारण माना जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, दवाओं के साथ-साथ जीवनशैली में सुधार और नियमित योग अभ्यास से ब्लड प्रेशर को नियंत्रित किया जा सकता है। खास तौर पर शीतकारी प्राणायाम एक आसान और प्रभावी श्वास तकनीक है, जो हाई ब्लड प्रेशर को कम करने में सहायक साबित हो रही है।

शीतकारी प्राणायाम योग की एक शीतल यानी ठंडक देने वाली श्वास तकनीक है। ऐसे में गर्मियों में और भी खास बन जाता है। इसमें मुंह से हवा अंदर ली जाती है, जिससे शरीर को ठंडक मिलती है। यह प्राणायाम तनाव कम करता है, ऑटोनॉमिक नर्वस सिस्टम को संतुलित करता है और पैरासिम्पेथेटिक नर्वस सिस्टम की अति सक्रियता को कम करता है। अध्ययनों में पाया गया है कि नियमित अभ्यास से सिस्टोलिक ब्लड प्रेशर में उल्लेखनीय कमी आ सकती है। शीतकारी प्राणायाम के अभ्यास से सेहत को कई लाभ मिलते हैं। यह हाई ब्लड प्रेशर को कम करता है और हृदय की धड़कन को स्थिर रखता है। तनाव और चिंता घटाता है, जिससे ब्लड प्रेशर पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। शरीर में ठंडक पैदा करता है, पित्त दोष को शांत करता है और गर्मी संबंधी समस्याओं में राहत देता है। श्वास दर को धीमा करता है, ऑक्सीजन का बेहतर उपयोग होता है और फेफड़ों की क्षमता बढ़ती है। सबसे अहम बात है कि इसके अभ्यास से सेहत को कोई साइड इफेक्ट नहीं पड़ता, जिसके कारण यह दवाओं के साथ पूरक चिकित्सा के रूप में सुरक्षित तरीके से रोजाना किया जा सकता है।

रिसर्च के अनुसार, शीतकारी और शीतली प्राणायाम हल्के से मध्यम हाई ब्लड प्रेशर वाले लोगों में सिस्टोलिक ब्लड प्रेशर को काफी हद तक कम कर सकते हैं। यह परिवर्तन तनाव कम करने और पैरासिम्पेथेटिक नर्वस सिस्टम को सक्रिय करने के कारण होता है।

शीतकारी प्राणायाम के लिए आरामदायक ध्यान मुद्रा में बैठें। इस दौरान पीठ सीधी रखें और आंखें बंद कर लें। इसके बाद हाथों को घुटनों पर रखें। निचले और ऊपरी दांतों को हल्का सा दबाएं।

सुबह के नाश्ते में कहीं आप भी तो नहीं कर रहे ये गलती? ऐसे करें बचाव

नई दिल्ली। सुबह का नाश्ता दिन का सबसे महत्वपूर्ण भोजन है। यह न सिर्फ शरीर को ऊर्जा देता है, बल्कि पूरे दिन के स्वास्थ्य और एक्टिविटी को भी प्रभावित करता है। कई लोग सुबह जल्दबाजी में गलत चीजें खा लेते हैं, जो लंबे समय में सेहत के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है।

नेशनल हेल्थ मिशन के अनुसार, सुबह का संतुलित और पौष्टिक नाश्ता शरीर को जरूरी विटामिन, खनिज और फाइबर प्रदान करता है। इससे दिनभर ऊर्जा बनी रहती है और थकान नहीं होती, लेकिन अगर नाश्ते में ज्यादा नमक, चीनी और वसा (फैट) वाली चीजें शामिल की जाएं तो यह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है।

सुबह का नाश्ता हल्का लेकिन पौष्टिक होना चाहिए। इससे पूरे दिन शरीर और दिमाग दोनों सक्रिय रहते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों की सलाह है कि सुबह जल्दी उठकर ताजा और घर का बना नाश्ता करें। बाहर का जंक फूड और पैकेट वाले नाश्ते से जितना हो सके बचें।

एक्सपर्ट के अनुसार, सुबह के नाश्ते में ये गलतियां आम हैं। लोग आमतौर पर ज्यादा चीनी वाली चीजें जैसे चाय में अतिरिक्त चीनी, बिस्किट, केक या मिठाई, तला-भुना नाश्ता जैसे समोसा, कचौड़ी, परांठा या पकौड़े आदि। ज्यादा नमक वाले स्नैक्स जैसे नमकीन, चिप्स या अचार के साथ ही सबसे बड़ी गलती सुबह खाली पेट केवल चाय या कॉफी पीते हैं और पूरा नाश्ता छोड़ देते हैं।

ये आदतें धीरे-धीरे मोटापा, डायबिटीज, ब्लड प्रेशर और पाचन संबंधी समस्याएं पैदा कर सकती हैं। ऐसे में बचाव जरूरी है। इसके लिए नाश्ते में दलिया, ओट्स, सूजी का हलवा और ड्राई फ्रूट्स ले सकते हैं। फल जैसे सेब, केला, संतरा, पपीता या मौसमी फल, अंकुरित अनाज जैसे मूंग, चना या मेथी के अंकुरित दाने, दही, सादा दही या फ्रूट योगर्ट के साथ ही पोहा, रोटी-सब्जी कम तेल वाली हरी सब्जी के साथ 1-2 रोटी नाश्ते के तौर पर ले सकते हैं।

पेट की चर्बी कम करने में कारगर उपविष्ठ कोणासन, रीढ़ की हड्डी होती है मजबूत

नई दिल्ली । योग स्वस्थ जीवनशैली का जरूरी हिस्सा है। यह शरीर को फिट रखने के साथ-साथ मानसिक संतुलन बनाए रखने में भी मदद करता है। खासतौर पर हठ योग के कुछ आसन ऐसे हैं, जो शरीर के कई हिस्सों पर एक साथ काम करते हैं। इन्हीं में से एक है उपविष्ठ कोणासन।

यह आसन देखने में सरल लग सकता है, लेकिन इसे सही तरीके से करना बेहद जरूरी है, तभी इसके पूरे लाभ मिल पाते हैं।

उपविष्ठ कोणासन का अभ्यास शुरू करने के लिए सबसे पहले जमीन पर सीधा बैठ जाएं और पैरों को सामने की ओर फैलाएं। इसके बाद धीरे-धीरे दोनों पैरों को जितना आराम से हो सके, उतना चौड़ा करें। सांस को नियंत्रित रखते हुए शरीर को आगे की ओर झुकाएं। इस दौरान पीठ को सीधा रखने की कोशिश करें और हाथों को आगे बढ़ाकर पैरों की ओर ले जाएं। इस मुद्रा में कुछ समय रुककर सामान्य सांस लेते रहें और फिर धीरे-धीरे वापस सामान्य स्थिति में आ जाएं।

फायदों की बात करें तो यह आसन सबसे पहले शरीर की मांसपेशियों पर असर डालता है। जब हम पैरों को फैलाकर आगे झुकते हैं, तो जांघों, हैमस्ट्रिंग और पीठ की मांसपेशियों में खिंचाव आता है। यह खिंचाव मांसपेशियों को मजबूत बनाता है और उनमें लचीलापन बढ़ाता है। धीरे-धीरे नियमित अभ्यास से शरीर की अकड़न कम होने लगती है और बैठने-उठने में आसानी महसूस होती है। यह आसन पेट के अंदर मौजूद अंगों के लिए भी फायदेमंद माना जाता है। आगे झुकने की प्रक्रिया में पेट के हिस्से पर हल्का दबाव पड़ता है, जिससे पाचन तंत्र सक्रिय होता है। इससे भोजन के पाचन में सुधार आता है और गैस, कब्ज जैसी समस्याओं में राहत मिल सकती है।

उपविष्ठ कोणासन शरीर में जमा अतिरिक्त चर्बी को कम करने में भी मदद कर सकता है। जब शरीर इस स्थिति में जाता है, तो पेट और जांघों के आसपास की मांसपेशियां सक्रिय होती हैं। नियमित अभ्यास से इन हिस्सों में फैट बर्निंग की प्रक्रिया तेज होती है।

रीढ़ की हड्डी के लिए भी यह आसन काफी लाभकारी है। इस दौरान जब आप आगे झुकते हैं, तो स्पाइन पर हल्का स्ट्रेच आता है। यह स्ट्रेच रीढ़ की लचीलापन बढ़ाने के साथ-साथ उसे मजबूत भी बनाता है।

आर्टेमिस II मिशन के अंतरिक्ष यात्रियों ने बताया अपना अनुभव, क्रू ने पहली बार परिवार से की मुलाकात

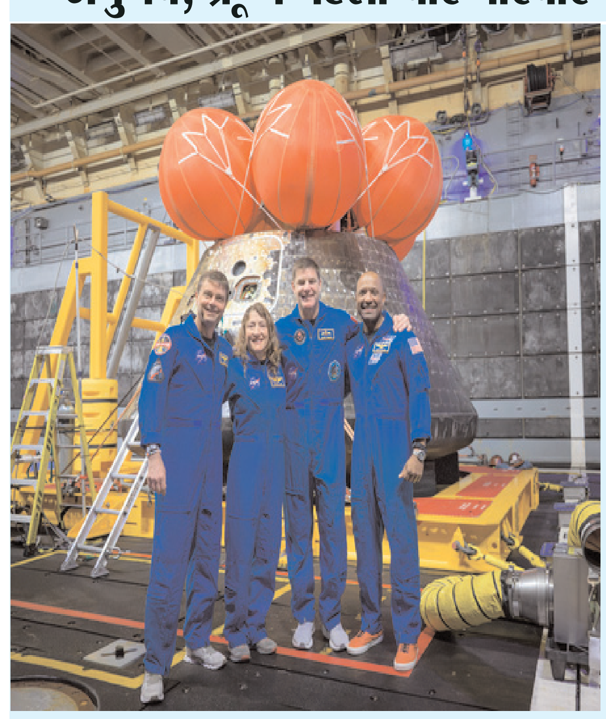

वाशिंगटन । नासा का आर्टेमिस II मिशन सफलतापूर्वक पूरा हो चुका है। इस मिशन पर जाने वाले चारों अंतरिक्ष यात्री- रीड वाइजमैन, विक्टर ग्लोवर, क्रिस्टीना कोच और जेरेमी हैनसेन स्वस्थ हैं और इस सुरक्षित वापस लौटे हैं।

चारों अंतरिक्ष यात्री शनिवार को ह्यूस्टन में जॉनसन स्पेस सेंटर के एलिंगटन फील्ड में पहुंचे। यहां नासा के प्रशासक जेरेड इसाकमैन ने तालियां बजाकर उनका स्वागत किया और उन्हें गले लगाया। चांद के चारों ओर अपनी ऐतिहासिक 10-दिन की यात्रा पूरी होने के बाद क्रू के सदस्य पहली बार साइट पर अपने परिवारों से मिले।

इसाकमैन ने इस मिशन को इंसानी इतिहास का सबसे बड़ा एडवेंचर बताया। इस मिशन को लेकर अपना अनुभव साझा करते हुए रीड वाइजमैन ने कहा, 'विक्टर, क्रिस्टीना और जेरेमी, हम हमेशा के लिए एक-दूसरे से जुड़ गए हैं और यहां कोई भी कभी नहीं जान पाएगा कि हम चारों ने क्या अनुभव किया है। यह मेरी जिंदगी में अब तक की सबसे खास बात थी। घर से 200,000 मील से ज्यादा दूर होना आसान नहीं था। जैसे, लॉन्च से पहले ऐसा लगता है कि यह धरती का सबसे बड़ा सपना है, और जब आप वहां होते हैं, तो आप बस अपने परिवार और दोस्तों के पास वापस जाना चाहते हैं। इंसान होना एक खास बात है और धरती ग्रह पर होना एक खास बात है।'

रीड के बाद अंतरिक्ष यात्री क्रिस्टीना कोच ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा, 'क्रू एक ऐसा ग्रुप है जो हर समय साथ रहता है, चाहे कुछ भी हो, जो हर मिनट एक ही मकसद के साथ साथ काम करता है, जो एक-दूसरे के लिए चुपचाप कुर्बानी देने को तैयार रहता है, जो दया दिखाता है, जो जिम्मेदारी लेता है। क्रू की एक जैसी चिंताएं और एक जैसी जरूरतें होती हैं और क्रू बहुत खूबसूरती से, कर्तव्यनिष्ठा से जुड़ा होता है।

उन्होंने कहा कि उन्हें सबसे बड़ा एहसास तब हुआ जब उन्होंने ओरियन की खिड़की से पृथ्वी को बहुत छोटा और उसके चारों ओर फैले अंधेरे को देखा। कोच ने कहा, 'मुझे पता है कि मैंने अभी तक वह सब कुछ नहीं सीखा है जो इस सफर ने मुझे सिखाया है। लेकिन एक नई चीज है जो मैं जानती हूं और वह है पृथ्वी ग्रह: आप एक क्रू हैं।

इसके अलावा जेरेमी हैनसेन ने कहा, 'हमारे क्रू में एक शब्द है जिसे हमने बहुत पहले बनाया था, 'जॉय ट्रेन'। और ऐसा लगता है कि आपने वहां बहुत खुशी देखी। बहुत खुशी थी। हम हमेशा जॉय ट्रेन पर नहीं होते, लेकिन हम जल्द से जल्द जॉय ट्रेन पर वापस आने के लिए प्रतिबद्ध हैं और यह किसी भी टीम के लिए एक उपयोगी लाइफ स्किल है। इसके बाद अपने क्रू सदस्यों को गले लगाते हुए हैनसेन ने भावुक होकर अपनी भावनाएं साझा कीं। उन्होंने कहा, 'आपने जो देखा, वह ऐसे लोगों का समूह था जिन्हें सार्थक योगदान देने में खुशी मिलती है।

क्या आप सच में फिट हैं? गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट ने बताए वो 8 इशारे, जो एक स्वस्थ शरीर खुद देता है

नई दिल्ली। हम अक्सर सोचते हैं कि सिक्स-पैक एब्स या घंटों जिम में पसीना बहाना ही असली फिटनेस है, लेकिन हार्वर्ड-ट्रेंड गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉ. सौरभ सेठी ऐसा नहीं मानते हैं।

जी हां, उनके नजरिए से, हमारा शरीर हर दिन कुछ ऐसे छोटे-छोटे इशारे करता है जो बताते हैं कि अंदर से सब कुछ एकदम परफेक्ट है। अगर आपके शरीर में भी ये 8 चीजें होती हैं, तो समझ लीजिए कि आप बिल्कुल स्वस्थ हैं।

शायद किसी के सामने गैस छोड़ना आपको शर्मिंदा कर दे, लेकिन मेडिकल साइंस इसे एक शानदार संकेत मानता है। अगर आपको रोजाना प्राकृतिक रूप से गैस पास होती है, तो यह इस बात का पक्का सबूत है कि आपका पाचन तंत्र अपना काम बिना किसी रुकावट के कर रहा है।शरीर में पानी की सही मात्रा का अंदाजा लगाना बहुत आसान है। अगर आपके पेशाब का रंग हल्का पीला है, तो समझ लीजिए कि आपके शरीर में पानी की कोई कमी नहीं है। यह दर्शाता है कि आप सही मात्रा में लिक्विड ले रहे हैं और पूरी तरह हाइड्रेटेड हैं।

क्या एक्सरसाइज या मेहनत का काम करते समय आपके शरीर से बहुत पसीना निकलता है? अगर हां, तो यह आपकी शानदार सेहत का सुबूत है। इसका सीधा सा मतलब है कि आपका शरीर अपने तापमान को संतुलित करने का काम बेहतरीन तरीके से कर रहा है।

सुबह-सुबह पेट का अच्छे से साफ होना

एक स्वस्थ शरीर की सबसे बड़ी निशानी है- कब्ज से दूरी। अगर आपको बिना किसी परेशानी के नियमित रूप से मल त्याग करने की आदत है, तो यह दर्शाता है कि आपकी आंतें मजबूत हैं और पाचन क्रिया बिल्कुल सही रास्ते पर है।

कभी-कभी शांति से बैठे होने पर पेट से कुछ आवाजें आने लगती हैं। इसे सुनकर परेशान होने की कोई जरूरत नहीं है। यह गुड़गुड़ाहट दरअसल इस बात का इशारा है कि आपके पेट के अंदर की मशीनरी एकदम चालू हालत में है।

ब्रश करते वक्त मसूड़ों का स्वस्थ रहना

अपनी ओरल हेल्थ से भी आप अपनी ओवरऑल फिटनेस का अंदाजा लगा सकते हैं। अगर दांतों की सफाई करते समय आपके मसूड़ों से बिल्कुल भी खून नहीं निकलता है, तो यह साबित करता है कि आपके मसूड़े मजबूत हैं और आप अंदर से पूरी तरह तंदुरुस्त हैं।

सोडा या कोल्ड ड्रिंक के बाद डकार आना

फिजी या गैस वाली ड्रिंक्स पीने के बाद डकार आना एक बेहद प्राकृतिक और जरूरी प्रक्रिया है। अगर आपको भी डकार आती है।

एफसी बार्सिलोना ने एस्पेनयॉल को 4-1 से हराया, अंकतालिका में बनाई 9 अंकों की बढ़त

मैड्रिड । एफसी बार्सिलोना ने ला लीगा में अपनी स्थिति को और मजबूत करते हुए कैटलन डर्बी में एस्पेनयॉल को 4-1 से हराया और अंकतालिका में नौ अंकों की बढ़त बना ली। इस जीत के साथ बार्सिलोना ने खिताब की दौड़ में खुद को काफी आगे कर लिया है। इसकी एक वजह रियल मैड्रिड का गिरोना एफसी के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेलना भी रहा।

मैच की शुरुआत से ही बार्सिलोना ने आक्रामक खेल दिखाया। फेरान टोरेस ने नौवें मिनट में हेडर के जरिए गोल कर टीम को बढ़त दिलाई और लंबे समय से चले आ रहे अपने गोल के सूखे को खत्म किया। इसके बाद 25वें मिनट में उन्होंने लामिन यामल के शानदार पास पर दूसरा गोल कर स्कोर 2-0 कर दिया। दूसरे हाफ में टोरेस हैट्रिक के करीब पहुंचे, लेकिन ऑफसाइड के कारण उनका एक और गोल रद्द कर दिया गया।हालांकि पोल लोजानो के शॉट ने एस्पेनयोल को थोड़ी उम्मीद दी, लेकिन बार्सिलोना ने जल्द ही मैच पर फिर से पकड़ बना ली। फ्रेंकी डे जोंग ने टीम को मजबूती दी, जबकि यामल ने शानदार गोल कर जीत लगभग सुनिश्चित कर दी। मार्कस रैशफोर्ड ने वॉली के जरिए चौथा गोल कर टीम की बड़ी जीत पर मुहर लगा दी।

एटलेटिको मैड्रिड को सेविला एफसी के खिलाफ 2-1 से हार का सामना करना पड़ा। एटलेटिको ने अपने कई प्रमुख खिलाड़ियों को आराम दिया, जिसका खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ा। सेविला ने पेनल्टी के जरिए बढ़त बनाई और इंजरी टाइम में हेडर से निर्णायक गोल दागकर मैच जीत लिया।

एक अन्य मुकाबले में रियल सोसिएदाद और डेपोर्टिवो अलावेस के बीच रोमांचक मुकाबला 3-3 से ड्रॉ रहा। इस मैच में कई बार बढ़त बदलती रही और दोनों टीमों ने अंत तक संघर्ष किया। सोसिएदाद ने दो बार पिछड़ने के बाद वापसी की, लेकिन आखिरी क्षणों में अलावेस ने गोल कर एक अंक हासिल कर लिया।

वहीं, एल्चे सीएफ ने वालेंसिया सीएफ को 1-0 से हराकर बड़ी राहत पाई। इस जीत के साथ एल्चे बॉटम थ्री से बाहर निकलने में सफल रहा, जिससे टीम के आत्मविश्वास में भी बढ़ोतरी हुई।

इस राउंड के मुकाबलों के बाद बार्सिलोना ने ला लीगा में अपनी पकड़ मजबूत कर ली है।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सदस्य यास्तिका भाटिया ने परिवार संग भगवान महाकाल के दर्शन किए

उज्जैन । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की विकेटकीपर बल्लेबाज यास्तिका भाटिया ने रविवार को पूरे परिवार के साथ बाबा महाकाल के दर्शन किए।

भाटिया मंदिर में होने वाली विशेष आरती में भी शामिल हुईं। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में यास्तिका अपने पूरे परिवार के साथ भक्ति में डूबी दिख रही हैं। मंदिर घूमने के अलावा, उन्होंने वहां के पुजारी से भी मुलाकात की और उनका आशीर्वाद लिया। क्रिकेटर को पुजारी ने 'जय श्री राम' लिखी हुई एक चुनरी भेंट की।

मंदिर में बाबा के दर्शन के बाद यास्तिका भाटिया ने कहा, 'मैंने पूरे परिवार के साथ भगवान महाकाल के दर्शन किए। बहुत ही भव्य मंदिर है। बाबा का बुलावा आया था और बहुत ही अच्छे से हमें भगवान के दर्शन हुए। जब डमरु बज रहे थे और आरती हो रही थी, उस समय मन एकदम गदगद और तृप्त हो गया। आत्मा संतुष्ट हो गई। इस तरह भोलेनाथ का दर्शन हो जाए तो बहुत अच्छा लगता है।

भाटिया ने मंदिर की संचालन सुविधाओं की भी प्रशंसा की।

25 साल की यास्तिका भाटिया भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उभरती हुई बल्लेबाज हैं। बड़ौदा के लिए घरेलू क्रिकेट खेलने वाली यास्तिका भारतीय महिला क्रिकेट टीम के लिए तीनों ही फॉर्मेट में डेब्यू कर चुकी हैं।

भाटिया ने 30 सितंबर 2021 को टेस्ट में, 21 सितंबर 2021 को वनडे में, और 7 अक्टूबर 2021 को टी20 में डेब्यू किया था। 3 टेस्ट की 5 पारियों में 1 अर्धशतक लगाते हुए 98 रन, 28 वनडे की 27 पारियों में 4 अर्धशतक लगाते हुए 666 रन, और 19 टी20 की 14 पारियों में 214 रन उनके नाम दर्ज हैं। भाटिया फिलहाल टीम इंडिया से बाहर चल रही हैं। उन्होंने नीली जर्सी में आखिरी मुकाबला 29 अक्टूबर 2024 को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था।

यास्तिका विमेंस प्रीमियर लीग में गुजरात जियांट्स और मुंबई इंडियंस के लिए खेल चुकी हैं। विमे बिग बैश लीग में मेलबर्न स्टार्स के लिए खेल चुकी हैं।

आईपीएल 2026: रदरफोर्ड की तूफानी पारी गई बेकार, आरसीबी ने एमआई को 18 रनों से हराया

मुंबई। आईपीएल 2026 के 20वें मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए मुंबई इंडियंस (एमआई) को 18 रनों से हराया। आरसीबी से मिले 241 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए एमआई 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 222 रन ही बना सकी।

आरसीबी से मिले 241 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई इंडियंस की शुरुआत अच्छी रही। रयान रिकेल्टन और रोहित शर्मा की जोड़ी अच्छी लय में दिखाई दी। हालांकि, हैमस्ट्रिंग में खिंचाव होने के कारण रोहित 19 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हो गए और दोबारा बल्लेबाजी करने नहीं उतरे। रिकेल्टन ने 22 गेंदों में 3 चौकों और तीन छक्कों की मदद से 37 रन बनाए। कप्तान सूर्यकुमार यादव अच्छी शुरुआत का फायदा उठाने में नाकाम रहे, और वह 22 गेंदों में 33 रन बनाकर आउट हुए। तिलक वर्मा भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और सिर्फ एक ही बना पाए।

हार्दिक पांड्या कुछ दमदार शॉट्स खेले और वह 22 गेंदों में 40 रन बनाकर जैकब डफी का शिकार बने। हार्दिक ने अपनी इस पारी में 6 चौके और एक छक्का लगाया। नमन धीर एक रन ही बना सके। शेरफेन रदरफोर्ड ने तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए महज 31 गेंदों में 71 रनों की नाबाद पारी खेली, लेकिन वह टीम को जीत नहीं दिला सके। रदरफोर्ड ने अपनी इस पारी में एक चौका और 9 छक्के लगाए। सैंटनर 8 रन बनाकर नाबाद रहे। गेंदबाजी में आरसीबी की ओर से सुयश शर्मा ने सर्वाधिक 2 विकेट चटकाए, जबकि जैकब डफी ने एक विकेट अपने नाम किया।

इससे पहले, टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए आरसीबी ने 20 ओवर में 4 विकेट गंवाकर 240 रन बनाए। फिल साल्ट और विराट कोहली ने टीम को शानदार शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 120 रनों की साझेदारी निभाई। कोहली ने 38 गेंदों में 50 रन बनाए, तो साल्ट ने 36 गेंदों में 78 रनों की शानदार पारी खेली। साल्ट ने अपनी इस पारी में 6 चौके और 6 छक्के लगाए। कप्तान रजत पाटीदार बेहतरीन लय में दिखाई दिए और उन्होंने 20 गेंदों में 53 रन बनाए।

अंत के ओवरों में टिम डेविड ने सिर्फ 16 गेंदों का सामना करते हुए नाबाद 34 रन बनाए, जबकि जितेश शर्मा 10 रन ही बना सके। गेंदबाजी में मुंबई इंडियंस की ओर से बोल्ट-हार्दिक, सैंटनर और शार्दुल ने एक-एक विकेट चटकाया। आरसीबी की यह इस सीजन की तीसरी जीत है। वहीं, एमआई को आईपीएल 2026 में तीसरी हार का सामना करना पड़ा है।

वैभव सूर्यवंशी में भारत के लिए डेब्यू करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बनने की क्षमता: अरुण धूमल

नई दिल्ली । आईपीएल प्रमुख अरुण धूमल ने 15 साल के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की तारीफ करते हुए कहा है कि इस खिलाड़ी में भारत के लिए खेलने वाले सबसे कम उम्र का खिलाड़ी बनने की क्षमता है। हालांकि, धूमल ने कहा कि वह तुरंत कॉल-अप की वकालत नहीं कर रहे हैं।

मीडिया से बात करते हुए धूमल ने कहा, 'मुझे पता है कि अभी ओपनिंग पोजीशन के लिए कोई स्लॉट खाली नहीं है। हमारे पास अभिषेक, जायसवाल और संजू जैसे खिलाड़ी हैं जो शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन सिर्फ 15 साल की उम्र में, मुझे निजी तौर पर लगता है कि उसमें (वैभव सूर्यवंशी) इंडिया के लिए सबसे कम उम्र में डेब्यू करने वाला भारतीय बनने की क्षमता है। मैं उसे शामिल करने पर जोर नहीं दे रहा हूं, लेकिन चयनकर्ताओं के लिए इतने कम उम्र के टैलेंट को चुनने का यह जिंदगी में एक बार मिलने वाला मौका हो सकता है।'

वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 में जसप्रीत बुमराह, जोश हेजलवुड, और भुवनेश्वर कुमार जैसे विश्वस्तरीय गेंदबाजों के खिलाफ विस्फोटक बल्लेबाजी कर अपनी क्षमता साबित की है और राष्ट्रीय टीम के चयनकर्ताओं के मन में अपने बारे में सोचने का दबाव बढ़ाया है।

सूर्यवंशी, जो पिछले साल आईपीएल नीलामी में साइन किए गए सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बनकर सुर्खियों में आए थे, आईपीएल 2026 में जबरदस्त फॉर्म में दिखे हैं। शुक्रवार को गुवाहाटी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ सिर्फ 26 गेंदों पर 78 रन की पारी खेल उन्होंने अपनी टीम राजस्थान रॉयल्स को दमदार जीत दिलायी थी। आरसीबी के खिलाफ सूर्यवंशी की फिफ्टी इस सीजन की उनकी दूसरी फिफ्टी थी। इससे पहले उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ आरआर के सीजन पहले मैच में 15 गेंदों पर अर्धशतक लगाया था।

बिली जीन किंग कप: भारत ने कोरिया पर जीत के साथ अभियान समाप्त किया

नई दिल्ली । भारत ने शनिवार को डीएलटीए स्टेडियम में एशिया/ओशिनिया ग्रुप-1 क्वालीफायर में कोरिया पर 2-1 की मनोबल बढ़ाने वाली जीत के साथ अपना बिली जीन किंग कप अभियान समाप्त किया। भारतीय टीम छह देशों में तीसरे स्थान पर रही और ग्रुप-1 में अपनी जगह बनाए रखी, जबकि थाईलैंड और इंडोनेशिया ने शीर्ष दो स्थान हासिल करके 2026 प्रतियोगिता के अगले दौर में जगह बनाई।

पहले एकल मैच में, अंकिता रैना, जो इस सप्ताह अपना पहला एकल मैच खेल रही थीं, का मुकाबला कोरिया की डेयोन बैक से हुआ। पहला सेट 6-1 से हारने के बाद, रैना, जो इस प्रतियोगिता में भारत की सबसे अनुभवी खिलाड़ी हैं, दूसरे सेट में 5-3 से आगे चल रही थीं, लेकिन बैक ने लगातार चार गेम जीतकर कोरिया को 1-0 की बढ़त दिला दी।

दूसरे एकल मैच में, भारत की नंबर 1 खिलाड़ी वैष्णवी अडकर ने आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए कोरिया की शीर्ष खिलाड़ी सोह्युन पार्क को 7-6, 7-6 से हराया। अपनी जीत के बाद अडकर ने कहा, 'मुझे लगता है कि देर आए दुरुस्त आए, क्योंकि पिछला मैच जो मैंने खेला था, वह काफी कठिन रहा था और मेरे पक्ष में नहीं गया था। मुझे उससे बहुत कुछ सीखना था और मुझे लगता है कि मैंने निश्चित रूप से पिछले मैच की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया।

अडकर ने दर्शकों का भी आभार व्यक्त किया, जो भारतीय टीम का समर्थन करने के लिए बड़ी संख्या में स्टेडियम पहुंचे थे। उन्होंने कहा, 'आज दर्शकों से अद्भुत समर्थन मिला। हमारे समर्थन में भारी भीड़ थी, जिससे हमें सचमुच बहुत मदद मिली और टीम में भी बहुत सकारात्मक ऊर्जा थी। भले ही हम पहला एकल मैच हार गए थे, लेकिन हमारे लिए यह बहुत महत्वपूर्ण था कि चाहे कुछ भी हो जाए, हम संघर्ष जारी रखें, क्योंकि देश के लिए खेलना हमेशा ही एक सौभाग्य की बात होती है।

रैना युगल मैच में अपनी जोड़ीदार रुतुजा भोसले के साथ कोर्ट पर उतरीं, जहां भारतीय जोड़ी ने बैक और यूनह्यो ली को 6-2, 6-2 से हराकर 2-1 से जीत पक्की कर ली। इस जीत के साथ, भारत ने प्रतियोगिता का समापन तीन जीत और दो हार के साथ किया, और कुल मिलाकर तीसरे स्थान पर रहा, जो कोरिया से आगे था।

थाईलैंड ने इंडोनेशिया पर 2-1 की जीत के साथ एशिया/ओशिनिया ग्रुप-1 की स्टैंडिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया। इस मुकाबले की शुरुआत इंडोनेशिया की प्रिस्का मैडेलिन नुग्रोहो के पहले सेट में ही थासापोर्न नाक्लो के खिलाफ मैच से हटने (रिटायर होने) के साथ हुई।

'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम अब एक मुहिम बन चुका है: डॉ मनसुख मांडविया

नई दिल्ली। केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने रविवार को नई दिल्ली में कहा कि 'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम अब पूरे देश में एक मुहिम बन चुका है।

डॉ. मनसुख मांडविया ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से देश के युवा फिटनेस के प्रति जागरुक हुए हैं। पीएम का फिट इंडिया का संदेश सिर्फ संदेश नहीं है, बल्कि विकसित भारत की जरूरत है। भारत को अगर विकसित बनना है तो युवाओं को स्वस्थ और फिट होना होगा। स्वस्थ नागरिक स्वस्थ समाज का निर्माण करते हैं, और स्वस्थ समाज से ही समृद्ध राष्ट्र का निर्माण होता है।'

उन्होंने कहा कि मैं सभी युवाओं से अपील करता हूं कि वे स्वस्थ रहें और समृद्ध राष्ट्र के निर्माण में अपना योगदान दें।

फिट इंडिया अभियान के तहत 'संडे ऑन साइकिल' पहल की शुरुआत दिसंबर 2024 में युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा शुरू की गई थी। इसका नेतृत्व डॉ. मनसुख मांडविया ने किया था। मांडविया लगातार इस कार्यक्रम का नेतृत्व न सिर्फ दिल्ली बल्कि देश के अलग-अलग शहरों में करते हैं। यह एक साप्ताहिक देशव्यापी फिटनेस अभियान है जिसे सेहत को बढ़ावा देने, मोटापा कम करने और साइकिलिंग को इको-फ्रेंडली अभ्यास के तौर पर बढ़ावा देने के लिए शुरू किया गया है।

आईपीएल 2026: केकेआर की ताकत बढ़ी, मथीशा पथिराना को मिली एनओसी, जल्द टीम से जुड़ेंगे

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में निराशाजनक दौर से गुजर रही कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के लिए अच्छी खबर है। श्रीलंकाई तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना ने श्रीलंका क्रिकेट का जरूरी फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है। उन्हें केकेआर से जुड़ने के लिए नो-ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) मिल गयी है।

ईएसपीएनक्रिकइंफो के मुताबिक पाथिराना की चोट ठीक हो गई है। वह 17 अप्रैल को गुजरात टाइटंस (जीटी) के खिलाफ होने वाले मुकाबले के लिए केकेआर टीम से जुड़ेंगे। हालांकि, वह 19 अप्रैल को राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के खिलाफ होने वाले मैच के लिए उपलब्ध होंगे।

आईपीएल 2026 में शुरुआती 4 में से 3 मैच गंवाकर केकेआर मुश्किल में है। केकेआर की मुख्य समस्या गेंदबाजी ही रही है। मुस्तफिजुर रहमान को बीसीसीआई के आदेश के बाद टीम ने रिलीज कर दिया था। हर्षित राणा और आकाश दीप इंजरी की वजह से बाहर हो गए। वरुण चक्रवर्ती खराब फॉर्म से गुजर रहे हैं।

केकेआर मुंबई इंडियंस के खिलाफ अपने पहले गेम में 220 रन का बचाव नहीं कर सकी। एलएसजी के खिलाफ भी टीम कमजोर गेंदबाजी की वजह से ही हारी।

ऐसे में पाथिराना के जुड़ने से गेंदबाजी मजबूत होगी और टीम की ताकत बढ़ेगी। पाथिराना शुरुआती और डेथ ओवरों में बेहद खतरनाक माने जाते हैं। वह क्या कर सकते हैं, वो अपनी पुरानी टीम सीएसके में रहते हुए साबित कर चुके हैं।

मथीशा पथिराना 2022 से 2025 तक आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का हिस्सा रहे थे।

2026 के लिए हुई नीलामी से पहले टीम ने उन्हें रिलीज कर दिया था। मिनी ऑक्शन में केकेआर ने पथिराना को 18 करोड़ में खरीदा था। पथिराना टी20 विश्व कप के दौरान इंजर्ड हो गए थे। उनकी पिंडली में खिंचाव आ गया था। इसलिए लीग के शुरुआती कुछ मैचों से उनका बाहर होना तय था।

पथिराना ने 32 आईपीएल मैचों में 47 विकेट लिए हैं।

बैडमिंटन एशियन चैंपियनशिप: फाइनल में आयुष शेट्टी की हार, सिल्वर के साथ शानदार सफर समाप्त

निंगबो । बैडमिंटन एशियन चैंपियनशिप के मेंस सिंगल्स फाइनल में भारतीय शटलर आयुष शेट्टी को चीन के दूसरी वरीयता प्राप्त शी यू की से हार का सामना करना पड़ा। रविवार को सीधे गेम में शिकस्त के साथ आयुष का सफर उपविजेता के तौर पर समाप्त हुआ।

निंगबो ओलंपिक सेंटर में खेले गए फाइनल में विश्व रैंकिंग में 25वें स्थान पर काबिज 20 वर्षीय भारतीय शटलर को मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन यू की के हाथों 8-21, 10-21 से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, सिल्वर मेडल के साथ आयुष साल 2018 में एचएस प्रणॉय के बाद इस महाद्वीपीय चैंपियनशिप में पोडियम पर जगह बनाने वाले पहले भारतीय मेंस सिंगल्स खिलाड़ी बन गए हैं।

सेमीफाइनल में थाईलैंड के मौजूदा चैंपियन कुनलावुत विटिडसर्न पर मिली जीत के साथ ही, आयुष बैडमिंटन एशियन चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाले दूसरे भारतीय मेंस सिंगल्स खिलाड़ी (कुल मिलाकर तीसरे खिलाड़ी) बन गए थे। अगर आयुष फाइनल जीतते, तो दिनेश खन्ना की बराबरी कर लेते, जो 1965 में मेंस सिंगल्स चैंपियन बने थे।

कर्नाटक के कारकला के पास स्थित एक छोटे से शहर सानूर के रहने वाले यूएस ओपन 2025 के चैंपियन आयुष का यह सफर किसी फिल्मी कहानी के जैसा रहा है, जिन्होंने फाइनल तक पहुंचने के रास्ते में टूर्नामेंट में कई बड़े उलटफेर किए।

आयुष शेट्टी का दिग्गज खिलाड़ियों को हराने का सिलसिला पहले दौर से ही शुरू हो गया था, जहां उन्होंने ली शी फेंग को चौंकाते हुए मात दी, जो दुनिया के नंबर 7 खिलाड़ी और मौजूदा एशियन गेम्स चैंपियन थे। इसके बाद उन्होंने ची यू जेन पर जीत दर्ज करते हुए क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। वहां उन्होंने एक और शानदार प्रदर्शन करते हुए वर्ल्ड नंबर-4 जोनाथन क्रिस्टी को हराया। इसके बाद सेमीफाइनल में वर्ल्ड नंबर-1 कुनलावुत विटिडसर्न को खिताबी रेस से बाहर कर दिया।

विमेंस सिंगल्स फाइनल में एन से-यंग ने वांग झीयी को 21-12, 17-12, 21-18 से हराकर एकमात्र बड़ा खिताब भी अपने नाम कर लिया, जो अब तक उनके पास नहीं था।24 वर्षीय एन से यंग बैडमिंटन इतिहास की पहली विमेंस सिंगल खिलाड़ी बन गई हैं, जिन्होंने खेल के सभी बड़े खिताबों का करियर स्वीप पूरा किया।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रींटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415